{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 22 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 60
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 85,632.68
निफ्टी - 26,192.15
सोना - 1,24,260
चांदी - 1,65,000
डॉलर - 88.65

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### दिल्ली हाई कोर्ट ने गंभीर के खिलाफ मामला खारिज किया

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान दवाओं के कथित भंडारण और बिना लाइसेंस वितरण के मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पाया कि जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो कि गंभीर या उनके फाउंडेशन ने किसी भी तरह से दवाओं का अनुचित लाभ उठाया या अवैध तरीके से वितरण किया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) की तत्कालीन दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग ने पूर्वी दिल्ली के तत्कालीन सांसद गंभीर, उनके एनजीओ, फाउंडेशन की सीईओ अपराजिता सिंह, गौतम गंभीर की मां सीमा गंभीर और पत्नी नताशा के खिलाफ औषधि एवं कॉस्मेटिक्स अधिनियम की धारा 18(सी) के साथ धारा 27 (बी)(2) के तहत शिकायत दर्ज करायी थी।

### जस्टिस सूर्यकांत 24 को लेंगे शपथ

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा, कि बौद्ध धर्म का पालन करता हूं, लेकिन मैं धर्मनिरपेक्ष हूं और सभी धर्मों में विश्वास करता हूं। सीजेआई गवई ने इस आशय की बात सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित विदाई समारोह में कही। सीजेआई गवई 23 नवंबर को रिटायर होने वाले हैं। यहां उन्होंने कहा, कि हालांकि, मैंने किसी धर्म का गहराई से अध्ययन नहीं किया और बौद्ध पृष्ठभूमि का होने के बावजूद मैं धर्मनिरपेक्ष हूं। सभी धर्मों हिंदू, सिख, ईसाई और इस्लाम धर्म में विश्वास करता हूं। स्कॉरा द्वारा गुरुवार को आयोजित विदाई समारोह में बोलते हुए सीजेआई गवई ने कहा, मैंने यह सब पिता से सीखा, क्योंकि वे डॉ. आंबेडकर में विश्वास करते थे।

### स्ट्रीट डॉग्स को हटाकर शेल्टर होम में रखने का निर्देश, सोनाली खुश नहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले से

मुंबई। अभिनेत्री और पशु अधिकार समर्थक सोनाली बेंद्रे ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर चिंता जाहिर की है, जिसमें रेलवे स्टेशन, पार्क और अन्य सार्वजनिक जगहों से स्ट्रीट डॉग्स को हटाकर शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया है। सोनाली ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपने विचार रखते हुए कहा कि देश में इतने सारे कुत्तों को रखने के लिए पर्याप्त शेल्टर होम उपलब्ध नहीं हैं। इतने सारे कुत्तों को एक साथ रखने से उनमें बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा। जो लोग कुत्तों से नफरत करते हैं, वे इस फैसले का गलत फायदा उठाकर गलत तरीकों से उनके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं।

## कुछ ना कहना

# दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

## एक्यूआई 506 पहुंचा, दिल्ली-एनसीआर वालों की सांसों पर प्रदूषण का हमला

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 506 रहा, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। दुनियाभर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आईक्यू एयर' की लाइव रैंकिंग में दिल्ली दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर दर्ज किया गया। दिल्ली में धुंध की मोटी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। नवंबर के महीने में अभी तो सर्दी शुरुआती दौर में है, लेकिन अभी से ही राजधानी में प्रदूषण के चलते लोगों को परेशानी होने लगी है। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार हो गया है।

### आउटडोर स्पोर्ट्स न करने की सलाह

राजधानी के प्रदूषण को देखते हुए हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि स्कूली बच्चों को नवंबर से जनवरी तक बहुत ज्यादा प्रदूषण वाले सर्दियों के महीनों में आउटडोर स्पोर्ट्स नहीं खेलने देना चाहिए। जस्टिस सचिन दत्ता ने नाबालिग छात्रों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि अधिकारी बच्चों की सेहत की रक्षा करने में नाकाम रहे हैं और उन्हें सालाना स्पोर्ट्स कैलेंडर बदलना चाहिए ताकि इन जहरीले महीनों में कोई आउटडोर इवेंट न हो।

### दिल्ली में लागू हो सकता है ग्रैप-4

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को देखते हुए अब माना जा रहा है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो ग्रैप-4 लागू किया जा सकता है। खराब होती एयर क्वालिटी को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट पहले ही 11 नवंबर को पूरे देश में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान-3 लागू कर चुका है। इन उपायों का मकसद कंस्ट्रक्शन, गाड़ियों की आवाजाही और इंडस्ट्रियल ऑपरेशन पर सख्त रोक लगाकर एमिशन को कंट्रोल करना है।

दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते नवंबर-दिसंबर में सभी स्कूलों में स्पोर्ट इवेंट्स पर रोक लगा दी है। इससे पहले 18 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली के स्कूलों में स्पोर्ट्स फंक्शन न हो। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को प्रदूषण से थोड़ी भी राहत मिलती नहीं दिख रही है। पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआर 400 के पार बना हुआ है। ऐसे में राजधानी के कई इलाकों में लोगों को सांस लेने तक में परेशानी की समस्या शुरू हो गई है। दिल्ली का एक्यूआई पिछले एक सप्ताह से बेहद गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। 14 नवंबर को जहां यह 380 के आसपास था तो वहीं अगले दिन 15 नवंबर को 370 के करीब आ गया था। एक्यूआई में 18 नवंबर को अचानक उछाल आया था और यह बढ़कर 400 के पार चला गया था।

# दुबई एयर शो में भारतीय तेजस क्रैश

## -कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के दिए आदेश

नई दिल्ली। दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर एक बड़ी दुर्घटना हो गई, जिसमें पायलट की मौत हो गई। दरअसल भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना ने दुर्घटना की गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश जारी कर दिए हैं।

जानकारी अनुसार तेजस दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना उस वक्त हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना किन कारणों से हुई इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। वायुसेना विस्तृत जानकारी जुटा रही है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए आधिकारिक बयान में कहा है, कि उनका एक तेजस विमान दुबई एयर शो-25 के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटना क्यों हुई इसके संबंध में तथ्य जुटाए जा रहे हैं। जैसे ही तथ्य व सत्यता संबंधी विवरण उपलब्ध होंगे, उन्हें साझा किया जाएगा। वायुसेना ने पायलट की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इसी के साथ ही भारतीय वायुसेना ने पायलट की मौत पर दुख जताते हुए कहा, वायुसेना इस अपूर्णीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। तेजस दुर्घटना पर भारतीय वायुसेना ने कारण जानने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित करने की घोषणा की है। जांच दल तेजस उड़ान के तकनीकी, परिचालन और सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू का विस्तृत अध्ययन करेगा, ताकि वास्तविक कारणों की पुष्टि की जा सके।

## कोयला माफिया के खिलाफ ईडी का सख्त एक्शन, बंगाल और झारखंड में 40 जगह मारे छापे

नई दिल्ली। कोयला माफिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कार्रवाई की है। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफियाओं के खिलाफ एक्शन लिया है। माफिया के खिलाफ पश्चिम बंगाल और झारखंड में 40 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापामारी की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में 24 परिसरों में अवैध कोयला खनन, अवैध परिवहन और कोयले के भंडारण मामले के संबंध में तलाशी ले रहा है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, नरेंद्र खरका, अनिल गोयल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कयाल और अन्य के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से ईडी की छापेमारी चल रही है।

# देश में चार नए लेबर कोड लागू

## - 29 पुराने कानून खत्म, श्रम ढांचा पूरी तरह बदला

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए देश में चार लेबर कोड तुरंत प्रभाव से लागू कर दिए। इन कोड्स के लागू होने के साथ ही 29 पुराने श्रम कानून खत्म हो गए हैं और उनकी जगह अब एकीकृत और सरल ढांचा काम करेगा। लागू किए गए चार कोड हैं- वेज कोड, 2019 (वेतन संहिता), इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 (औद्योगिक संबंध संहिता), सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 (सामाजिक सुरक्षा संहिता) और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड, 2020 (व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता)।

श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब वे देश के कानून हैं। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि श्रम नियमों का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा देना और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित करके, यह ऐतिहासिक कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की नींव रखता है, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को आगे बढ़ाएगा।

### भारत के कई श्रम कानून हैं पुराने

भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल (1930-1950 के दशक) में बनाए गए थे, उस समय जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया मौलिक रूप से भिन्न थी। इसके अनुसार, अधिकांश बड़े देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अपडेट किया और उन्हें एकीकृत किया है, लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था।

## बंगाल चुनाव को लेकर आयोग ने कसी कमर...ईवीएम पर अब दिखेगी उम्मीदवारों की तस्वीर

### राज्य भर में करीब 15,000 मतदान केंद्रों की वृद्धि होगी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू है। चुनाव आयोग से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जाँच और मतदान पूर्वाभ्यास शुरू करने वाला है। उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में प्रथम स्तरीय जाँच (एफएलसी) टीम के कई सदस्यों के साथ बैठक की, जहाँ उन्होंने एसआईआर, ईवीएम और वीवीपैट स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। ईसीआई अधिकारियों के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग के पास मशीनों का पूरा स्टॉक है।

ईसीआई ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर किस प्रकार की जानकारी प्रदर्शित होगी, इसके लिए नए नियम पेश किए हैं, इसमें इस बार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक उम्मीदवार की तस्वीर भी शामिल की गई है। यह पहली बार है जब मशीनों पर किसी उम्मीदवार की तस्वीर दिखेगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, यह तस्वीर ईवीएम बटन के करीब लगेगी और प्रशिक्षण में भी दिखाई जाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, 2026 के विधानसभा चुनावों में राज्य भर में करीब 15,000 मतदान केंद्रों की वृद्धि होगी। 2021 के चुनावों में, राज्य में 80,681 मतदान केंद्र थे, 2026 में यह संख्या बढ़कर करीब 95,000 हो जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बंगाल चुनाव आयोग के पास प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए पर्याप्त मशीनें हों, राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त कार्यालय में वर्तमान में 1.30 लाख ईवीएम (मतपत्र+नियंत्रण इकाइयाँ, आरक्षित सहित) और 1.35 लाख वीवीपैट मशीनें हैं।

अधिकारियों के अनुसार, ईवीएम में कुल 6 वोटिंग बटन होगा और प्रत्येक बटन का परीक्षण 16 बार, यानी कुल 96 बार वोटिंग करके किया जाएगा। अधिकारियों को कोलकाता के न्यूटाउन स्थित इको पार्क के निकट स्थित बैंक्वेट हॉल में ईवीएम निर्माण कंपनी ईसीआईएल, बेंगलुरु के इंजीनियरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना और जाँचना है कि क्या सभी बटन ठीक से काम कर रहे हैं, क्या बैलेट यूनिट-कंट्रोल यूनिट ठीक से काम कर रहा है; क्या वीवीपैट पेपर और इमेज सही तरीके से निकल रहे हैं।

## राहुल गांधी 18 दिसंबर को हाजिर हों

वाराणसी। वाराणसी कोर्ट में शुक्रवार को राहुल गांधी नहीं पहुंचे। अब 18 दिसंबर को सुनवाई होगी। जिला जज संजीव शुक्ला ने विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुर्वेद विक्रम सिंह ने कहा कि 18 दिसंबर को राहुल गांधी या उनके वकील कोर्ट आएं। ताकि मामले की सुनवाई हो सके। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में राहुल गांधी पर भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने 12 मई को याचिका में दावा किया कि भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसी साल 21 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन पहुंचे थे। यहां पर ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ उनका एक सेशन था। यहां राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को पौराणिक बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था।

## अब जंगली जानवरों और फसल के नुकसान को भी कवर करेगी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

### -केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने की घोषणा, किसानों को मिली राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अब जंगली जानवरों और अत्यधिक बारिश के कारण बाढ़ या जलभराव होने से फसल नुकसान को भी कवर करेगी। किसानों को दिए एक वीडियो संदेश में चौहान ने कहा कि मैं आज आपको खुशखबरी दे रहा हूं... दो नुकसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कवर नहीं किए गए थे और इनकी मांग लंबे समय से की जा रही थी। जंगली जानवरों के कारण फसलों का नुकसान। अधिक बारिश के कारण बाढ़ या जलभराव से फसलों

को नुकसान। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि ये दोनों नुकसान अब फसल बीमा योजना के तहत कवर किए जा रहे हैं। अगर जंगली जानवर से फसलों को नुकसान पहुंचता है, तो उसकी भरपाई की जाएगी। अगर जलभराव के कारण फसलों को नुकसान होता है, तो उसकी भरपाई की जाएगी। इस घोषणा से उन हज़ारों किसानों को लाभ होगा, जिन्हें पहले इन प्राकृतिक कारकों से नुकसान हुआ था, लेकिन वे बीमा दावों के लिए अपात्र थे।

चौहान ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि 2024-25 में फसल उत्पादन का अंतिम अनुमान बढ़कर 357.73 मिलियन टन हो गया है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 8 फीसदी ज्यादा है। चौहान ने लिखा कि यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि हमारे किसान भाई-बहनों ने अपनी कड़ी मेहनत से खाद्यान्न उत्पादन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

### भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कसा तंज बोले-

# पैसा बांटना वेलफेयर नहीं हो सकता

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने चुनाव में नगदी बांटने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने तंज कसते कहा है कि इस तरह कैश बांटने को कोई वेलफेयर नहीं होता है। संविधान की भावना को इसके जरिए ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव में पैसा बांट देना कोई वेलफेयर नहीं है। दिल्ली में एक आयोजन को संबोधित करते हुए मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि अंतर समाप्त करने के लिए यह जरूरी है कि छोटे राज्यों का गठन किया जाए। ऐसा यह ध्यान रखते हुए किया जाए कि सभी राज्यों की आबादी लगभग बराबर हो और उनमें लोकसभा और विधानसभा की सीटें भी लगभग समान हों।

पूर्व चुनाव आयुक्त और पूर्व लॉ सेक्रेटरी जी कृष्णमूर्ति के 91वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को मुरली मनोहर जोशी संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि

भले ही देश के हर नागरिक के पास वोट का समान अधिकार है, लेकिन यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में किसी व्यक्ति की आर्थिक ताकत कितनी होती है? वह अपनी उस ताकत को बनाए रखने के लिए वोट डालता है। लेकिन जब हम रेगिस्तान, पहाड़ और पूर्वोत्तर में रह रहे लोगों की बात करते हैं तो उनकी आर्थिक स्थिति क्या रहती है।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर अन्य अधिकारों को प्रदान करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक स्थिति और विकास में असमानता है तो यह भेदभाव जैसी स्थिति है। कल्याणकारी व्यवस्था का यह मतलब नहीं है कि चुनाव से पहले कैश का वितरण कर दिया जाए। आज लोग सवाल उठाते हैं कि चुनाव से पहले कैश बांटा जा रहा है। सरकार कहती है कि ऐसा वेलफेयर के लिए किया जा रहा है। लेकिन लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं बल्कि आप वोट खरीदने के लिए पैसे बांटते हैं। मुरली मनोहर जोशी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बिहार चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार सरकार की ओर से महिलाओं को 10 हजार रुपये देने वाली स्कीम पर खर्चा चल रही है।

## महाराष्ट्र सरकार का आदेश...

# सांसदों और विधायकों के आने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सांसदों और विधायकों के साथ बातचीत हेतु जारी किए गए नए और सख्त दिशानिर्देशों की जानकारी है। अधिकारियों को अब निर्वाचित प्रतिनिधियों (सांसदों और विधायकों) के कार्यालय आने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना अनिवार्य है। बैठकों और संवाद के दौरान सम्मानजनक और विनम्र व्यवहार बनाए रखना होगा। इसे आचरण और शिष्टाचार का न्यूनतम मानक बताया गया है। बातचीत के दौरान विनम्र और पेशेवर भाषा का प्रयोग करना होगा। अशिष्टता या अपमानजनक व्यवहार सख्त वर्जित है। सांसदों और विधायकों से प्राप्त सभी पत्राचार के लिए एक अलग डिजिटल या भौतिक रजिस्टर रखना होगा। पत्राचार का जवाब दो महीने के भीतर भेजा जाना चाहिए। यदि अधिकारी समय

महाराष्ट्र शासन

पर जवाब देने में असमर्थ हैं, तो विभाग प्रमुख को प्रतिनिधि को देरी के लिए लिखित स्पष्टीकरण देना होगा।

### बैठकों का समय आवंटन

अधिकारियों को हर महीने के पहले और तीसरे गुरुवार को दो घंटे विशेष रूप से सांसदों और विधायकों के साथ बैठकों के लिए आवंटित करना होगा। अत्यावश्यक या महत्वपूर्ण मामलों के लिए इन निर्धारित घंटों के अलावा भी अधिकारी मिल सकते हैं।

उद्घाटन या स्थापना समारोह जैसे सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों में संबंधित क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है। उनके नाम, पदनाम और प्रोटोकॉल-आधारित बैठने की व्यवस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। अधिकारियों को आरटीआई अधिनियम के तहत आने वाली सार्वजनिक जानकारी सांसदों और विधायकों को निःशुल्क प्रदान करनी होगी। सार्वजनिक जानकारी को सुलभ बनाने के लिए आधिकारिक वेबसाइटों को नियमित रूप से अपडेट करने का निर्देश है। सभी सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को अब नए और कार्यरत दोनों प्रकार के अधिकारियों के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए संचार, शिष्टाचार और प्रोटोकॉल पर मॉड्यूल प्रदान करना आवश्यक है।

## मुनाफे का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाले भोपाल के बड़े कारोबारी दिलीप गुप्ता के दफ्तरों पर ईओडब्ल्यू का छापा

भोपाल। मध्य प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा ने भोपाल के बड़े कारोबारी दिलीप गुप्ता के दफ्तरों पर रेड की हैं। ईओडब्ल्यू की टीम दिलीप गुप्ता के चुनाभट्टी और एमपी नगर जोन 2 वाले ऑफिस में छानबीन कर रही है। सूत्रों की मानें तो टीम ने दोनों स्थानों से कई प्रकार के दस्तावेज, लेन-देन से जुड़े कागजात और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। जानकारी अनुसार ईओडब्ल्यू ने एक महीने पहले दिलीप गुप्ता और उनकी कंपनियों मेसर्स डीजी माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स श्री मां सीमेंटेक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ फ्रॉड करने का मामला दर्ज किया था। उसके बाद से ही ईओडब्ल्यू की टीम जांच में जुटी हुई थी। गौरतलब है कि ईओडब्ल्यू के पास शिकायत पहुंची

थी, के उन्होंने निवेशकों को ऊंचे मुनाफे का लालच देकर भारी भरकम राशि वसूली और 10 रुपये के शेयर को 12,972 रुपये में बेचकर उन्हें गुमराह किया। इसी लालच में कई निवेशकों ने अपनी पारिवारिक संपत्तियां गिरवी रख दीं। कुछ लेन-देन ऐसे खातों से जारी चेकों के जरिए किए गए, जो पहले ही बंद हो चुके थे। भोपाल निवासी विनीत जैन और उनकी मां लता जैन ने ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक से 2.75 करोड़ रुपये और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस से 4.45 करोड़ रुपये का लोन लेकर गुप्ता को निवेश के नाम पर सौंप दिया। जैन के अनुसार, गुप्ता ने भारी मुनाफा दिखाकर उन्हें लोन लेने के लिए प्रेरित किया और फर्जी चेकों व कागजात के सहारे धोखाधड़ी की।

# बालाघाट जिला प्रशासन की मुहिम सराहनीय - प्रभारी मंत्री

## प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने युवाओ को वितरित किये नियुक्ति पत्र

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**

मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने 21 नवम्बर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिले के चयनित युवाओ को देश की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा इलेक्ट्रानिक्स एवं टाटा मोटर्स में जॉब के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किये। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओ को रोजगार दिलाने के लिए चलायी जा रही विशेष मुहिम की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयास प्रदेश के अन्य जिलों में भी कराए जाएंगे।

इस अवसर पर रोजगार मेले के माध्यम से कंपनियों द्वारा जॉब आफर किये गए युवाओ को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पिछले बार बालाघाट जिले के युवाओ को जॉब के लिए अहमदाबाद एवं बैंगलोर के लिए रवाना किया गया था तो उस कार्यक्रम में मैं वर्चुअली जुड़ा था, लेकिन आज युवाओ से आमने सामने संवाद करने का मौका मिला है। बालाघाट जिले के युवाओ का सौभाग्य है कि बालाघाट जिला प्रशासन के प्रयासों से उन्हें टाटा इलेक्ट्रानिक्स, टाटा मोटर्स एवं अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों में दसवीं, बारहवीं एवं आईटीआई के बाद जॉब करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने युवाओ से कहा कि वे अच्छे मन से इन कंपनियों में जॉब करने के लिए जाए और कम से कम 03 साल का समय निकाले। इससे उन्हें वेतन के साथ अपने कौशल उन्नयन का अवसर मिलेगा। 03 साल तक काम करने पर कंपनी द्वारा युवाओ को पालीटेक्निक का डिप्लोमा दिया जा रहा है और पात्र युवाओ को बी-टेक करने का अवसर भी दिया जा रहा है। यह युवाओ के लिए एक सुनहरा अवसर है।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने नक्सली मुठभेड़ में शहीद जवान आशीष शर्मा की शहादत का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए उनका जज्बा एवं साहस प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सीमा की रक्षा करने वाले जवान, खेत में अनाज उगाने वाले किसान एवं उद्योगो में उत्पादन करने वाले युवाओ का देश की रक्षा एवं विकास में समान योगदान होता है। युवाओ के लिए यह एक देशभक्ति का कार्य ही है। उनके द्वारा कंपनियों में किया गया हर कार्य देश के औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाने एवं देश की विकास दर को बढ़ाने में योगदान देगा।

कलेक्टर मृणाल मीना ने इस अवसर पर बताया कि बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा हर माह रोजगार मेले का आयोजन कर उनमें देश की प्रतिष्ठित कंपनियों को युवाओ के चयन के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। जिले में युवाओ के चयन के लिए आने वाली कंपनियों में 08 से ज्यादा मल्टीनेशनल कंपनियॉ है। जिले में युवाओ को रोजगार दिलाने के लिए चलायी गई इस मुहिम में अब तक 08 हजार से ज्यादा युवाओ को कंपनियों की ओर से आफर लेटर मिल चुके है। कंपनियों द्वारा चयनित युवाओ को जॉब के साथ 03 साल पूर्ण करने पर पालीटेक्निक का डिप्लोमा भी दिया जा रहा है, जो युवाओ के लिए भविष्य में उपयोगी साबित होगा। जिला प्रशासन सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत जिले में स्थित विभिन्न उद्यमों में लगभग 400 युवाओ को रोजगार दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सिंह ने राजकुमार शेंडे, कृति पटले, छाया पटले, निकिता बघेल, दामिनी हरिनखेडे एवं संगीता विश्वकर्मा को टाटा इलेक्ट्रानिक्स एवं टाटा मोटर्स में नियुक्ति का पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में लांजी तहसील के ग्राम देवलगांव की दामिनी हरिनखेड़े ने बताया कि उसे टाटा इलेक्ट्रानिक्स में जॉब मिल रहा है और वह अमेरिका की एप्पल कंपनी के लिए मोबाईल बनाने का काम करेंगी। उसके लिए यह गर्व की बात होगी की बालाघाट जिले की बालिकाओं के योगदान से अमरीकी कंपनी मोबाईल बना रही है। यह एक तरह से अमेरिका की हमारे देश पर निर्भरता को बताता है। गायखुरी की संगीता विश्वकर्मा ने बताया कि उसकी छोटी बहन पिछले 06 माह से टाटा मोटर्स कंपनी में जॉब कर रही है। माता पिता के नही होने के कारण वह अपनी छोटी बहन को पाल रही थी लेकिन अब उसकी बहन हर माह 10 से 12 हजार रुपए उसे भेज देती है। बिरसा क्षेत्र के ग्राम मानेगांव के निर्मलदास बघेल ने बताया कि रोजगार मेले के माध्यम से उसे भी बड़ी कंपनी में काम करने का अवसर मिल गया है। उल्लेखनीय है कि इन कंपनियों द्वारा युवाओ को लगभग 19 से 20 हजार रुपए का वेतन दिया जा रहा है, जिसमें से भोजन, रहने एवं पीएफ की राशि काटने के बाद 14 से 15 हजार रुपए का भुगतान युवाओ को किया जा रहा है।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

# पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में वीणा जमरे ने बढ़ाया बालाघाट का मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएनएस) की प्रतिभावान छात्रा वीणा जमरे पिता धनराज जमरे ग्राम गटापायली ने महाविद्यालय तथा जिले का नाम गौरवान्वित करते हुए पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (प्री-आरडी परेड कैम्प) में शानदार सहभागिता

दर्ज की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कई वर्षों से उत्कृष्ट नवाचार और उल्लेखनीय गतिविधियों का संचालन कर रही है, जिसका प्रत्यक्ष परिणाम है कि महाविद्यालय के स्वयं सेवक लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में चयनित होकर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। इसी श्रृंखला में बीएससी चतुर्थ वर्ष की छात्रा वीणा जमरे का चयन प्रतिष्ठित (प्री-आरडी परेड कैम्प) के लिए हुआ जो कि 05 नवंबर से 14 नवंबर तक आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में आयोजित हुआ था। इस चयन प्रक्रिया में स्वयंसेवक को कॉलेज, जिला और विश्वविद्यालय स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करके आगे बढ़ना होता है। कठिन चयन प्रक्रिया में प्रथम स्थान प्राप्त कर वीणा ने यह उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है।

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष 1 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित गणतंत्र दिवस परेड की तैयारी के लिए पूरे देश से केवल लगभग 45 लाख एनएसएस स्वयंसेवकों में से मात्र 200 प्रतिभागियों का चयन किया जाता है। विभिन्न जोन से चुने जाने वाले इन प्रतिभागियों में वीणा जमरे का चयन मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय निदेशालय एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत एक अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। शिविर से लौटने पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका हार्दिक स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि चयन में शारीरिक दक्षता, सांस्कृतिक दक्षता एवं साक्षात्कार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसमें वीणा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

# मगरदर्रा के पहाड़ी में युवक ने लगाई फांसी

## बुधाटोला कोपे निवासी है राधेश्याम चौहान

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मगरदर्रा की पहाड़ी जंगल में एक युवक की फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की गई। यह युवक राधेश्याम पिता लक्ष्मण चौहान 27 वर्ष बुधा टोला ग्राम कोपे थाना वारासिवनी निवासी बताया गया है। ग्रामीण पुलिस ने इस युवक की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दी है। इस युवक द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश राधेश्याम चौहान बुधाटोला में अपने परिवार के साथ रहता था। यह भी बताया गया है कि राधेश्याम चौहान शराब पीने का आदी था और शराब पीने के लिए घर के सामान भी भेज दिया करता था। और घूमते हुए रहता था 6,7 दिन से राधेश्याम चौहान घर से निकला था। 21 नवंबर को ग्राम मगरदर्रा के लोग अपने गांव की पहाड़ी जंगल में लकड़ी के लिए गए थे तब उन्होंने जंगल के पेड़ में एक युवक की फांसी पर लटकी हुई लाश देखी। और गांव में आकर बताएं खबर मिलते ही ग्रामीण थाना से सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र भिमटे अपने स्टाफ के साथ मगरदर्रा की पहाड़ी पहुंचे। और ग्रामीणों की मदद से युवक की लाश नीचे उतरवाए। तलाशी लेने पर युवक की जेब से एक पर्ची निकाली जिसमें फोन नंबर लिखा हुआ था उसे नंबर से संपर्क करने पर मृतक युवक की बहन ने इस युवक की पहचान अपने भाई राधेश्याम चौहान के नाम से की सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मगरदर्रा की पहाड़ी पहुंच चुके थे। बताया गया है कि राधेश्याम चौहान मोबाइल और चार्जर लेकर घर से निकला था किंतु उसके बाद सिर्फ चार्जर ही मिला मोबाइल नहीं था। राधेश्याम चौहान ने आत्महत्या करने के पूर्व एक पर्ची में घर का मोबाइल नंबर लिखकर रख लिया था और उसके बाद उसने फांसी लगा ली थी। सहायक उपनिरीक्षक श्री भिमटे ने पंचनामा कार्यवाही पश्चात राधेश्याम चौहान की लाश जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

## पेज 12 का शेष...

बीते दिनों एसआईटी ने पूछताछ के लिए चारों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया था। एसआईटी प्रमुख अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि चारों आरोपियों की रिमांड खत्म होने पर गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर सभी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पूर्व में आरोपी बनाए गए महिला एसडीओपी सहित 11 पुलिसकर्मी घटना के समय मौजूद थे। यह चारों आरोपी घटनास्थल में उपस्थित नहीं थे। एसआईटी ने 2 करोड़ 70 लाख रुपये जब्त कर लिए हैं, जबकि 26 लाख रुपये गायब हैं। पुलिस ने न्यायालय के समक्ष वारदात में अप्रत्यक्ष रूप से उनकी संलिप्तता के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की तरफ से न्यायालय में महिला एसडीओपी द्वारा घटना दिनांक की रात को हॉक फोर्स के डीएसपी से व्हाट्सएप कॉल में निर्देश प्राप्त कर कार्यवाही कर रही थी। उनके निर्देश पर घटनास्थल में उपस्थित पुलिस कर्मियों ने वारदात को अंजाम दिया था। जबलपुर के खिलौना व्यापारी ने पूरी घटना की पटकथा लिखी थी।

## अब तक यह हुई कार्रवाई

सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे 8 व 9 अक्टूबर की दरमियानी रात सिवनी के लखनवाड़ा थानांतर्गत सीलादेही बाईपास पर गाड़ी को रोककर हवाले की रकम लूट ली थी। जालना निवासी संदीप परमार 9 अक्टूबर को पुलिस कर्मियों के द्वारा रकम लूटने का आरोप लगाये थे। जबलपुर आईजी ने 9 अक्टूबर को रात को 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 10 अक्टूबर को महिला एसडीओपी को निलंबित कर दिया गया था। पुलिस ने 11 अक्टूबर को महिला एसडीओपी के घर से 1 करोड़ 45 लाख रूपये नकद बरामद किए थे। पुलिस ने 14 अक्टूबर को डकैती का प्रकरण दर्ज करते हुए अगले दिन महिला एसडीओपी को सहित दस पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। पुलिस ने पूछताछ के लिए सभी आरोपियों को रिमांड पर लिया था। पुलिस ने 16 अक्टूबर को फरार एक अन्य पुलिसकर्मी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर 17 अक्टूबर को जेल भेज दिया गया था। और कितने गुनहगार बाहर हैं यह जाँच के बाद पता चलेगा।

# कटंगी क्षेत्र के ग्राम वरुड़ में मेले के चंदे को लेकर विवाद

## पांच परिवारों ने लगया समाज बहिष्कृत का आरोप, ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुँचकर न्याय की मांग

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कटंगी क्षेत्र के करीब दो दर्जन से अधिक ग्रामीण गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुँचे और ज्ञापन सौंपकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में आज भी पुरानी रूढ़िवादी प्रथा को जबरन लागू किया जा रहा है, जिसके चलते कुछ परिवारों को समाज से अलग कर दिया गया है। उनका कहना है कि समाज में दोबारा शामिल करने के नाम पर रुपये की मांग की जा रही है। यह प्रथा संविधान और कानूनी अधिकारों के खिलाफ होने के बावजूद गांव के कुछ प्रभावशाली लोग इसे थोपने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पीड़ित परिवारों को बाकायदा नोटिस भेजे गए हैं, जिनमें उन्हें पुरानी प्रथाओं के अनुसार नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। इन नोटिसों के आधार पर उन पर सामाजिक प्रतिबंध भी लगाए जा रहे हैं। इससे गांव में भय और विभाजन का माहौल उत्पन्न हो गया है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई, रोजगार, सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होना और आम जीवन जीना तक मुश्किल बना दिया गया है। इसी के साथ ग्रामीणों ने एक गंभीर आरोप और लगाया कि गांव के कुछ लोग शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे हैं और विरोध करने पर सामाजिक दंड देने की धमकी देते हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे विकराल रूप ले रही है और गांव में तनाव बढ़ता जा रहा है।

कटंगी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम वरुड के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीण 21 नवंबर को जिला मुख्यालय पहुँचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए गांव में बढ़ते सामाजिक विवाद पर चिंता व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि बीते दिनों गांव में मेले का आयोजन किया गया था, जिसके लिए विभिन्न सामाजिक परिवारों ने मिलकर चंदा दिया था। इसी चंदे को लेकर गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीण नयनसिह बिसेन सहित ज्ञापन सौंपने वालों ने बताया कि कुछ समाज विशेष के लोगों ने मेले के आयोजन के लिए दिए गए चंदे का विरोध किया और चंदा देने के कारण अपने ही समाज के पांच परिवारों को समाज से बहिष्कृत कर दिया। आरोप है कि समाज में दोबारा शामिल किए जाने के बदले पीड़ति परिवारों से दंड स्वरूप राशि जमा कराने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि समाज विशेष वर्ग द्वारा पुरानी रूढ़िवादी प्रथा को आधार बनाते हुए संबंधित पांच परिवारों को लिखित नोटिस जारी किए गए हैं और पुराने सामाजिक नियमों को मानने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। जबकि ग्राम के अन्य सामाजिकबन्धु का कहना है कि वे संविधान के अनुसार चलना चाहते हैं और न ही वे प्रथा आधारित भेदभाव को स्वीकार करते हैं। पतिराम सहारे, छन्नूलाल परते और मिलिंद कुमार ने बताया कि उन्होंने मेले के लिए चंदा दिया था और इसी वजह से उन्हें समाज से बाहर कर दिया गया। इतना ही नहीं, बहिष्कृत किए गए परिवारों के अनुसार गांव के कुछ लोग उनके बच्चों के अध्ययन, कृषि कार्यों में सहयोग और दैनिक आवागमन के रास्ते को भी बाधित कर रहे हैं, जिससे उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे शांतिपूर्वक और मिल-जुलकर समाज में रहना चाहते हैं, किंतु गांव के कुछ परिवार पुराने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। इस पूरे मामले पर न्याय की माँग करते हुए ग्रामीणों ने कलेक्टर के अलावा कटंगी थाने तथा विभिन्न संबंधित विभागों को ज्ञापन सौंपा है और जल्द से जल्द प्रशासनिक हस्तक्षेप की अपेक्षा की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो गांव में विवाद और तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर सामाजिक सौहार्द बहाल करने की मांग की है।

## कटंगी में मनाया जा रहा श्री सत्यसांई जन्म शताब्दी महोत्सव

**पद्मेश न्यूज। कटंगी।** श्री सत्य साईं सेवा समिति कटंगी के द्वारा नगर में आध्यात्मिक धर्मगुरु श्री सत्य साईं बाबा का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष देश भर में श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी मनाई जा रही है। जिसके चलते कटंगी में श्री साईं सप्ताह मनाया जा रहा है। 17 नवंबर से 23 नवंबर तक प्रशांति वाटिका लॉन में विविध प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। शुक्रवार की शाम मेष कुमार देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 नवंबर को शाम 07 बजे भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें भजन कीर्तन और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। 17 नवंबर से हर दिन 06 बजे ओमकार सुप्रभातम नगर संकीर्तन, शाम 06 बजे से 08 बजे तक भजन और साईं कथा का आयोजन हो रहा हैं। मेष देशमुख ने समस्त धर्म प्रेमियों को महोत्सव में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

### आम सूचना

हमारी पक्षकार श्रीमती किरण वैद्य पति भजनदास वैद्य जाति महार निवासी ग्राम कनेरी पो0 लवेरी तह0 किरनापुर जिला बालाघाट म0प्र0 की ओर से यह आम सूचना प्रकाशित है कि मौजा कनेरी की भूमि खसेरा नं0 190/2 रकबा 0.101 हे0, 190/3 रकबा 0.538 हे0, 190/4 रकबा 0.089 हे0, 190/6 रकबा 0.247 हे0 एवं ख0नं0 190/9 रकबा 0.130 हे0 भूमि को उसके मूलस्वामी नीला बाई वैद्य से वर्ष 2008 में क्रय करने का सौदा कर सौदेपेटे सारी राशि अदा कर उसी समय कब्जा प्राप्त कर लिया था तथा उक्त विक्रयशुदा भूमि का मात्र पंजीयन होना शेष था किंतु तकनीकी कारणा से पंजीयन नही हो पाया इसी बीच उक्त मूल विक्रेता की मृत्यु हो जाने तथा नामांतरण के अभाव में पंजीयत विक्रय विलेख का निष्पादन रूका रहा अर्थात पिछले लगभग 17 वर्षो से उक्त उल्लेखित भूमि पर हमारी पक्षकार का शांतिपूर्वक कब्जा चला आ रहा है तथा इसी आधार पर हमारी पक्षकार सुसंगत दस्तावेज इकठठे कर उक्त आधार पर उद्घोषणार्थ व्यवहार वाद लाने प्रयासरत है किंतु उक्त तथ्यों की जानकारी होने पर हाल ही में उक्त नीला बाई के वारसानों के द्वारा उक्त उल्लेखित भूमि से हमारी पक्षकार को वंचित करने की नियत से उसे अन्य लोगो को विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है तथा इस हेतु लोगो से मिलकर उक्त भूमि दिखाई जा रही है। जबकि उक्त उल्लेखित भूमि पर विरोधी आधिपत्य के आधार पर हमारी पक्षकार का स्वत्व उत्पन्न हो चुका है। अत: आम जनता को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त उल्लेखित संपत्ति को उक्त विक्रेता के वारसानो से क्रय-विक्रय, सौदा आदि कर राशि का लेन-देन ना करे यदि इसके बाद भी किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त उल्लेखित भूमि का क्रय-विक्रय किया जाता है तो ऐसा संव्यवहार प्रारंभ से शून्य होगा और हमारी पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

वास्ते सूचनार्थ आम सूचना प्रकाशित है।

**खगेंद्र चुरहे, वकील**
**कार्यालय एवं निवास**
**वार्ड नं0 32, मोती नगर, बालाघाट म0प्र0**
**मो0नं0 97139 94901, 94258 75839**

### आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा खिर्री तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में खसरा नंबर 192, 195, 237, 242/2 व 245 रकबा क्रमश: 0.016 हे., 0.040 हे., 0.591 हे., 0.149 हे. व 2.331 हे., कुल रकबा 3.127 हे. भूमियां स्थित है। जिनके संबंध में व्यवहार वाद क्रमांक 174/2025 पक्षकार भूमेश्वरी अन्य 1 विरूध्द ओमप्रकाश अन्य 3 विचाराधीन हैं। यदि उक्त भूमियों की खरीदी बिक्री में कोई भी व्यक्ति भाग लेता है तो उसे शून्य व निरस्त माना जावेगा तथा इस हेतु क्रेता एवं विक्रेता स्वयं जवाबदार होंगे

**प्रकाशक**
**भूमेश्वरी गौतम**
**निवासी ग्राम बकेरा तहसील वारासिवनी**
**जिला बालाघाट म. प्र.**
**मो. 8959919533**


**आवश्यकता है**

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवक की आवश्यकता है, सिर्फ 35 वर्ष से नीचे के युवक ही आवेदन करें बालाघाट एवं आसपास के रहने वालेही संपर्क करें।
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544

**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

# बालाघाट जिले में किसान ज़िद पर अड़े-रबी में धान ही लगायेंगे

## प्रभारी मंत्री ने भी धान की फसल लगाने के विरोध में दिया बयान, किसानों में बयान के बाद नाराजगी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**

बीते कई वर्षों से जिले के अनेक क्षेत्रों में रबी के सीज़न में भी किसानों द्वारा धान की फसल ही बोई जाती रही है। लेकिन पिछले वर्ष पानी का स्तर काफी नीचे जाने के बाद इस वर्ष सिंचाई विभाग एवं कृषि विभाग किसानों से धान के बजाय चना, गेहूं एवं सरसों जैसी वैकल्पिक फसलें लगाने की अपील कर रहे हैं। विभागों के इन निर्देशों को लेकर किसानों में धीरे-धीरे नाराज़गी बढ़ती जा रही है। किसानों का साफ कहना है कि रबी के मौसम में भी खेतों में नमी प्रचुर मात्रा में रहती है, ऐसे में धान की फसल ही उन्हें अधिक लाभ देती है। इसलिए वे विभागीय निर्देशों के बावजूद धान की बुवाई करने के पक्ष में हैं। इधर शुक्रवार को जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के जिले प्रवास के दौरान दिए गए बयान ने विवाद को और गहरा कर दिया है। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसान धान की फसल के चक्र को नहीं तोड़ें और सीज़न वाइस ही फसल उत्पादन करें। मंत्री के इस बयान के बाद किसान संगठनों ने कड़ी नाराज़गी जताई है। जानकारी मिली है कि जिले के कई क्षेत्रों में किसान समूह गोपनीय बैठकों के माध्यम से रणनीति तैयार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि वे विभागों की इस थोपे गए नियम जैसी नीति को स्वीकार नहीं करेंगे और अपने हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे।

बालाघाट जिले में बड़े पैमाने पर धान की खेती की जाती है। यहां के किसान खरीफ के साथ-साथ रबी सीजन में भी धान का उत्पादन कर अपनी आजीविका चलाते हैं। लेकिन बीते वर्ष रबी के अंतिम दौर में जिले के कई क्षेत्रों में पानी का जलस्तर काफी नीचे जाने से किसानों को सिंचाई में बड़ी परेशानी हुई थी। कुछ स्थानों पर पानी को लेकर हंगामा और आंदोलन भी हुए थे। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए इस वर्ष सिंचाई विभाग और कृषि विभाग ने किसानों को निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि रबी सीजन में धान की फसल नहीं लगाई जाए, बल्कि चना, गेहूं व सरसों जैसी फसलों का उत्पादन किया जाए, जिनमें पानी की आवश्यकता कम होती है। जिले के लालबर्रा, वारासिवनी, लामता क्षेत्र सहित मुख्यालय के आसपास के गांवों में रबी के समय प्राय: धान की ही बुवाई होती रही है। लेकिन इस बार विभाग ने गांव-गांव और पंचायत स्तर तक यह संदेश पहुंचा दिया है कि रबी में यदि धान की फसल बोई गई तो किसानों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं बिजली सप्लाई के लिए भी समय सीमा तय कर दी गई है, जिससे किसान और अधिक चिंतित हैं। इन निर्देशों के बाद कई क्षेत्रों में किसान समूह बैठकों के माध्यम से रणनीति बनाने में जुट गए हैं। किसानों का कहना है कि वे इस प्रकार के फरमान और तानाशाही रवैये के आगे नहीं झुकेंगे। उनका पक्ष है कि कई क्षेत्रों में खेतों में पर्याप्त नमी रहती है, जिससे धान की खेती ही संभव होती है। दूसरी फसल लेने पर उन्हें आर्थिक नुकसान होगा, इसलिए वे रबी के दौरान भी धान की खेती करने पर अड़े हैं। इधर 21 नवंबर को जिले में पहुंचे प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के बयान ने विवाद को और गहरा कर दिया। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसान सीजन के अनुसार ही खेती करें, जमीन को रेस्ट दें और रबी में धान की जगह चना-गेहूं की फसल लें। किसानों ने मंत्री के इस बयान पर भी कड़ा विरोध व्यक्त किया है। किसान संगठनों की ओर से संकेत दिए गए हैं कि यदि निर्देश वापस नहीं लिए गए, तो आने वाले दिनों में जिला स्तर पर बडे आंदोलन की शुरुआत हो सकती है।

### लालबर्रा क्षेत्र में बैठक का दौर शुरू

रबी के सीजन में धान की फसल नहीं लगाए जाने को लेकर संबंधित विभागों द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसी के विरोध में लालबर्रा क्षेत्र के किसानों ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि विभाग द्वारा जारी किए जा रहे ये आदेश जमीन की वास्तविक स्थिति को समझे बिना थोपे गए हैं, जिसे मानना उनके लिए मुश्किल है। किसान दुलेंद्र ठाकरे ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि संबंधित विभागों के द्वारा जारी किए जा रहे फरमान एक प्रकार के तानाशाहीपूर्ण आदेश हैं, जिन्हें किसान किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि रबी के सीजन में हमेशा की तरह धान की फसल ही लगाई जाएगी और इसको लेकर किसानों ने आपस में बैठकों का क्रम शुरू कर दिया है। श्री ठाकरे के अनुसार, अब सभी किसान इस नियम के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं, और आने वाले दिनों में सामूहिक रूप से अपनी मांगों को लेकर संबंधित विभागों व जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। किसानों का यह भी कहना है कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे और इसका जिम्मेदार पूरी तरह प्रशासन और संबंधित विभाग होंगे। किसानों ने स्पष्ट किया है कि रबी में धान की फसल नहीं लगाने का निर्णय उनके लिए नुकसानदायक साबित होगा, क्योंकि इलाके की मिट्टी और नमी की स्थिति के अनुसार धान ही सबसे उपयुक्त फसल है। किसानों का मानना है कि प्रेरणा देने और मार्गदर्शन देने के बजाय प्रशासन वर्तमान फसल व्यवस्था पर रोक लगाकर किसानों को आर्थिक संकट की ओर धकेल रहा है।

### पूर्ण रूप से पानी देना इस वर्ष संभव नहीं है - दिलीप परते

रबी के सीजन में धान की फसल लगाए जाने को लेकर अब सिंचाई विभाग ने भी आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि रबी के दौरान नहरों में इतना पानी उपलब्ध नहीं होगा कि किसानों की धान की फसल को पूरी तरह सिंचाई मिल सके। सिंचाई विभाग के एसडीओ दिलीप परते ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि विभाग की ओर से किसानों को पहले ही अवगत कराया जा चुका है कि रबी सीजन में हल्की एवं कम पानी वाली फसलें जैसे चना, गेहूं और सरसों की बुवाई की जाए, क्योंकि नहर व्यवस्था के माध्यम से धान की फसल के लिए आवश्यक पानी देना इस वर्ष संभव नहीं है। हम विभाग की ओर से किसानों को पूरी स्थिति स्पष्ट कर रहे हैं। यदि किसान इसके बावजूद भी रबी में धान की फसल लगाते हैं और फसल पानी की कमी के कारण सूख जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी विभाग की नहीं होगी। किसान स्वयं इसके लिए उत्तरदायी होंगे।

## महिला ने पति पर लगाया शारीरिक मानसिक प्रताडना का आरोप महिला के पति के विरुद्ध अपराध दर्ज

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** खैरलांजी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाई। इस 33 वर्षीय महिला के द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने इस महिला के पति जीतलाल पिता केवललाल भलावे ग्राम नागोटोला भण्डारबोड़ी निवासी के विरुद्ध इस महिला को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। इस महिला का मायका कटंगी थाना क्षेत्र का है। 19 अप्रैल 2014 को इस महिला की शादी जीत लाल भलावी ग्राम नागोटोला निवासी के साथ में सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। जिनके एक लड़का और एक लड़की है। जीत लाल पांढवानी माइंस में काम करते हैं। जीत लाल ने अपनी पत्नी को 5 साल तक ठीक से रखा उसके बाद वह अपनी पत्नी से कहने लगा कि तुझे मैं पसंद नहीं करता मैं किसी और लड़की को पसंद करता हूं। उसको मैंने पत्नी बनाकर रखा हूं और हमारा एक बच्चा भी है। इस बात को लेकर जीत लाल अपनी पत्नी को आए दिन मारपीट करते रहता था। जिसकी शिकायत उसने थाने में की थी। जीत लाल ने अपनी पत्नी को समझौता करा कर घर लाया और कुछ सालों तक अच्छे से रखा। उसके बाद जीत लाल पहले की तरह अपनी पत्नी को गंदी-गंदी गालियां देकर मारपीट कर मानसिक जो शारीरिक रूप से परेशान करने लगा और खर्च के लिए पैसे देना भी बंद कर दिया था। जीतलाल से उसकी पत्नी ने अपने और बच्चों के खर्चे के लिए पैसे के लिए बोलती थी तो वह उसे जान से मारने की धमकी देते रहते रहता था। 19 अगस्त 2025 की रात 8ः00 बजे जीत लाल को उसकी पत्नी ने बोली कि मेरे और बच्चों के खर्चे के लिए पैसा नहीं देते, दोनों बच्चों का खर्चा पानी कैसे करूंगी। तभी जीतलाल ने पत्नि को बच्चों के साथ घर से निकल जाने के लिए बोला और गंदी-गंदी गालियां मारपीट कर दिया। और अगली बार खर्चे के लिए पैसे मांगने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस संबंध में इस महिला ने अपने पिता भाई को बताई। ग्राम भंडारबोडी में सरपंच की उपस्थिति में सामाजिक बैठक रखी गई। सरपंच ने महिला के पति जीतलाल को समझाया किंतु जीत लाल के व्यवहार में कुछ सुधार नहीं आया और वह अपनी पत्नी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था। 6 नवंबर 2025 को यह महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके आ गई। इस महिला को पति के सुधार जाने की आस थी। जिसके कारण उसने रिपोर्ट नहीं की थी। अंततः 18 नवंबर को यह महिला अपने मायके पक्ष के लोगों के साथ खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची और अपने पति के विरुद्ध रिपोर्ट की।खैरलांजी पुलिस ने इस 33 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति जीत लाल पिता केवल लाल भलावे के विरुद्ध इस महिला को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 85 296(बी) 115(2) 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

## सप्त शक्ति संगम जागृत एवं समाज परिवर्तन का संकल्प कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। नगर की ख्याति प्राप्त संस्था सरस्वती शिशु मंदिर में 19 नवंबर को दोपहर 1ः00 बजे समृद्ध भारत हेतु सप्त शक्ति संगम जागृत एवं समाज परिवर्तन का संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष श्रीमती सोशल पतले एवं मुख्य अतिथि सुशीला चक्रवर्ती की उपस्थित में की गई। सर्वप्रथम सरस्वती की विधिवत पूजा अर्चना कर अतिथियों का स्वागत किया गया। और जीत की शानदार प्रस्तुति की गई इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ डूलेश्वरी टेम्भरे प्रोफेसर शासकीय महाविद्यालय लामता द्वारा कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि विषय पर विस्तृत रूप से मानस पटल पर परिवर्तन आधार पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता सुश्री राजेश्वरी गोस्वामी समाज सेविका ग्राम मोरिया लामता द्वारा भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर विस्तृत बिंदुओं पर सारगर्भित आकर्षक आत्म विभोर रूप से उद्बोधन दिया गया। साथ ही आपके द्वारा प्राकृतिक पर्यावरण एवं प्रकृति को ध्यान में रखते हुए साज सजा की गई जो अत्यंत सराहनीय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति सदस्यों पदाधिकारी एवं शाला परिवार का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम समापन श्रीमती सोशल पटले द्वारा तथा आभार सुश्री पुरनता हेड़ाउ प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। तदाशय की जानकारी नंदकिशोर देशमुख द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

## जब तक सूरज चांद रहेगा, आशीष शर्मा तेरा नाम रहेगा

### काली पुतली चौक में गूंजे शहादत के नारे ,शहीद आशीष शर्मा को दी गयी श्रद्धांजलि

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** स्थानीय काली पुतली चौक पर शुक्रवार को शहीद आशीष शर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नगर पालिका की ओर से भारत माता की प्रतिमा के समीप आयोजित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन, नगर पालिका तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थिति दर्ज की। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण गमगीन और भावनाओं से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने शहीद आशीष शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान शहीद की राष्ट्र सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्दा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शहीद आशीष शर्मा ने राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिसे सदैव याद रखा जाएगा।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के बोरतालाब जंगल में नक्सली विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक आशीष शर्मा मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से शहीद हो गए थे। उनके सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में नगर पालिका द्वारा 21 नवंबर को स्थानीय काली पुतली चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका और पुलिस प्रशासन के साथ बड़ी संख्या में नागरिक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के सभी अधिकारी,कर्मचारी, पुलिस विभाग के अधिकारी,कर्मचारी, पुलिस लाइन का पुलिस परिवार, एवं स्वयं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा उपस्थित थे। शहीद के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नम आँखों से श्रद्धांजलि दी गई। पूरा स्थल राष्ट्रभक्ति और भावनाओं से भरा रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने शहीद आशीष शर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र के इस वीर सपूत के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया। मौन के दौरान पूरा चौक पूरी तरह शांत होकर शहीद की याद में डूब गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि हम शहीद आशीष शर्मा की शहादत को कभी नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने ऐसा पराक्रम किया है जिसे बालाघाट हमेशा याद रखेगा। भले ही मैं उनसे वरिष्ठ हूं , लेकिन मैंने हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीखा है। ऐसे वीर सपूत पर पूरा जिला गर्व करता है और बालाघाट उन्हें कभी नहीं भूलेगा। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर शहीद को नमन किया। उन्होंने कहा कि जब तक सूरज और चांद रहेगा, शहीद आशीष शर्मा का नाम इतिहास में अमर रहेगा। उन्होंने अंतिम क्षण तक देश के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। आज हर नागरिक को उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के समापन पर पुलिस प्रशासन, नगर पालिका और नागरिकों ने एक स्वर में कहा कि शहीद आशीष शर्मा के प्रति जिले का सम्मान सदैव बना रहेगा और उनके परिवार के साथ समाज तथा प्रशासन हमेशा खड़ा रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एएसपी बैहर आदर्शकांत शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह, पुलिस कर्मचारी, पुलिस परिवार की माता-बहनें और बच्चें, संजय अग्निहोत्री, राधेलाल दौने, ललीत पारधी, मदनमोहन द्विवेदी, सुरजीतसिंह ठाकुर, यज्ञेश लालू चावड़ा, अभय सेठिया,संजय गौतम, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, सभापति समीर जायसवाल, वकील वाधवा, संगीता खगेश कावरे, पार्षदगण, सीएमओ बीडी कतरोलिया, मीना चावड़ा, गजेन्द्र भारद्वाज, राजेश लिल्हारे, नगरपालिका के विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, सफाई कर्मी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

## चिखला ढाबे में चाकू बाजी के आरोपी अजय उर्फ अज्जु ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

### ग्रामीण पुलिस ने रिमांड के बाद अदालत में किया पेश, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिखला में दो माह पहले एक ढाबा में चाकू बाजी करने के मामले में फरार आरोपी अजय उर्फ अज्जू नगपुरे ग्राम चिखला निवासी ने विद्वान अदालत में किया आत्मसमर्पण। ग्रामीण उसे पुलिस ने रिमांड के बाद उसे विद्वान अदालत में किया पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस मामले के दो आरोपी कुंदन नगपुरे और लोकपाल फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। ज्ञात होगी इस चाकू बाजी में दो युवक खूबचंद पिता जीवनलाल 33 वर्ष और मिथुन पिता ईश्वर दाते 28 वर्ष दोनो ग्राम चिखला निवासी घायल हो गए थे इस वारदात को ढाबे पर लगे सीसीटीवी ने भी कैद किया था।

ग्रामीण पुलिस के मुताबिक राजेंद्र नगपुरे ग्राम चिखला निवासी का अपने गांव में ही रोड किनारे ढाबा है। 28 अगस्त की रात राजेंद्र नगपुरे अपने दोस्त खूबचंद पिछोड़े और ढाबा के कर्मी मिथुन दाते के साथ ढाबा में थे। इस दौरान रात 12ः30 बजे करीब ग्राम चिखला निवासी अज्जू उर्फ अजय नगपुरे कार में आधा दर्जन युवको के साथ ढाबा पहुंचा और ढाबे में गाली गलौच करने लगे थे। खूबचंद नगपुरे और मिथुन दाते उन्हें गालियां देने से मना करने लगे थे। इसी को लेकर दोनो पक्ष विवाद हो गया था तभी अजय उर्फ अज्जू नगपुरे ने कुंदन नगपुरे लोकपाल व सोनू के साथ मिलकर खूबचंद पिछोड़े और मिथुन दाते के साथ मारपीट किए। ढाबा का संचालक राजेंद्र नगपुरे एवं अन्य लोग बीच बचाव करने आए तभी अजय उर्फ अज्जु नगपुरे ने अपने पास रखे चाकू से खूबचंद पिछोड़े और मिथुन दाते पर हमला कर दिया था। चाकू के हमले में खूबचंद नगपुरे और मिथुन दाते दोनों घायल हो गए थे। इस वारदात में अजय उर्फ अज्जु नगपुरे भी घायल हो गया था जो अपने साथियों के साथ फरार हो गया था। जिसके द्वारा चाकू से किये गए हमले में घायल खूबचंद पिछो? और मिथुन दाते को ढाबा के संचालक राजेंद्र नगपुरे ने एक युवक राजेंद्र मोहारे के साथ जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए थे। जहां से गंभीर रूप से घायल खूबचंद पिछोड़े को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे जबकि मिथुन दाते का इलाज जिला अस्पताल में ही किया था। इस वारदात को ढाबे में लगे सीसीटीवी कैमरे ने कैद किया था। इस वारदात में घायल अजय उर्फ अज्जु पिता प्रेमचंद नगपुरे 36 वर्ष को गोंदिया के अस्पताल में किया गया था।

ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में अजय उर्फ अज्जू नगपुरे और उसके भाई कुंदन और लोकपाल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था और सभी घटना दिनांक से फरार थे जिनकी तलाश की जा रही थी। 19 नवंबर को आरोपी अजय उर्फ अज्जु नगपुरे ने बालाघाट की एक विद्वान अदालत में आत्मसमर्पण किया था। जिसे ग्रामीण पुलिस ने एक दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ किये। रिमांड अवधि समाप्त होने पर 20 नवंबर को ग्रामीण पुलिस ने आरोपी अजय उर्फ अज्जू नगपुरे ग्रामीण थाना से 3 किलोमीटर पैदल बालाघाट लाकर उसे विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

## बालाघाट में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर में आई तेज़ी

### अधिकारी कर रहे हैं फील्ड निरीक्षण, गणना पत्रकों के शीघ्र डिजिटलाईजेशन के निर्देश

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायज़ा लेने के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार मैदानी स्तर पर निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जी.एस. धुर्वे ने 21 नवंबर को ग्राम परसवाड़ा का भ्रमण कर एसआईआर कार्य की स्थिति की समीक्षा की। इसी प्रकार एसडीएम किरनापुर एम.आर. कोल ने ग्राम हट्टा पहुंचकर पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बीएलओ एवं संबंधित कर्मचारियों से ग्राम वार मतदाता सूची के अद्यतन की जानकारी ली। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मतदाताओं द्वारा हस्ताक्षर कर भरे गए गणना पत्रकों को जल्द से जल्द पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि उनका समय पर डिजिटलाईजेशन हो सके। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने बीएलओ टीम को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएँ। इसी तरह, ग्राम हट्टा में निरीक्षण के दौरान एसडीएम एम.आर. कोल ने बीएलओ और मैदानी कर्मचारियों को रोजाना निर्धारित लक्ष्य पूरा करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गणना पत्रकों को अपलोड करने में लापरवाही न बरती जाए और कार्य की वास्तविक प्रगति प्रतिदिन दर्ज की जाए।

एसआईआर कार्य की सतत मॉनिटरिंग और अधिकारियों के नियमित निरीक्षण से जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को गति मिल रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कर मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# शीतलहर के प्रकोप से ठिठुरता नगर, कुंभकर्णी नींद में प्रशासन,अलाव की व्यवस्था नदारद

## जागरूक नागरिकों ने सार्वजनिक स्थानों एवं चौक-चौराहों में अलाव की व्यवस्था करने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

**नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व में लग रही गुलाबी ठंड अब कंपकपा देने वाली शीतलहर में तब्दील हो चुकी है। यानि की क्षेत्र में लगातार विगत कुछ दिनों से बढ़ रही ठंड के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। शीतलहर व ठंड के कारण शाम होने के बाद से लेकर सुबह 8 बजे तक लोगों को घर से निकलने के लिए सोचना पड़ रहा है परंतु इसके बावजूद अब तक प्रशासन के द्वारा ठंड में ठिठुर रहे नागरिकों की सुध नही ली गई है। जिसके कारण लोग ठंड से परेशान हो रहे है और स्थानीय प्रशासन से नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड, अस्पताल एवं सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की मांग विगत दिवस से कर रहे है परन्तु स्थानीय प्रशासन एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है। इस तरह से प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया है और यही वजह है कि नगर में अलाव की व्यवस्था नदारद नजर आ रही है। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और जल्द अलाव जलाने की मांग की है।**

### प्रशासन नही ले रहा सुध, आमजनों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में विगत दिवस से प्रात: 4 बजे से प्रात: 8 बजे तक एवं शाम 6 बजते ही ठंडी शीतलहर चलना शुरू हो जाती है। जिससे बचने के लिए जगह-जगह पर ग्रामीणों के द्वारा अपनी व्यवस्था अनुसार अलाव सुलगाये जा रहे है इसके अलावा प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा ठंड पर काबू पाने के लिये गर्म कपड़ों का सहारा लिया जा रहा है परंतु गर्म कपड़े भी ठंड से राहत दिलाने में नाकाफी साबित हो रहे है। साथ ही लालबर्रा बस स्टैण्ड में रात्रि के समय सिवनी, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, रायपुर व छिंदवाड़ा सहित अन्य स्थानों पर जाने हेतु काफी संख्या में महिला, पुरूष एवं पढ़ने वाले व परीक्षा देने जाने वाले छात्र-छात्राएं भी अपने परिजनों के साथ इस ठिठुरन ठंड में बस का इंतजार करते है परन्तु अलाव की व्यवस्था नही होने के कारण उन्हे भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बस स्टैण्ड में बस का इंतजार करने वाले यात्री एवं नगरवासियों ने स्थानीय प्रशासन से अलाव जलाने की मांग की है ताकि ठंड से राहत मिल सके। चर्चा में जागरूक नागरिकों ने बताया कि विगत एक सप्ताह से क्षेत्र में ठंड का असर तेजी से बढ़ा है जिसके कारण गर्म कपड़ों के बिना घर से निकलना दूभर हो गया है। साथ ही रात्रि में जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा सहित अन्य स्थानों पर जाने वाले छात्र-छात्राएं व यात्रीगण बस का लालबर्रा बस स्टैण्ड में रोजाना इंतजार करते है और ठंड के कारण उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि बस स्टैण्ड में सार्वजनिक अलाव की व्यवस्था करवाये ताकि दूर-दराज से लालबर्रा पहुंचने वाले एवं बाहर अपने गंतव्य को जाने वाले यात्रियों को कड़कड़ाती ठंड भरे मौसम में काफी राहत मिल सके। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा अस्पताल में भी दूर-दराज से डिलेवरी व अन्य बीमारियों का इलाज करवाने मरीजों के साथ उनके परिजन आते है परन्तु उक्त स्थान पर भी अलाव की व्यवस्था नही की गई है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने तेजी से बढ़ रही ठंड से आम नागरिकों को निजात दिलवाये जाने हेतु लालबर्रा बस स्टैंड, अस्पताल सहित सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करवाये जाने की मांग प्रशासन से की है।

### जनता का सवाल- कहां गये जनसेवक?

सुबह से ही चलने वाली सर्द हवाओं ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, लेकिन विडंबना यह है कि जिस जनता ने जिन जनप्रतिनिधियों को सिर-आंखों पर बिठाया था, वे आज इस कंपकंपाती ठंड में कहीं दुबक कर बैठ गये हैं। आम जनमानस में रोष व्याप्त है। वहीं लोगों का कहना है कि चुनाव के समय जो नेता घर-घर जाकर वादे करते थे और जनसेवा का दम भरते थे। वे लोग इस भीषण ठंड में अलाव की व्यवस्था तक नही करवा पा रहे है और जनता यह पूछ रही है कि क्या जनसेवा केवल वोट मांगने तक सीमित है?। जबकि उन्हे जनहित में विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही निसहाय, निराश्रित और रैन बसेरा एवं फुटपाथ पर सोने वाले गरीब लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित करना चाहिए जिससे उन्हे इस ठिठुरन भरी ठंड से राहत मिल सके।

### इनका कहना है।

क्षेत्र में ठंड धीरे-धीरे बढ़ रही है और आमजनों की मांग है कि नगर मुख्यालय के सार्वजनिक स्थान एवं बस स्टैण्ड में अलाव की व्यवस्था की जाये तो पंचायत एवं जनपद प्रशासन के द्वारा जल्द अलाव की व्यवस्था की जायेगी।

**चंदरसिंह मंडलोई**
**सीईओं**
**जनपद पंचायत लालबर्रा।**

## चंदपुरी में शहीद आशीष शर्मा को दी गई श्रध्दांजली

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** छत्तीसगढ़, राजनांदगांव के बोरतालाब जंगल में बुधवार की सुबल नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में आपरेशन का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक आशीष शर्मा को गोली लगने से वे शहीद हो गये, वीर गति को प्राप्त हो गये है। इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है और सभी ने अपने-अपने स्तर पर शहीद आशीष वर्मा को श्रध्दांजली अर्पित कर शोक व्यक्त किया है। इसी तरह लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चंदपुरी में गुरूवार को श्रध्दांजली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहीद आशीष शर्मा के छायाचित्र के समख दीप प्र'वलित एवं माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात दो मिनट का मौन धारण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष सुनील चाकुले, कोषाध्यक्ष डॉ. योगेश एडे, मंदिर पुजारी पं. राधेश्याम शुक्ला, विस्तारक महेंद्र यादव, सह खंड कार्यवाह पीयूष साहू, दिशू तिवारी, भिवकुमार डहरवाल, देवेंद्र एडे, दिलीप बेलवंशी, उमेद एडे, उमलाल नागेश्वर, परमेश्वर फाये, हुलेश एडे, देवेंद्र बघेले, रतन बेलवंशी, अमलचंद शरणागत, संतोष चौधरी, धनेंद्र भगत एवं मातृ शक्ति व ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## 23 से हरदोली में ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता

### विधायक और जनपद अध्यक्ष प्रतियोगिता का करेंगे शुभारंभ

**पद्मेश न्यूज। कटंगी।** खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए तिरोड़ी तहसील के हरदोली में आगामी 23 नवंबर से ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख के मुख्य आतिथ्य में प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। प्रतियोगिता में कटंगी, तिरोड़ी, वारासिवनी, बालाघाट और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की टीमों ने अपना पंजीयन करवाया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन सरपंच रत्नमाला मिरचुले, उपसरपंच धनवंती अनिल बाहेश्वर, सचिव दीपक डहरवाल और सिंधु मिरचुले द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि प्रियांश राउत, मनोज मालाधरे, अंजु शर्मा, टी.डी. देवेश्वर, देवानंद गहाने, राजकुमार गहाने, दिलीप देशमुख, आंनदराव कावड़े, दिलीप गौरे, विशाल डहरवाल, राहुल देशमुख विशिष्ठ अतिथि होगें। आयोजकों ने खेल प्रेमियों से पहुंचकर प्रतियोगिता का आंनद लेने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की मांग की है।

## पारिवारिक विवाद के चलते व्यक्ति ने किया आत्मदाह का प्रयास

### लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार जारी

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मानपुर में शुक्रवार की शाम में पारिवारिक विवाद ने एक गंभीर रूप ले लिया। पारिवारिक कलह से तंग आकर एक 47 वर्षीय व्यक्ति ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया है। घटना के बाद उसे तत्काल लालबर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है। वहीं पुलिस को घटना की जानकारी लगने पर अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मानपुर निवासी 47 वर्षीय राजेश बाहेश्वर शुक्रवार को परिवार के साथ घर पर था और पारिवारिक विवाद परिजनों के साथ वह कर रहा था। इसी पारिवारिक विवाद से तंग आकर उसने घर पर रखे पेट्रोल को अपने ऊपर डाल लिया और स्वयं को आग के हवाले कर दिया। तभी मौके पर मौजूद परिजनों में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया और परिवारजनों ने हस्तक्षेप किया एवं आग को बुझाकर राजेश को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया। वहीं पारिवारिक विवाद के चलते स्वयं पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास करने वाले व्यक्ति राजेश बाहेश्वर का आग से चेहरा झुलस चुका है, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। वहीं लालबर्रा पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

## 14 धान उपार्जन केन्द्रों के प्रबंधक, उपार्जन प्रभारी एवं डाटा आपरेटरों की हुई बैठक

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय के बालाघाट पहुंच मार्ग स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा में गुरूवार को जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी के अंतर्गत आने वाली 14 धान उपार्जन केन्द्रों के प्रबंधक, उपार्जन प्रभारी एवं डाटा आपरेटरों की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा प्रबंधक राजेश दुबे, पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारी, धान खरीदी की व्यवस्था के बारे में बिन्दु अनुसार चर्चा की गई। जिसमें किसानों से धान साफ-सुथरी (एफएक्यू) मापदण्ड की निर्धारित मात्रा में, उनके स्लाट बुक, टोकन के अनुसार खरीदी हेतु कृषक को खरीदी पर्ची जारी कर ऑनलाईन प्रविष्टि करवाने, रेडी टू स्टाक प्रतिदिन करने, सिलाई, छल्ली लगवाने, परिवहन के लिए निर्धारित ट्रक का खाली एवं भरे ट्रक का धरमकांटा स्वयं की उपस्थिति में करवाने, स्टाक का मिलान, ऑनलाईन, आफलाईन करने, सावधानीपूर्वक खरीदी करने के सुझाव दिये गये। साथ ही धान खरीदी के दौरान होने वाली परेशानियों से अवगत करवाकर उसका निराकरण कैसे करना है उसके बारे में खरीदी केन्द्रों के प्रबंधक, उपार्जन प्रभारी एवं डाटा आपरेटरों को अवगत करवाया गया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक एचसी बोपचे, प्रबंधक एचसी बसेने, एमपी ठाकरे, आरएल एड़े, गोपाल लानगे, एमआर गोंदुडे, सुभाष बोपचे, गणेशस्वरूप शरणागत, रमेश कटरे, सतीष साहू, आरसी तुलसीकर, एनके सिंगेश्वर, आनंद डेहरे, अनिल सिंघनधुपे, रूपलाल नगपुरे, श्रीराम सार्वे, लक्सीमन चौधरी, मुकेश कटरे, दिनेश बोपचे, कोमलप्रसाद बसेने, धनेन्द्र मातरे, हंसलाल कटरे, गणेश लांजेवार, कमलेश कटरे, शिवकुमार गौतम, वेदप्रकाश नगपुरे, सुरेश दशरिये, केदार गाड़ेश्वर, राजू लिल्हारे, गणेश पटले, फागुराम तुमसरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का हुआ आयोजन

### ओएमआर सीट में 2300 विद्यार्थियों ने किया पर्चा हाल

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** धार्मिक, नैतिक और सामाजिक संस्कारों के प्रसार हेतु अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार द्वारा 21 नवंबर को प्रदेशभर में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में गायत्री परिवार लालबर्रा के द्वारा लालबर्रा विकासखण्ड में 21 नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया और यह परीक्षा विकासखण्ड में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुई। जिसमें करीब 2300 छात्र-छात्राओं ने ओएमआर सीट में पर्चा हल किये। साथ ही भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से छात्र-छात्राओं में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित की गई थी। जिसमें कक्षा 5 वीं से 12 वीं एवं महाविद्यालय स्तर पर आधारित थी। जिसमें धर्म-दर्शन, भारतीय संस्कृति एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों को देखकर विद्यार्थियों में उत्साह था और उन्होंने परीक्षा को गंभीरता से हल किया। वहीं कुछ प्रश्नों ने विद्यार्थियों को सोचने पर मजबूर भी किया। वहीं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर ओएमआर सीट के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने दिये। चर्चा में गायत्री परिवार लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में छात्रों को हिंदू धर्म, संस्कृति, भारतीय परंपरा, नैतिकता और समाजसेवा जैसे विषयों पर जानकारी से अवगत करवाने के लिए 21 नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन भारत के 22 प्रांतों में 11 भाषाओं में आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में भी 21 नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा लालबर्रा विकासखंड में बनाये गये विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुई। जिसमें करीब 2300 छात्र-छात्राएं शामिल होकर दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक ओएमआर सीट में प्रश्नों के उत्तर दिये और सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पर्चा हल किया। आगे बताया कि यह परीक्षा नैतिकता, समाजसेवा और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है कि छात्र-छात्राओं में धार्मिक, नैतिक, सामाजिक एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करना है।

युवा पीढ़ी में बौध्दिक, नैतिक, सामाजिक समरसता एवं भारतीय संस्कृति का बढ़ेगा ज्ञान

आपकों बता दे कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रसार हेतु विगत वर्षों से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा में कक्षा 5 वीं से महाविद्यालय स्तर के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसकी पाठ्य सामग्री में ॠषियों, मनीषीयों, महापुरुषों के प्रेरणादायक जीवन, भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, विज्ञान, धर्म एवं दर्शन की जानकारी एवं छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षा की जानकारी से अवगत करवाने की दृष्टि से भी यह परीक्षा छात्रों के लिए लाभकारी है। इसलिए प्रतिवर्ष अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की जाती है। 21 नवंबर के लालबर्रा गायत्री परिवार के द्वारा विकासखण्ड में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। वहीं परीक्षा में करीब 2300 विद्यार्थी शामिल हुए और यह परीक्षा युवा पीढ़ी में बौध्दिक, नैतिक, सामाजिक समरसता एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान विस्तार का माध्यम बनेगी। गायत्री परिवार के जिला संयोजक ढालसिंह बिसेन ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें पूरे विकासखण्ड के करीब 2300 ब'चें परीक्षा में शामिल हुए है और इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य ब'चों में भारतीय संस्कृति के प्रति जानकारी और रूचि पैदा करना है। ब'चों को यह पता होना चाहिए कि हमारी संस्कृति क्या है। देश का इतिहास कैसा रहा है, हमारे ॠषि-मुनियों ने किस तरह का जीवन जीया है। यह जानकारी ब'चों में ऐसे संस्कार विकसित करने में मदद करेगी। साथ ही यह भी बताया कि विगत वर्षों से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसकी शुरूआत परम पू'य गुरूदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सूक्ष्म संरक्षण में हुई थी।

परीक्षा संपन्न करवाने में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में पर्यवेक्षक ढालसिंह बिसेन, शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली में विरेन्द्र बिसेन, शास. कन्या मा. स्कूल अमोली में टीआर तरवरे, वैदिक कांवेंट स्कूल में बुध्दसिंह पारधी, एजुकेयर हाई स्कूल में श्रीमती अरूणा ठाकरे, लिटिल स्टार कान्वेंट स्कूल में डॉ. ठानुराम ठाकरे, विवेक 'योति हायर सेकेण्डरी स्कूल में कोमल ठाकरे, शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में डॉ. कारे सहित अन्य केन्द्रों में केन्द्राध्यक्ष, प्रधानपाठक, शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

# शेरपार में बाघ दिखने से दहशत का माहौल

## दीनदहाड़े मवेशी का किया शिकार ग्रामीणों में दहशत व्याप्त

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।**

वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत ग्राम शेरपार में हिंसक वन्य प्राणी बाघ की आमद से ग्रामीणजन भयभीत नजर आ रहे है। इसी बीच २१ नवंबर की दोपहर करीब १२ बजे वारासिवनी कटंगी मार्ग पर ग्राम शेरपार के पास सड़क क्रॉस करते बाघ को ग्रामीणों ने देखा है। इसके बाद से लोगों में भारी दहशत का माहौल बना हुआ है वहीं मौके पर वन विभाग के द्वारा लगातार गस्ती बढ़ा दी गई है। इस दौरान कक्ष क्रमांक ४९२ एवं ४९३ में दो स्थानों पर बाघ के द्वारा मवेशी का शिकार भी किया गया है। जिसमें किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ा है। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों के द्वारा हिंसक वन्य प्राणी बाघ को उनके ग्रामीण क्षेत्र से जंगल की तरफ ले जाने की मांग की जा रही है।

### हिंसक वन्य प्राणी बाघ ने किया मवेशी का शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिंसक वन्य प्राणी बाघ के द्वारा नांदगांव के जंगल में बीती १९ नवंबर को एक मवेशी का शिकार किया गया था। जिसके बाद बाघ की उपस्थिति दर्ज की गई थी परंतु उसके बाद वारासिवनी कटंगी मार्ग पर ग्राम शेरपार के पास पहुंच मार्ग पर स्थित जंगल और खेतों में हिंसक वन्य प्राणी बाघ २१ नवंबर को देखने में आया है।

जो ग्राम के बाहर की सीमा पर सड़क क्रॉस करके खेतों के माध्यम से आगे चला गया इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बाघ को देखा जा सकता है इसके बाद से हर कोई डरे हुए हैं। जबकि वर्तमान में धान कटाई का दौर चल रहा है ऐसे में दो दिनों से किसान अपने खेतों की तरफ नहीं जा पाए हैं तो वहीं ग्राम के लोग डरे सहमे हुए हैं। यह बाघ खेतों से होते हुए आगे जंगल की ओर गया जहां उसके द्वारा एक मवेशी का शिकार किया गया। ऐसे में ग्राम के किसानों को मवेशी का नुकसान तो हुआ ही अब जान का नुकसान भी लगा हुआ है। ऐसे में संध्या होते ही सभी घर के दरवाजे बंद हो जा रहे हैं लोग आना जाना बंद कर चुके है। सभी एक अनचाहे डर से डरे हुए नजर आ रहे हैं। उनके द्वारा जल्द उक्त हिंसक वन्य प्राणी बाघ को जंगल में खदेड़ने की मांग की जा रही है।

### इन स्थानों पर दो मवेशियों का किया शिकार

नंदगांव , शेरपार यह ग्रामीण क्षेत्र वन क्षेत्र से लगे हुए हैं। इस दौरान ग्रामीणों के द्वारा मवेशियों को वन क्षेत्र से लगे स्थान पर हरा चारा चवाने का कार्य किया जाता है। ऐसे ही १९ नवंबर को नांदगांव बीट में कक्ष क्रमांक ४९३ में कुछ मवेशी मुख्य सड़क किनारे घूमते हुए हरी घास को खाने का काम कर रहे थे। तभी हिंसक वन्य प्राणी बाघ के द्वारा अचानक सड़क किनारे बैल पर हमला कर शिकार किया गया। यह मवेशी ग्राम वन समिति अध्यक्ष नंदगांव निवासी रवि नगरधने का था जिसकी सूचना पर आवश्यक कार्यवाही की गई। इसके बाद पुन: २१ नवंबर को रोड़ क्रॉस करते हुए बाघों को देखा गया और उसका वीडियो भी सामने आया। जिसमें उक्त हिंसक वन्य प्राणी के द्वारा ग्राम शेरपार बीट सिरपुर के कक्ष क्रमांक ४९२ में दिनदहाड़े महादेव पहाड़ी के पीछे टोलीराम पिता लालचंद पटले शेरपार निवासी के मवेशियों में से सफेद रंग का बैल था। उसका शिकार कर उसे जंगल में ले जा लिया गया। ऐसे में बीते तीन दिनों में दो शिकार बाघ के द्वारा मुख्य मार्ग और ग्राम से लगे स्थान पर किया गया है।

### इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया कि नंदगांव शेरपार ग्रामीण क्षेत्र के आसपास बाघ की उपस्थिति की जानकारी मिल रही थी। आज वीडियो भी सामने आया है जिसे देखकर ग्राम के लोग डरे हुए है। ऐसे में वन विभाग के द्वारा गस्त बढ़ा दी गई है लोगों को जागरूक रहने के लिए अपील की जा रही है। वह सतर्क रहे और सुरक्षित रहे कहीं भी कोई थोड़ी बहुत भी हलचल होती है तो तत्काल वन विभाग को जानकारी दें। हमारे द्वारा विभाग के बल को मौके पर बढ़ा दिया गया है बारी बारी से हर कोई गस्ती कर रहे हैं।

**अशोक भालाधरे**
**डिप्टी रेंजर वारासिवनी**

# दिगंबर जैन मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा

## दिगंबर जैन समाज का ७ दिवसीय विधान जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के दिगंबर जैन मंदिर से दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा समवशरण विधान के अंतर्गत निकाली गई जिसे नगर के गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक से वापस मंदिर पहुंची जहां शोभायात्रा का समापन किया गया। इस शोभायात्रा में हाथी एवं बग्गी पर चक्रवर्ती सम्राट के पात्र सवार रहे जो आकर्षण का केंद्र रहा सड़क पर चल रहे लोगों के द्वारा रोककर शोभायात्रा में हाथी के दर्शन किए गए। विदित हो की समवशरण विधान १७ से २४ नवंबर तक यानि ७ दिवसीय विधान का आयोजन विधान स्थल भाजी मंडी में किया गया है। जहां आर्यका १०५ भावनामती माता जी ससंघ के सानिध्य मे कटंगी से पधारे ब्राम्हचारी संजीव भैया ,अरुण भैया संघ के द्वारा यह विधान किया जा रहा हैं। जिसमें सुबह पूजा अभिषेक विधान के उपरांत माताजी के प्रवचन फिर भैया जी के प्रवचन एवं रात्रि में महाआरती हाथी पालकी के साथ निकाल कर विभिन्न घरों से आरती लाकर विधान स्थल आरती एवं तत्पश्चात भैया जी के प्रवचन का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है। समाज अध्यक्ष मुकेश मॉडल ने बताया कि समवशरण विधान हमारे यहां १७ से २४ नवंबर तक जारी हैं। यह कार्यक्रम माताजी ससंघ के सानिध्य भैया जी के संघ के द्वारा कराया जा रहा है। इसी के तहत चक्रवर्ती राजा की शोभायात्रा हाथी पर निकाली गई थी। जिसने पूरे नगर का भ्रमण किया है अभी यह कार्यक्रम २४ नवंबर तक चलेगा।

# राज्य स्तरीय पुरुष बास्केटबॉल प्रतियोगिता में मधुर डोंगरे का हुआ चयन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर २०२५-२६ अनुसार राज्य स्तरीय पुरुष बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला जीवाजी विश्वाविद्यालय ग्वालियर के द्वारा दिनांक २१ नवबंर २०२५ से किया जा रहा है। जिसे हेतु शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के १ छात्र मधुर डोंगरे का चयन हुआ है। ज्ञात हो की मधुर का चयन संभाग स्तरीय पुरुष बास्केटबॉल छिंदवाड़ा में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। राज्य स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना गर्व का विषय है , मधुर के चयन पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम, क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू,क्रीड़ा समिति के समस्त सदस्यगण समस्त प्राध्यापक,सहायक प्राध्यापक, नियमित कार्यालयीन कर्मचारियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# नवोदय विद्यालय में आदर्श युवा ग्राम सभा में पूर्व सरपंच का चुनाव सम्पन्न

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में २१ नवंबर २०२५ को आदर्श युवा ग्राम सभा के सरपंच पद हेतु चुनाव बड़े ही उत्साहपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस चुनाव में विद्यालय के छात्र

छात्राओं सहित शिक्षक शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों ने मतदाता के रूप में मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में ग्यारहवीं कक्षा के चार उम्मीदवारों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। विदित हो कि भारत सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्रालय , जनजातीय कार्य मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय के द्वारा देशभर के सभी नवोदय विद्यालयों केंद्रीय विद्यालयों और एकलव्य विद्यालयों में इस वर्ष आदर्श युवा ग्राम सभा का आयोजन संपन्न कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस कड़ी में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्र छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया को समझाने हेतु विद्यालय स्तर पर सरपंच का चुनाव किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने बताया कि इस चुनाव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक चुनाव एवं मतदान प्रक्रिया की वास्तविक जानकारी और अनुभव प्रदान करना था। ताकि उनमें लोकतंत्र के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और नेतृत्व गुण विकसित हो सकें। वहीं विद्यालय परिवार ने इसे विद्यार्थियों में मतदान जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्य विकसित करने की एक प्रभावी पहल बताया। इतना ही नहीं इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी चुनाव मतगणना के कार्यों से भी परिचित होंगे। इस चुनाव प्रक्रिया में विद्यालय के कक्षा नवमीं के छात्र छात्राओं के द्वारा चुनाव अधिकारियों की भूमिका का निर्वहन किया गया । दूसरी तरफ सभी विद्यार्थियों ने कतारबद्ध तरीके से वोट डालना, मतपेटी का उपयोग तथा गोपनीय मतदान जैसे पहलुओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। मतदान प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रही। चुनाव कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त स्टाफ, छात्र.छात्राओं एवं आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# वारासिवनी नगर में आवारा पशुओं की धमा चौकड़ी

## अज्ञात वाहन की टक्कर से मवेशी की मौत, आवारा मवेशी की धरपकड़ नही होने से नपा के प्रति नगरवासियों में आक्रोश

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** नगर के वारासिवनी रामपायली मार्ग पर स्थित दत्तात्रेय मंदिर के पास २१ नवंबर की सुबह करीब ९.३० बजे अज्ञात यात्री वाहन की टक्कर से एक मवेशी की मौत हो गई। मौके पर आस पड़ोस के लोगों के द्वारा लंबे समय तक मवेशी की शिनाख्त की गई परंतु कोई पशु मालिक मौके पर उपस्थित नहीं हो पाया। यह पहली दुर्घटना नहीं है इसके पहले भी ऐसी दुर्घटनाएं हो चुकी है जिसमें मवेशी या राहगीर को दुर्घटना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में नगर वासियों के द्वारा मवेशी मालिको सहित प्रशासन की कार्यवाही पर भी आक्रोश व्यक्ति किया जा रहा है।

### सड़कों पर मवेशियों का लगा रहता है जमावड़ा

नगर से विभिन्न क्षेत्रों के लिए निकलने वाली समस्त सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। जहां आसानी से सड़क किनारे बीच सड़क या विभिन्न स्थानों पर आवारा मवेशी देखने के लिए मिल जाते हैं। ऐसे में कई मर्तबा दुर्घटनाएं भी घटित होती है लोग चोटिल भी होते हैं या मवेशी को दुर्घटनाग्रस्त होना पड़ता है। ऐसा ही नगर के रामपायली मार्ग स्थित दत्तात्रेय मंदिर के पास में शुक्रवार की सुबह ९.३० बजे यात्री वाहन की टक्कर से एक मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी सूचना पशु चिकित्सालय विभाग के द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर पर पशु उपचार के लिए संपर्क किया गया। वहां भोपाल से १० मिनट में वाहन भेजने की बात के बाद पूरे दिन ना वाहन आया ना कोई डॉक्टर आया। हालांकि उपचार नही मिलने पर मवेशी की तो मौके पर मौत हो गई। किंतु उक्त मवेशी मालिक भी अपने मवेशी को लेने के लिए मौके पर नहीं आ पाया। जबकि आस पड़ोस के लोगों के द्वारा लगातार किसानो बकरी चराने वालों सहित अनेक नगर वासियों से पहचान करवाई गई। वहीं सोशल मीडिया पर प्रचार भी किया गया किंतु शाम तक कोई मौके पर उपस्थित नहीं हो पाया। इस दौरान आस पड़ोस के लोग आवारा श्वान से मवेशी के शव को बचाते रहे। इस दौरान मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाई जा रही आवारा मवेशियों को पकड़ने की मुहिम पर भी सवाल करते हुए कहा गया की चार दिन कार्यवाही की जाती है। जबकि वर्तमान में कई जगह आवारा मवेशी देखने मिलते हैं और इसमें सबसे बड़ी समस्या पशु मालिक बने हुए हैं। जो नगर पालिका से मवेशियों को छुड़ाकर ले जाते हैं और फिर सड़कों पर लोगों के काल बनने के लिए छोड़ देते हैं। ऐसे में लंबे समय से मवेशियों के साथ मवेशी मालिकों पर भी कार्यवाही की जा रही है किंतु वर्तमान तक इस पर कोई पहल किसी के द्वारा नहीं की गई है। जिसका परिणाम है कि आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

### आवारा मवेशी का मृत होना नपा की एक बड़ी लापरवाही है-अमित

राहगीर अमित चौधरी ने बताया कि यह घटना सुबह ९.३० बजे की है अज्ञात यात्री वाहन मवेशी को ठोकर मारकर फरार हो गया। इनके पास इन पशुओं के मालिक या आवारा मवेशियों के मालिक कौन है इसकी कोई जानकारी अभी तक नहीं पता चली है। इन पर प्रशासन का कोई जोर नहीं है मवेशी मालिक के पता करने के लिए लोगों को जानकारी दी गई है खबर भी भेजे हैं पर अभी तक कोई आया नहीं है। यहां आए दिन हादसे होते हैं मवेशियों की भीड़ लगी रहती है अब यह सुबह किसी के घर या आवारा रूप से है इसकी तो जानकारी नहीं हैं परंतु यहां पर यह विचरण करते रहते हैं। प्रशासन इन पर दो चार दिन कार्यवाही करता है फिर प्रशासन की कोई जोर जबरदस्ती देखने को नहीं मिलती जबकि प्रशासन को गंभीरता से तेज गति से कार्यवाही करना चाहिए। मवेशी के उपचार के लिए पशु वाहन वेटनरी को भी फोन लगाया गया था किंतु वाहन का पता नहीं है। मवेशी मृत हो गया प्रशासन की यह भी एक बड़ी लापरवाही है।

### इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि आवारा मवेशियों को पकड़ने के कार्यवाही लगातार की जा रही है। बीच में कुछ दिन छोड़ दिए जाते हैं पुन: फिर कार्यवाही की जाती है इस प्रकार से यह कार्य किया जा रहा है। यदि ऐसा हैं तो कल से पुन: आवारा मवेशी की धर पकड़ की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जाएगी।

**सूर्य प्रकाश उके**
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**वारासिवनी**

# प्रभारी मंत्री के समक्ष पूर्व मंत्री जायसवाल ने रखी क्षेत्र की गंभीर समस्यायें

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा जिले के विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये गए। बैठक के प्रारंभ में नक्सली मुठभेड़ में शहीद जवान आशीष शर्मा को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रभारी मंत्री से गंभीर चर्चा की। इस दौरान श्री जायसवाल ने कहा की सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी व खैरलांजी के विद्यालयो में विधार्थीयो की संख्या दो हजार से अधिक हो गयी है। जिसमे ग्रामीण क्षेत्रो से भी विधार्थीगण आते है। जिन्हे आने जाने में तकलीफो का सामना करना पडता है। प्रदेश सरकार की भावनाओं के अनुरूप आवागमन के लिये बसो की सुविधा की बेहद जरूरत है। इस विषय में प्रभारी मंत्री ने जल्द समाधान के साथ निजि तौर पर सब्सीडी के माध्यम से बसो को क्रय करके इसके समाधान के लिये कहा है। इसी तरह श्री जायसवाल ने शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी में चिकित्सको की लापरवाही के विषय को सामने रखते हुये इसे जनता के द्वारा रैफर अस्पताल तक की संज्ञा दिये जाने की जानकारी दी। उन्होने बताया की शासकीय चिकित्सालय में वैसे ही चिकित्सको की कमी बनी हुयी है। और जो चिकित्सक है वह शराब के नशे में रहने के कारण मरीजो का उपचार नही हो पा रहा है। इस विषय का समाधान जनहित में नितात आवश्यक है। श्री जायसवाल ने प्रभारी मंत्री से नपा वारासिवनी के उपयंत्री को बालाघाट में सप्ताह में तीन दिवस तक पदस्थ करने के आदेश को भी निरस्त करने की अपील की। नपा परिषद के बडे बडे कार्यो मे बेहद विलंब होने की बात भी सामने रखी। क्षेत्र व नगर की अनेको समस्याओं के जल्द समाधान के विषय में प्रभारी मंत्री ने आश्वस्त भी कराया है।

# महाविद्यालय में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में किया गया। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नैतिक, चारित्रिक एवं सांस्कृतिक चेतना का नव निर्माण करना है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन हेतु जी एस बिसेन का मुख्य योगदान रहा। परीक्षा सम्पन्न कराने में महाविद्यालय के प्राध्यापक कृष्णा पराते, नरेन्द्र डोंगरे, श्रीमती सरिता नागवंशी, श्रीमती विनिता देशमुख, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, श्रीमती शिल्पा वासनिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा संयोजक रक्षा निकोसे के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

बालाघाट एक्सप्रेस

## संपादकीय

### सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

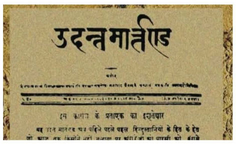


# बिहार में राजनीति की अगली पारी

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली प्रचंड जीत के बाद पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जनता दल (यूनाइटेड) के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक जीवन में दसवीं बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास तो रचा ही है, प्रधानमंत्री मोदी सहित राजग के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में बिहार की राजनीति में स्थिरता का संदेश भी दिया है। नीतीश कुमार की यह उपलब्धि कोई सामान्य घटना नहीं है। वह करीब बीस वर्षों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं, और केंद्र में भी मंत्री रहे हैं। उन्हें दूसरे नेताओं से अलग यह बनाता है कि इतनी लंबी राजनीतिक पारी में भी उन पर परिवारवाद या भ्रष्टाचार के आरोप नहीं हैं। नीतीश ने बिहार को कथित जंगलराज से सुशासन की तरफ तब मोड़ा, जब राज्य अपहरण, हत्या और भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका था। बिहार की राजनीति में उनका एक महत्वपूर्ण योगदान यह भी रहा कि उन्होंने अति पिछड़ों और महादलितों को न केवल राजनीतिक पहचान दी, बल्कि सत्ता में हिस्सेदारी भी दी। महादलित विकास मिशन, ईबीसी को आरक्षण और पंचायती राज में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण जैसे कदम सामाजिक समीकरणों को पूरी तरह से बदलने वाले थे। आज भी बिहार की महिलाएं और अति पिछड़ा मतदाता नीतीश को उसी भरोसे के साथ देखते हैं। शराबबंदी की पहल महज एक नीतिगत फैसला नहीं था, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान और घरेलू हिंसा पर लगाम कसने के लिए की गई सामाजिक क्रांति थी। भाजपा के साथ होने से उनकी ताकत दोगुनी हुई, क्योंकि वह जानते हैं कि बिहार जैसे राज्य में केंद्र के साथ चलना जरूरी है। विपक्षियों ने चुनाव से पहले उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर क्या-क्या नहीं कहा, इसके बावजूद अगर वह फिर से इतिहास रचने को तैयार हैं, तो वजह यही है कि वह राजनीति व जनता, दोनों की नब्ज पहचानते हैं। वह उन बारीकियों को भी समझते हैं, जिनमें उन्होंने पलटूराम कहलाने का जोखिम उठाते हुए भी समयानुकूल राजनीतिक फैसले लेने का कौशल नहीं छोड़ा। उन्होंने यह भी साबित किया है कि राजनीति में छवि का निर्माण सियासी नाटकीयता से नहीं, बल्कि वर्षों तक लगातार काम करने से होता है। बहरहाल, अब उनसे यह उम्मीद लाजिमी है कि वह राज्य के बुनियादी मुद्दों पर किए जा रहे कार्यों को गति देंगे, ताकि बिहार, भारत का ग्रोथ इंजन बन सके।

# हमें यूनुस को खुश करने की जरूरत नहीं

## पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल मुनीर भारत पर दो-मोर्चे वाला छद्म युद्ध थोपना चाहते हैं और यूनुस सरकार उनका ट्रंप कार्ड है। ऐसे में, भारत ने शेख हसीना को वापस भेजने के बांग्लादेश के आग्रह को खारिज कर कूटनीतिक दृष्टि से एक सही कदम उठाया है।

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए मौत की सजा सुनाई, जिससे अवामी लीग और यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के बीच भारी टकराव का माहौल बन गया। गौरतलब है कि अंतरिम सरकार को पाकिस्तान समर्थक जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी इस्लामी ग्रुप का समर्थन हासिल है। आरोपी की उपस्थिति के बगैर सुनवाई में बचाव के लिए हमेशा कम मौके मिलते हैं, खासकर तब, जब आरोपी को अपना बचाव दल बनाने की इजाजत न हो। हसीना का मामला आईसीटी द्वारा नियुक्त एक वकील देख रहा था, जिसने न तो बचाव पक्ष की तैयारी के लिए समय लेने की खातिर स्थगन की मांग रखी और न ही आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद पांच हफ्तों की सुनवाई में एक भी गवाह पेश किया। संयुक्त राष्ट्र एवं एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपदस्थ प्रधानमंत्री को मौत की सजा दिए जाने पर नाराजगी जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि हालांकि हमें इस सुनवाई के बारे में पता नहीं था, फिर भी हमने हमेशा जवाबदेहीपूर्ण कार्यवाही की वकालत की है, खासकर अंतरराष्ट्रीय अपराध के आरोपों में, ताकि बिना किसी संदेह के उचित कार्यवाही और निष्पक्ष सुनवाई के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा किया जा सके। यह बात तब और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जब सुनवाई बिना आरोपी के मौजूदगी के की जाती है और फिर मौत की सजा सुनाई जाती है। हमें इस सजा पर खेद है और हम इसका विरोध करते हैं।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की सेक्रेटरी जनरल, एग्नेस कैलामार्ड ने एक बयान में कहा कि 'शेख हसीना को मौत की सजा देने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को इंसाफ नहीं मिलेगा।' उन्होंने अपने बयान में कहा, 'जुलाई-अगस्त, 2024 में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए गंभीर उल्लंघन और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों के लिए जो लोग व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं, उनकी जांच होनी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई में उन पर मुकदमा चलना चाहिए। हालांकि, यह सुनवाई और सजा न तो निष्पक्ष है और न ही सही। पीड़ितों को न्याय और जवाबदेही की जरूरत है, फिर भी मौत की सजा मानवाधिकारों के उल्लंघन को और बढ़ाती है। यह सबसे क्रूर, अपमानजनक और अमानवीय सजा है और किसी भी न्याय प्रक्रिया में इसकी कोई जगह नहीं है।'

शेख हसीना को मृत्युदंड देने से तब तक कोई फर्क नहीं पड़ेगा, जब तक वह भारत में हैं। लेकिन इस फैसले से साफ है कि यूनुस सरकार अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध नहीं हटाएगी और न ही उसे फरवरी में होने वाले चुनावों में हिस्सा लेने की इजाजत देगी। अवामी लीग ने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया और आजादी के बाद के आधे इतिहास में उस पर राज किया। चाहे अवामी लीग के किसी भी नेता को सजा मिल जाए, लेकिन अवामी लीग के बिना बांग्लादेश में सबको साथ लेकर चलने वाला चुनाव नहीं हो सकता। लीग कभी भी हथियारबंद क्रांति वाली पार्टी नहीं थी, बल्कि यह चुनावों के जरिये सत्ता में यकीन रखती थी। 1970 के पाकिस्तान चुनावों में जबर्दस्त जीत के बाद जब इसे सत्ता से बाहर कर दिया गया और बंगाली लोगों का भयानक नरसंहार हुआ, तभी अवामी लीग को हथियारबंद लड़ाई का सहारा लेना पड़ा। 1971 में पाकिस्तानी सेना की तरह, यूनुस और उनके कट्टर इस्लामी समर्थक अवामी लीग को हाशिये पर धकेल रहे हैं। इसके तहत यूनुस ने पहले तो सुनियोजित अभियान के तहत अवामी लीग को सत्ता से हटाया गया, फिर उसे चुनाव में भागीदारी करने से प्रतिबंधित भी कर दिया।

हैरानी की बात नहीं है कि हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने कहा कि अगर अवामी लीग को चुनाव में शामिल होने का मौका नहीं दिया गया, तो हिंसा हो सकती है। बांग्लादेश की राजनीति में नतीजे अक्सर सड़क पर लोगों के समर्थन से तय होते हैं। हालात बिगड़े हुए हैं, अब यूनुस को अवामी लीग के बड़े विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ सकता है, जिसे दबाने के लिए उन्होंने पुलिस को खुली छूट दे दी है और अपने सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुयान को नेशनल आर्ल्ड रिजर्व की आड़ में एक इस्लामी मिलिशिया बनाने की भी इजाजत दे दी है। करीब 8,000 मिलिशिया के लोगों को पुलिस की वर्दी और दंगा कंट्रोल करने वाले उपकरण दिए गए, जो कानून और व्यवस्था के कामों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं का खुला उल्लंघन है। अगर अवामी लीग के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस और मिलिशिया की हथियारबंद कार्रवाई होती है, तो उन्हें हथियारबंद कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और इसके लिए सिर्फ यूनुस ही जिम्मेदार होंगे।

मोदी सरकार ने सजा के फैसले और हसीना को वापस भेजने के बांग्लादेश के आग्रह को नजरअंदाज कर दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा गया है कि भारत ने आईसीटी के फैसले पर ध्यान दिया है। लेकिन भारत के सभी राजनीतिक दल हसीना को पनाह देना जारी रखने के पक्ष में हैं। भारत के पास यूनुस की मदद करने का कोई कारण नहीं है, जिनकी पाकिस्तान से दोस्ती जगजाहिर है। चिंता की बात यह है कि पाकिस्तान के बांग्लादेश के साथ सैन्य रिश्ते तेजी से सुधर रहे हैं। इससे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को यह आत्मविश्वास मिला है कि वह भविष्य में किसी लड़ाई में भारत को पूरब के मोर्चे पर भी धमका सकते हैं। मुनीर साफ तौर पर 1971 से पहले के दिनों की तरह भारत पर दो-मोर्चे वाला छद्म युद्ध थोपना चाहते हैं और यूनुस सरकार उनका ट्रंप कार्ड है।

बांग्लादेश में भारत के पास कोई संक्षिप्त विकल्प नहीं है। 1971 के मुक्ति युद्ध की सोच से जुड़े आजादी के समर्थक लोग भारत के स्वाभाविक साथी हैं। दिल्ली ने उन्हें मजबूत बनाने के तरीके ढूंढ लिए हैं, भले ही इसका मतलब अवामी लीग के संदिग्ध लोगों को हटाना हो, जिन्होंने सत्ता में रहते हुए हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के साथ मिलकर काम किया है। अफगानिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी राष्ट्रवाद को भाषा एवं संस्कृति से ताकत मिलती है, न कि कट्टरपंथी इस्लाम से, जो पाकिस्तान के जिहादी एजेंडे का मुकाबला करने के लिए भारत का सबसे अच्छा दांव है। जो काम पश्चिम में हुआ, वही अब भारत को पूरब में भी करना चाहिए, जैसा 1971 में हुआ था, लेकिन सिर्फ दिल्ली ही अपनी सही प्राथमिकता तय कर सकती है।

-सुबीर भौमिक, वरिष्ठ पत्रकार

## मानव तस्करी
### बच्चे गुम होकर जाते कहां हैं?

देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा गुम हो रहा है। बच्चों की गुमशुदगी की शिकायत 2022 की तुलना में 2023 में 9.5 फीसदी बढ़ी है। इनमें 71.4 प्रतिशत लड़कियां हैं।

उच्चतम न्यायालय ने भारत में हर आठ मिनट में एक बच्चे की 3 गुमशुदगी पर गहरी चिंता प्रकट की और तत्काल इसका समाधान चाहा। यह चिंता विभिन्न अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से भी उभरती है। एनसीआरबी की भारत में अपराध 2023 रिपोर्ट के अनुसार, देश में दर्ज होने वाली बच्चों की गुमशुदगी की शिकायत 2022 की तुलना में 2023 में 9.5 फीसदी बढ़ी है। इनमें 71.4 प्रतिशत लड़कियां हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों का राज्यवार विश्लेषण करें, तो उत्तर प्रदेश सबसे आगे नजर आता है, जहां 2023 में 25,000 से अधिक मामले दर्ज हुए। उसके बाद बिहार (18,000), पश्चिम बंगाल (15,000) और महाराष्ट्र आते हैं। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में तो 50 प्रतिशत से अधिक मामलों का पता ही नहीं लग पाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, कुल गुमशुदा बच्चों में से करीब 74 फीसदी को बरामद किया जाता है, लेकिन शेष 26 प्रतिशत बच्चे गुम ही रह जाते हैं। ये बच्चे अक्सर मानव तस्करी के नेटवर्क में फंस जाते हैं। एनसीआरबी का 'ट्रैक-चाइल्ड' पोर्टल 2023 में ऐसे 80 प्रतिशत मामलों में सहायक सिद्ध हुआ, लेकिन डाटा एंट्री में देरी और स्थानीय पुलिस की उदासीनता इसमें बड़ी बाधाएं बनी रहीं। रिपोर्ट में बच्चों के खिलाफ बढ़े 9.2 फीसदी अपराधों में गुमशुदगी को प्रमुख घटक माना गया। इन आंकड़ों के अलावा, यूनिसेफ इंडिया की 2024 की वार्षिक रिपोर्ट द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन में वैश्विक स्तर पर 4.88 करोड़ बच्चों के विस्थापन का जिक्र है, जिसमें भारत का बड़ा हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में 5.2 करोड़ से अधिक बच्चे स्कूल से वंचित हैं, जो गुमशुदगी का प्राथमिक कारण बनता है।

**जयसिंह रावत के अनुसार 2024 में डेढ़ से दो लाख बच्चे गुम**

भारत में, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी व शिक्षा की कमी के चलते 40 फीसदी गुमशुदा बच्चे मानव तस्करी के शिकार होते हैं। यूनिसेफ के अनुमानों हुए, जिनमें 30 प्रतिशत तस्करी से जुड़े। संगठन ने डिजिटल ट्रैकिंग एप्स व स्कूल-आधारित अलर्ट सिस्टम की सिफारिश की है, ताकि प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली मजबूत हो। बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के सर्वेक्षण के अनुसार, 70 फीसदी गुमशुदा बच्चे बाल श्रम या जबरन विवाह में धकेल दिए जाते हैं, जिसमें 2024-25 में 20 फीसदी की वृद्धि हुई है। बीबीए का नवीनतम डाटा ऑनलाइन ग्रूमिंग को नया खतरा बताता है। इसी तरह सेव द चिल्ड्रेन इंडिया की 2024 की रिपोर्ट स्टोलेन फ्यूचर्स में गुमशुदगी को 'चोरी हुआ भविष्य' करार दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में गुमशुदा बच्चों में 25 फीसदी यौन शोषण से जुड़े थे। संगठन ने पीओसीएसओ एक्ट को मजबूत करने और एनजीओ-सरकार साझेदारी की वकालत की है। एनसीपीसीआर का 2025 डैशबोर्ड रीयल-टाइम ट्रैकिंग उपलब्ध कराता है। इसने 'वात्सल्य' पोर्टल लॉन्च किया है, जो लापता और असुरक्षित बच्चों का डाटाबेस रखता है, लेकिन जागरूकता की कमी एक बड़ी बाधा है।

एनसीआरबी के अनुसार, 45,000 मामले तस्करी से जुड़े हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट सीमा क्षेत्रों में नेपाल-बांग्लादेश मार्ग पर प्रकाश डालती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, केंद्र को एआई-आधारित ट्रैकिंग पर आधारित 'बाल सुरक्षा पोर्टल' लॉन्च करना चाहिए।

## समाज

# ठहराव के बीच

हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हर पल कुछ न कुछ बदल रहा है, लेकिन इस बदलाव की गति ने हमारी चेतना को लगभग सुन्न कर दिया है। खबरें आती हैं, हिलाती हैं और अगले ही पल किसी और सनसनी के नीचे दब जाती हैं। इस तेजी से भागती दुनिया में सबसे दुर्लभ चीज है ठहराव, और शायद सबसे जरूरी भी। देश में चुनावी शोर होता ही रहता है। हर गली-कूचे में नारों की गूंज, मीडिया में बहसों की गरमी, सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप की झड़ी लगी रहती है। लेकिन अगर हम इन आवाजों के बीच कुछ देर चुप बैठकर सोचें, तो पाएंगे कि आम आदमी की आवाज कहीं खो-सी गई है। वास्तव में जिसे लोकतंत्र का केंद्र होना चाहिए, वही सबसे हाशिये पर है। गांवों में पानी नहीं है, शहरों में हवा नहीं है, किसान आज भी कर्ज के बोझ तले आत्महत्या कर रहे हैं और युवा बेरोजगारी के दुश्चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन चुनावी बहसें मंदिर-मस्जिद, जाति-धर्म, राष्ट्रवाद और विरोधियों की गालियों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। हम जैसे देखना ही भूल गए हैं कि राजनीति का मतलब लोगों की जिंदगी बेहतर करना है।

इस सबके बीच, ऐसा लगता और दिखता है कि तकनीक ने हमारी दुनिया को व्यापक स्तर पर जोड़ा है। मगर सच्चाई यह है कि तकनीकी से धुंध दुनिया का विस्तार जैसे-जैसे होता गया है, उतना ही हम अलग-थलग भी हुए हैं। हम घंटों मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी के स्क्रीन पर टिके रहते हैं, लेकिन पास बैठे लोगों से आंख मिलाने का हमारे पास वक्त नहीं होता। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीकी और जैव तकनीकी के युग में हैं, लेकिन मनुष्यता का सबसे बड़ा प्रश्न आज भी वही है- सहानुभूति। सवाल है कि क्या हम एक-दूसरे के दुख को महसूस करना भूल गए हैं? दिल्ली की किसी झुग्गी में बैठी एक मां, जो दिन भर घरों में झाड़ू-पोंछा कर अपना पेट पालती है, आज महंगाई की मार से दो जून की रोटी भी मुश्किल से जुटा पा रही है। उसकी पीड़ा और अभाव की हालत किसी %विकास दर% में दर्ज नहीं होती। न ही वह किसी आधुनिक और मशहूर ट्रेन की तस्वीर में शामिल है। मगर असल भारत वहीं सांस लेता है- गर्मी के मौसम की झुलसती दोपहर में, टूटी हुई चप्पलों के साथ।

कभी-कभी लगता है कि जैसे हम एक बड़े भ्रम में जी रहे हैं। एक विकासशील देश होने का भ्रम, एक महान संस्कृति के वाहक होने का भ्रम, एक विश्वगुरु बनने की आकांक्षा का हिमायती है।

सब तरफ निराशा की दिखती है, लेकिन इसी अंधकार के बीच कुछ रोशनी भी है। एक बच्चा जब स्कूल में दाखिला पाता है, एक लड़की जब बिना डर के साइकिल चला पाती है, एक किसान जब अपने खेत से उपज लेकर लौटता है, तो एक छोटी-सी आशा जन्म लेती है। ये छोटी आशाएं ही बड़े बदलाव की जमीन तैयार करती है।

भ्रम, लेकिन क्या हमने अपने भीतर झांककर देखा है? सार्वजनिक रूप से भी बोली जाने वाली हमारी भाषा कितनी आक्रामक हो गई है। असहमति का मतलब दुश्मनी, आलोचना का मतलब राष्ट्रद्रोह और सवाल पूछने का मतलब साजिश बन गया दिखता है।

-पवन शर्मा

## देश प्रांतर -

# चमकते शहरों में उपेक्षित बेघर लोग

कड़ाके की ठंड में फुटपाथों पर बिखरी पुरानी रज्जाइयां, प्लास्टिक की फटी हुई चादरें और कभी-कभार धुंधली आग की ली शहर की जगमगाती रोशनी से कटी हुई दुनिया जैसी लगती हैं। कहीं से आई कोई छोटी-सी खबर चुपचाप दब जाती है कि कड़ाके की ठंड ने फिर कुछ जिंदगियां लील लीं। ये जिंदगियां उन गुमनाम चेहरों की हैं, जो पुल के नीचे सिकुड़ कर लेटी रहती हैं, रेलवे स्टेशन के कोने में दुबकी रहती हैं या किसी पार्क की टूटी बेंच पर आखिरी सांस लेती है, लेकिन ये मौतें केवल मौसमी हादसे नहीं हैं। ये हमारी व्यवस्था की तल्ख सच्चाई है, समाज की संवेदनहीनता का क्रूर आईना हैं।

कुछ समय पहले एक आंकड़ा 'सेंटर फार होलिस्टिक डेवलपमेंट' ने जुटाया था कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच महज 56 दिनों में दिल्ली में 474 बेघर लोगों की ठंड से मौत हो गई। यह आंकड़ा जिला स्तर के डेटा, अस्पताल के दस्तावेज और सर्वे पर आधारित था। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली प्रशासन से विस्तृत रपट मांगी। मगर वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। फुटपाथ पर पड़ी लाशों को अकार अज्ञात शव मान कर दफना दिया जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 80 फीसद ऐसी मौतें बिना किसी पहचान के गुम हो जाती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, 2019 से 2023 तक पूरे देश में शीतलहर से 3,639 मौतें हुईं, जिनमें बेघर और गरीब तबका सबसे ज्यादा शिकार रहा। वर्ष 2024 में ही पूरे भारत में 3,238 मौतें हुईं, जो 2022 में हुई मौतों से 18 फीसद ज्यादा हैं। यानी शीतलहर अब पहले से अधिक घातक हो रही है।

यह संकट दिल्ली तक सीमित नहीं है। कानपुर में जनवरी 2023 के दौरान एक हफ्ते में ही 98 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में ही 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। %नेशनल फोरम फार होमलेस हाउसिंग राइट्स% की रपट में यह जानकारी दी गई। लखनऊ, आगरा, पटना और जयपुर जैसे शहरों में भी यही कहानी दोहराई गई। एनएचआरसी ने अक्तूबर 2025 में 19 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों को चेतावनी जारी की, जिसमें बेघरों, नवजातों, बुजुर्गों और कमजोर वर्गों को ठंड से बचाने के लिए कदम उठाने को कहा गया, लेकिन ये चेतावनियां कागजों पर धरी रह गईं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश के शहरी क्षेत्रों में नौ लाख 38,348 लोग बेघर थे। मगर आज यह संख्या डेढ़ करोड़ पार कर चुकी है। दिल्ली में ही करीब तीन से चार लाख बेघर लोग हैं, जो मुख्य रूप से प्रवासी मजदूर, रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, घरेलू कामगार और चुजुर्ग हैं। अगस्त 2024 में कराई गई गिनती में 1,56,369 लोग रात ग्यारह बजे से सुबह 5.30 तक सड़कों पर सोते पाए गए। ये वे लोग हैं जो दिनभर शहर को चला रहे होते हैं। वे सुबह चार बजे से रिक्शा चलाते हैं, बाजारों में फल बेचते हैं, घरों में झाड़ू लगाते हैं, लेकिन शाम ढलते ही इनके लिए कोई जगह नहीं बचती। एक रपट के मुताबिक, महामारी के बाद प्रवासी मजदूरों की संख्या में 30 फीसद की बढ़ोतरी हुई, जिनमें से आधे से ज्यादा शहरी झुग्गियों या खुले आकाश वले रहने के लिए मजबूर हैं। आर्थिक मंदी, नौकरियों की कमी और ग्रामीण पलायन ने इन्हें सड़कों पर धकेल दिया।

ये लोग हमारे चीच के ही हैं। एक समय ये किसानों के बेटे थे, मजदूर थे, छोटे व्यापारी थे। मगर सूखा पड़ने से और बाढ़, कर्ज तथा महंगाई ने उन्हें शहरों की ओर धकेल दिया। शहरीकरण की होड़ में गांव खाली हो रहे हैं।

सरकार बेघर लोगों की मुश्किल हैं, लेकिन जमीन पर वे खोखली साबित हो रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) का नारा था सबको घर। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह योजना 2022 तक सभी को पक्का घर देने का वादा लेकर आई, लेकिन 2025 आ गया और योजना का विस्तार कर पीएमएवाई अर्बन 2.0 लाया गया। दूसरी ओर बेघरों की संख्या घटने के बजाय बढ़ रही है। सरकार दावा करती है कि हर 20 मिनट में 150 घर बन रहे हैं, लेकिन ये आंकड़े कागजों के हैं। असल में बेघरों को इन घरों तक पहुंच ही नहीं मिलती।

शहर बड़े हो रहे हैं, लेकिन गरीबों के लिए जगह सिकुड़ रही है। दिल्ली मास्टर प्लान 2041 के तहत शहर को स्मार्ट बनाने का सपना है, लेकिन इसमें बेघरों का कोई जिक्र नहीं। उल्टे, झुग्गी-झोपड़ियां तोड़ी जा रही हैं। कुछ समय पहले यमुना किनारे सैकड़ों झुग्गियों पर बुलडोजर चला दिया गया। लोग मलबे पर सीने लगे। बच्चे ठिठुरे, महिलाएं रोईं, लेकिन विकास का पहिया रुका नहीं। एक सर्वे के अनुसार, दिल्ली में 40 फीसद बेघर लोग झुग्गी तोड़ने के बाद सड़कों पर आ गए। मौसम विभाग चेतावनी देता है, एनएचआरसी निर्देश देता है, संगठन आवाज उठाते हैं, लेकिन प्रशासन सोता रहता है।

सरकार की योजनाएं इस संकट को दूर करने का दावा करती है, लेकिन जमीन पर वे खोखली साबित हो रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) का नारा था राबको घर। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह योजना 2022 तक सभी को पक्का घर देने का वादा लेकर आई, लेकिन 2025 गया और इस योजना का विस्तार कर पीएमएवाई अर्बन 2.0 लाया गया। दूसरी ओर बेघरों की संख्या घटने के बजाय बढ़ रही है। सरकार दावा करती है कि हर 20 मिनट में 150 घर बन रहे हैं, लेकिन ये आंकड़े कागजों के हैं। असल में बेघरों को इन घरों तक पहुंच ही नहीं मिलती। सितंबर 2025 में मंत्रालय ने राज्यों के साथ समीक्षा की, लेकिन समय पर केंद्रीय सहायता जारी न होने से प्रगति ठप है। यह योजना गरीबों को सशक्त चनाने का दावा करती है, लेकिन वास्तव में भवन निर्माता कंपनियों की जेच भर रही है।

रैन बसेरे इस समस्या का तात्कालिक हल माने जाते हैं, लेकिन इनकी हालत देख कर बेहद निराशा होती है। %दिल्ली अर्थन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड% के अनुसार, शहर में 325 रैन बसेरे हैं, जिनकी कुल क्षमता 16,338 लोगों को है। लेकिन %विंटर एक्शन प्लान 2024-25% के तहत 197 स्थायी बसेरों में से मात्र 82 कार्यरत हैं, क्षमता सिर्फ 7,092 की है। बाकी %पोर्टा केचिन% और तंबुओं में चल रहे हैं। दिल्ली सरकार ने 250 नए अस्थायी बसेरे खोलने का वादा किया। लाहौरी गेट या सराय काले खां जैसी जगहों पर भीड़ इतनी कि लोग फर्श पर सोते हैं। महिलाओं के लिए 17 बसेरे है, लेकिन असुरक्षित। एक रपट के अनुसार, यहां चोरी, नशाखोरी और हिंसा आम है। मास्टर प्लान के मुताबिक 330-350 स्थायी रैन बसेरे होने चाहिए थे, लेकिन अभी 80 ही हैं। यह कमी केवल उदासीनता नहीं, बल्कि पारदर्शिता के अभाव को दिखाती है।

हमारा समाज, जो %वसुधैव कुटुंबकम% की चात करता है, सड़क पर ठिठुरते व्यक्ति को देख कर नजरें फेर लेता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रपट कहती है कि बेघरों को भिखारी या नशेड़ी समझा जाता है। कोई सर्वे नहीं होता कि कितने लोग खुले में सो रहे हैं। प्रशासन अनुमान पर चलता है। कानपुर की 98 मौतें टाली जा सकती थीं, अगर समय रहते बेघरों का पता लगा लिया जाता। वैश्विक नजरिए से देखें, तो न्यूयार्क या लंदन में रैन बसेरों में चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं देना अनिवार्य है। मगर भारत में? महज एक कंबल और चाय।

समाधान संभव है, अगर इच्छाशक्ति हो। सबसे पहले, हर शहर में एक व्यापक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए, ताकि बेघर लोगों की सटीक संख्या, उनकी जरूरतों का पता लगाया जा सके। इसके चाद रैन बसेरों का विस्तार करना चाहिए। रात में गश्त की जाए, ताकि ठिठुरते लोगों को बचा कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा सके। कंबल, गर्म कपड़े और सूप वितरण की व्यवस्था नियमित रूप से हो। प्रशासन को जवाबदेह बनाया जाए, हर बिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त हो। वहीं एनएचआरसी के निर्देशों को सख्ती से लागू करना होगा। कानूनी रूप से जीने का अधिकार मौलिक है और गरिमापूर्ण जीवन का अर्थ सिर पर छत और भोजन से भी जुड़ा है।

-देवेंद्रराज सुथार

# इंदौर बाजार भाव

**इंदौर ।एजेंसी।** ऊपरी स्तरों से बिकवाली आने से शुक्रवार को तिलहनों में सरसो बाजार मंदी के रहे। रायड़ा व सोयाबीन बना रहा। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो में ऊपरी स्तरों पर बिकवाली से बाजार नरमी के रहे। सोयाबीन व रायडा बना रहा। दलहनों में चना मजबूत नज़र आया। उधर, किराना जिंसों में कामकाज सामान्य रहा। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना-** शक्कर 4130-4190, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 175-200, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-800, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

**तेल-** सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1425-1430, राजकोट तेलिया 2350, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1240-1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

**रात की धारणा-** गुजरात लुज 1400-1450, मुम्बई पाम 1260, मुम्बई सोया 1280,

**खली-** कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन-** सरसो 8500-8700, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4500-4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन-** चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5725, एवरेज 5600-5625, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

**दाल-** चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

**अनाज-** गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

**चावल-** चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

**मावा-** इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

# इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर ।एजेंसी।** कमजोर कामकाज के बीच शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 154000, चाँदी (99) 153500, टंच 153000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 124500,

# रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

**मुम्बई ।एजेंसी।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा। इससे रुपया 89 के स्तर से नीचे खिसक गया। कारोबार के दौरान यह 78 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.46 पर था। रुपए में आई यह गिरावट तीन महीने में सबसे अधिक है। घरेलू और वैश्विक शेयर बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से भी रुपया दबाव में आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 88.67 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 82 पैसे फिसलकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 89.50 पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे नीचे आकर 88.68 पर बंद हुआ था।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुंबई ।एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई सहित अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। आज बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक नीचे आकर 85,231.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक गिरकर 26,068.15 पर बंद हुआ था। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 687.25 अंक नीचे आकर 60,276.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 219.75 अंक फिसलकर 17,847.50 पर था।आज निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी एनर्जी के शेयर फिसले जबकि निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी कंजप्शन में ही तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी, एमएंडएम, आईटीसी, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचयूएल,

भारती एयरटेल, टीसीएस, टाइटन, पावर ग्रिड और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक , एसबीआई, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा, एलएंडटी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे। बाजार में अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने को माना जार हा है। इसके अलावा भारत में पीएमआई डेटा कमजोर रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स टूटकर 85,347.40 अंक पर खुला। सुबह यह 77.03 अंक नीचे आकर 85,555.65 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी 100 से ज्यादा अंक फिसलकर 26,109 पर खुला। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। डॉव जोन्स 0.84 फीसदी गिरा, एसएंडपी में 1.56 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा नैस्डैक 2.16 फीसदी गिरा। दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिज़र्व की तरफ से एक और ब्याज दर कटौती की संभावना को लेकर संशय बढ़ने से बाजार टूटा है। अमेरिकी बाजारों का प्रभाव एशियाई बाजारों पर भी हुआ। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.16 फीसदी गिरा वहीं हांगकांग का हैंग सेंग 1.82 फीसदी गिरा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.12 फीसदी नीचे आया।

# देश में खाद्यान्न उत्पादन आठ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 35.77 करोड़ टन हुआ

**नई दिल्ली ।एजेंसी।** देश में खाद्यान्न उत्पादन फसल वर्ष 2024-25 में आठ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 35.77 करोड़ टन हुआ है। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) में खाद्यान्न उत्पादन 33.23 करोड़ टन रहा था। फसल वर्ष 2024-25 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के अंतिम अनुमान जारी कर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन किसानों के प्रयासों और उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खरीद सहित सरकारी नीतियों का नतीजा है। अंतिम अनुमान के अनुसार, 2024-25 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.79 करोड़ टन रहा, जबकि बीते वर्ष यह 11.33 करोड़ टन था। चावल का उत्पादन 2024-25 में बढ़कर रिकॉर्ड 15.02 करोड़ टन हो गया। एक साल पहले 2023-24 में यह 13.78 करोड़ टन था। मोटे अनाज का उत्पादन भी 5.69 करोड़ टन से बढ़कर 6.39 करोड़ टन हो गया। दालों का उत्पादन बढ़कर 2.57 करोड़ टन हो गया जो 2023-24 में 2.42 करोड़ टन था। गैर-खाद्यान्न श्रेणी में, तिलहनों का उत्पादन 3.97 करोड़ टन से बढ़कर 4.30 करोड़ टन हो गया। नकदी फसलों में, गन्ने का उत्पादन 45.46 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले 2023-24 में 45.31 करोड़ टन था।

# अमेरिकी बैन के चलते भारत में रूसी तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंचा

**नई दिल्ली ।एजेंसी।** भारत को दिए जाने वाले रूस के कच्चे तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी प्रतिबंध के कारण भारतीय रिफानिंग कंपनियां सतर्कता बरत रही हैं। अमेरिका ने रूस के दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर बैन लगा दिया है। इन कंपनियों पर अमेरिकी बैन 21 नवंबर से प्रभावी होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में अब तक भारत के लिए रूसी तेल का लदान पिछले महीने के मुकाबले आधा रह गया है। 20 नवंबर तक भारत भेजे गए तेल की मात्रा 9.82 लाख बैरल प्रति दिन रही, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा 18.6 लाख बैरल प्रति दिन था। भारतीय रिफाइनर अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन ऐसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) के प्रतिबंधों के मद्देनजर रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए सतर्क हो गए हैं। केप्लर के प्रमुख अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि इस गिरावट की मुख्य वजह भारतीय रिफाइनरों की रूसी आपूर्तिकर्ता रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर लगा अमेरिकी बैन है। हालांकि वॉल्यूम में अभी भी बदलाव हो सकता है क्योंकि रास्ते में मौजूद कुछ जहाज अपने आखिरी गंतव्य को बदल सकते हैं। मगर मौजूदा रुझान बिल्कुल साफ है कि भारत के लिए लदान में नरमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल और निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिकी बैन को मानने के लिए सहमत हैं, जबकि एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड ने रूस पर पश्चिमी देशों के बैन के बाद रूस से तेल खरीद को रोक दिया है। भारत को रूसी तेल की आपूर्ति में दोनों प्रतिबंधित रूसी कंपनियों का योगदान 60 से 70 फीसदी है। आरआईएल के पास रोसनेफ्ट से करीब 5 लाख बैरल प्रति दिन कच्चा तेल खरीदने का दीर्घावधि अनुबंध है, जबकि नायरा एनर्जी में 49 फीसदी हिस्सा रूस की सरकारी कंपनी का है। इसके विपरीत भारतीय सरकारी रिफाइनिंग कंपनियों का रूस के साथ कोई दीर्घावधि अनुबंध नहीं है।

**मेष-** आज आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। व्यवसाय में आपको लाभ मिलेगा। आप अपनी सेहत को लेकर सजग रहें। नौकरी में भी आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आप किसी अजनबी की बातों पर भरोसा न करें। परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम बना रहेगा। माताजी की सेहत में गिरावट आ सकती है, जिससे आपको भागदौड़ भी अधिक रहेगी।

**वृषभ-** आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। धन व प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी होगी। पारिवारिक मामले को भी आप मिल बैठकर निपटाएंगे। संतान की नौकरी को लेकर कोई समस्या थी, तो उसके भी दूर होने की संभावना है। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई जरूरी जानकारी सुनने को मिल सकती है।

**मिथुन-** आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप यदि किसी काम को भाग्य के भरोसे छोड़ेंगे, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप किसी नए घर मकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं। जो आपके लिए अच्छी रहेगी। आपकी इनकम बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने व्यवसाय में पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करनी होगी, क्योंकि इसमें आपको धोखा मिल सकता है।

**कर्क-** आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। संतान के विवाह में यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती हैं। आपको सामाजिक कामों से जुड़ी कुछ जरूरी जानकारी मिल सकती है।

**सिंह-** आज का दिन आपके सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको धन लाभ मिलने से खुशी होगी और परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आपको कुछ नए संपर्कों से लाभ मिलेगा। आपकी महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी और आप अपने कुछ फिजूल के खर्चों को कम भी करने की पूरी कोशिश करेंगे। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

**कन्या-** आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। परिवार में आपसी प्रेम बढ़ेगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको धन लाभ मिलने से खुशी होगी, लेकिन आप परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। कुछ संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा।

**तुला-** आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा, लेकिन आप किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखें और बेवजह छोटी-छोटी बातों को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो इससे परिवार के सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं और कार्य क्षेत्र में भी कोई जिम्मेदारी भरा काम आपकी मुश्किलों को बढ़ाएगा। आपको अपनी स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा।

**वृश्चिक-** आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों को कंट्रोल करके चलने के लिए रहेगा। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा और आप आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। संतान के प्रति आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह निभाएंगे। कार्यक्षेत्र में भी मन मुताबिक काम मिलने से आपको खुशी होगी। आपके किसी बात को लेकर माताजी आपसे नाराज हो सकती हैं।

**धनु-** आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायी रहने वाला है, लेकिन फिर भी आप अपने आसपास रह रहे शत्रुओं को पहचान कर ही आगे बढ़े। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से लिए गए फैसलों के लिए पछतावा होगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो वह लंबे समय के लिए करेंगे, तो भी आपको बेहतर लाभ मिल सकेंगे।

**मकर-** आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। रोजगार की तलाश में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप अपनी प्रॉपर्टी की यदि किसी डील को लेकर परेशान थे, तो वह भी फाइनल हो सकती है। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

**कुंभ-** आज आपको लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और आपके काम भी बढ़ेंगे, जिनसे कार्य क्षेत्र में आपको प्रमोशन मिल सकता है, लेकिन आपको अपने पद का गलत इस्तेमाल नहीं करना है, इसलिए आप गलत तरीके से धन कमाने से बचें। आपको अपने विरोधियों को पहचान कर चलना होगा और अपनी आय और व्यय भी में संतुलन बनाकर चलें, जिससे आपके फिजूल के खर्चे कंट्रोल हो सके।

**मीन-** आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। बिजनेस के काम में आपको अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन आपको किसी लड़ाई झगड़े से दूर रहना होगा और आप अपने आस पड़ोस में रह रहे लोगों से मित्रता बनाए रखें। किसी से किसी बात को लेकर बहस बाजी न करें। आपके किसी रुके हुए काम के पूरा होने से आपके मन में खुशियां बढ़ेंगी। आप कुछ नया करने की सोचेंगे।

## शब्दजाल - 8087

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | म | र | यु | दा | प | र | तू | ग | झ | दो |
| ज | अ | ल | प | मु | रि | शो | ना | दि | शा | आं |
| अं | इ | नु | म | ल | द | ल | ध | र | ला | खें |
| ती | कु | दा | रा | धा | ब | क | प | रि | श | बा |
| स | ति | श | न | धा | क | ब | री | ग | वी | र |
| री | रं | ल | प | व | लि | र्त | ऐ | ती | प | ह |
| क | गा | ल | श | गा | प | म | त्रा | कौ | या | हा |
| स | बा | अ | र्जा | त | क | छ | प्प | ग | श | थ |
| म | स | मि | तें | व | न | ज | मृ | शा | जू | द |
| द | र | ल | श | ह | र | औ | र | स | प | ना |
| थो | झ़ | सा | रु | बा | घ | ब | हा | दु | र | क |

*शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.*

मिर्जा गालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर.

### शब्दजाल - 8086 का हल

## दैनिक पंचांग

**22 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

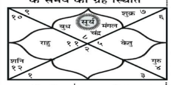


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृश्चिक में | धनु | 08.12 बजे से |
| चंद्र | वृश्चिक में | मकर | 10.17 बजे से |
| मंगल | वृश्चिक में | कुंभ | 12.04 बजे से |
| बुध | वृश्चिक में | मीन | 13.36 बजे से |
| गुरु | कर्क में | मेष | 15.07 बजे से |
| शुक्र | तुला में | वृष | 16.47 बजे से |
| शनि | मीन में | मिथुन | 18.45 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कर्क | 20.59 बजे से |
| केतु | सिंह में | सिंह | 23.15 बजे से |
| राहुकाल | | कन्या | 01.27 बजे से |
| 9.00 से 10.30 बजे तक | | तुला | 03.37 बजे से |
| | | वृश्चिक | 05.52 ब.से |

**शनिवार** 2025 वर्ष का 326 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
**विक्रम संवत्** 2082
**शक संवत्** 1947
**मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** द्वितीया 17.12 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** ज्येष्ठा 16.47 बजे को समाप्त।
**योग** सुकर्मा 11.30 बजे को समाप्त।
**करण** कौलव 17.12 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 1.7 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 08'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872536
**जूलियन दिन** 2461001.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** जमादि उल्लावल
**तारीख** 30
**विशेष** चंद्र दर्शन।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से | 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 से | 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 से | 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से | 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से | 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 से | 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 से | 01.14 बजे तक | चर | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से | 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से | 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 से | 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 से | 05.56 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली - 7031

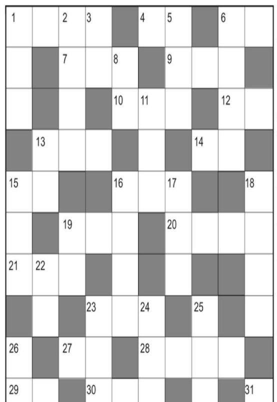

**बायें से दायें:-**

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रुकिये तो' गीत वाली शाहरुख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रुके रुके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

### फिल्म वर्ग पहेली - 7030

## प्रसंगतः वचनों का चमत्कार

संत दादू के पास अनेक लोग आया करते थे ताकि अपनी विभिन्न समस्याओं का समाधान पा सकें। एक संभ्रांत परिवार की एक महिला संत के पास आई और बोली, 'कोई ऐसा वशीकरण मंत्र या कवच दें, जिससे मेरा पति पूरी तरह मेरे वश में आ जाए।' दादू ने कहा, 'मेरी ताकत तो केवल ईश्वर के प्रति विश्वास है। मैं कोई तंत्र-मंत्र नहीं जानता, और न ही किसी को अंधविश्वास की राह दिखाता हूं।' पर वह महिला अड़ी रही। दादू ने उस महिला के परिवार की सारी परिस्थितियां जानीं और एक कागज पर कुछ लिखकर उसे दे दिया और कहा, 'इसका ताबीज बनाकर गले में पहनना तथा मंत्र की सिद्धि के लिए पति की खूब सेवा तथा सहायता करना।' महिला चली गई। उसके बाद से वह अपने पति की खूब सेवा करने लगी। वह इस बात खयाल रखती कि उसके पति को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो। उसके पति का प्रेम उस पर पहले से भी ज्यादा बढ़ गया। कई वर्ष बीत गए। एक दिन पत्नी से रहा नहीं गया। उसने उस ताबीज की बात अपने पति से कर ही दी। पति ने उसे खोलकर देखना चाहा। पत्नी बोली, 'पहले संत को दक्षिणा देंगे, तब ताबीज गले से उतारूंगी।' वे दोनों दादू के पास पहुंचे। दादू उन्हें देखकर सोचने लगे कि इस तरह ताबीजों और मंत्रों के अंधविश्वास में फंसकर तो लोग पलायनवादी हो जाएंगे और साधना की उपेक्षा करने लगेंगे। दादू ने कहा, 'देखो भाई! इसमें कोई विशेष कुछ भी नहीं लिखा था। मैंने तुमसे जो कहा था, वही बात उस पुर्जे में लिखी हुई है।' यह कहकर संत ने ताबीज खोलकर कागज का पुर्जा पढ़ कर सुना दिया। उसमें लिखा था- 'सेवा और साधना से तो ईश्वर भी वश में हो जाता है फिर मनुष्य की बात ही क्या है!' पत्नी समझ गई कि सारा चमत्कार उन वचनों का था, जो दादू ने कहे थे।

## सूडोकु नवताल- 7340

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7339 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8555

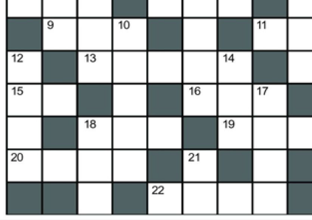

**बाएँ से दाएँ**

1. खटपट,ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड,दम,शामन-3
9. धरा,भूमि-3
11. शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया,करूणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि,देवमुनि-3
20. सब्जी,भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

**ऊपर से नीचे**

1. गुनाह,दोष,जुर्म-3
2. अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3. सौत,दूसरी स्त्री-3
4. होशियार,गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद,तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह,भवन-3
21. जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

### शब्द पहेली -8554 का हल

# पूर्व विधायक समरीते के सवाल उठाने पर थम गये बसों के पहिये

## परिवहन अधिकारी और बस संचालकों पर लगाया था सांठगांठ का आरोप

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सालेटेकरी-दमोह, लांजी से हैदराबाद के लिये टूरिस्ट परमिट पर चलने वाली बसों के पहिये लांजी किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते के बयान के बाद शुक्रवार को अचानक थम गये। जिससे हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि इस मामले में सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार बस संचालक इसे कम रेट में ज्यादा दूरी तय करने के कारण नुकसान की बात कहते हुए बसों का संचालन रोकने की बात कह रहे है। जानकारी अनुसार शुक्रवार 21 नवंबर को लांजी से हैदराबाद के लिये मात्र 2 बसों का संचालन प्रारंभ रहा। वहीं दूसरी ओर श्री समरीते ने कहा की यह बाल मजदूरों का आदिवासियों एवं बैगाओं के पलायन से जुड़ा मामला है। सालेटेकरी दमोह से आधा दर्जन बसे, लांजी से एक दर्जन बसें हैदराबाद के चल रही है। जो बिना रूट परमिट के चल रही है अगर इनके पास परमिट है तो यह बसे उस परमिट की प्रक्रिया के तहत संचालित हो। परंतु सालेटेकरी दमोह लांजी से होते हुए हैदराबाद के लिये जो बसे चल रही है वह नियम विरूद्ध चल रही है इस रूट पर जो बसें संचालित हो रही है वह टूरिस्ट परमिट पर चल रही है जिसमें नियमानुसार जो यात्री यहां से जाएंगे वही यात्री वापस भी आएंगे जिससे शासन को नियम से प्रति यात्री टैक्स प्राप्त होगा परंतु यहां आरटीओ अधिकारी को प्रति बस दस हजार रूपये देकर मवेशियों की तरह यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर डेढ़ डेढ़ सौ की संख्या में ले जाया जा रहा है और वहां से अलग 150 से अधिक पैसेजरों को लाया जा रहा है जो टूरिस्ट परमिट का खुला उल्लंघन है। जिससे गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को भी क्षति हो रही है और म.प्र. शासन को भी क्षति हो रही है। तीन राज्यों से बस संचालकों को बस चलाना है जिससे इन्हें तीनो राज्यों को टैक्स जमा करना है और तीनों राज्यों की एनओसी चाहिए परंतु न तो इन बस संचालकों के पास तीनो राज्यों के टैक्स जमा करने की स्लिप है न तीनों राज्यों की बस संचालन की एनओसी है। सिर्फ और सिर्फ बस संचालकों द्वारा बालाघाट, गोंदिया, तेलंगाना और हैदराबाद के आरटीओ को पैसा खिलाकर नियम विरूद्ध बस का संचालन किया जा रहा है।

### परिवहन अधिकारी की हो संपत्ति की जांच....

श्री समरीते ने अपने जारी बयान में कहा की बालाघाट आरटीओ अधिकारी अनिमेष गढ़पाले काफी वर्षों से यहां पदस्थ है जिनके द्वारा इन परमिटों के नाम पर उनके द्वारा अब तक जमकर धन उगाही की गई है इसके अलावा सालेटेकरी, बोनकट्टा, रजेगांव इन नाकों से भी इनके द्वारा भारी वसूली की जा रही है। इसके अलावा आरटीओ अधिकारी ने अपनी पदस्थापना के बाद से आय से अधिक संपत्ति अर्जित कर ली है जिसकी भी जांच की जाना आवश्यक है। तथा बरघाट से लेकर बालाघाट जिले में कितनी संपत्ति अभी तक बनाई गई है उसकी जांच की जाए। आरटीओ अधिकारी का यह गोरख धंधा इसलिये भी फल फूल रहा है क्योंकि प्रशासनिक अधिकारियों और नेताओं को इनके द्वारा समय समय पर चढ़ोत्तरी चढ़ाई जा रही है जिससे इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। श्री समरीते ने कहा कि आरटीओ अधिकारी द्वारा अपनी पदस्थापना से लेकर अब तक लगभग 50 हजार से अधिक टूरिस्ट परमिट जारी कर दिये गये है इन परमिट के माध्यम से आप डेली बस का संचालन नहीं कर सकते है यह नियम विरूद्ध कार्य हैं। बस संचालकों द्वारा चालाकी दिखाते हुए महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, म.प्र. राज्यों से लगातार करोड़ों रूपये की टैक्स चोरी की गई है जिसकी सीबीआई जांच कराकर बसों को जब्त कर संचालकों के साथ-साथ परिवहन अधिकारी को जेल भेज देना चाहिए ।

### बिना अनुमति के चल रहे 100 से अधिक चौपहिया वाहन...

उन्होने कहा परिवहन कार्यालय द्वारा आल इंडिया परमिट कैसे जारी किये गये, टूरिस्ट परमिट कैसे जारी किये गये, नेशनल परमिट कैसे जारी किये गये। इसके अलावा क्षेत्र में लगभग 100 से अधिक चौपहिया वाहन चल रहे है जो बिना किसी परमिशन के इस मार्ग पर दौड़ रहे है। इनसे हाईकोर्ट ने परमिट जारी करने अधिकार छीन लिया है जिस कारण इन्होने जबलपुर के डिप्टी कमिश्नर द्वारा आरटीओ बालाघाट के रिकमेंट पर जारी किये जा रहे हैं। मौजूदा समय से लेकर पिछले काफी समय से अवैध बसों का संचालन किया जा रहा है परंतु इनके द्वारा अब तक कोई निरीक्षण या छापेमारी नहीं की जाती, किसी को नोटिस नहीं दिया। इसका मतलब यह तो नहीं की राज्य सरकार ने आरटीओ को धन उगाही का लाईसेंस जारी कर दिया। श्री समरीते ने कहा कि अगर इस मामले में जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो मेरे द्वारा इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की जाएगी परंतु किसी भी तरह के अवैध कार्यों को होने नहीं दिया जाएगा।

### पेसेंजरों के साथ की जाती है अभद्रता....

श्री समरीते ने कहा कि हैदराबाद जाने वाले अधिकतर पैसेंजर मजदूर वर्ग के होते है और कम पढ़े लिखे होने के कारण बस संचालकों के शोषण का शिकार हो रहे है। उन्होने कहा सालेटेकरी-दमोह, लांजी से हैदराबाद चलने वाली सभी अवैध बसों को जब्त किया जाना चाहिए। क्योंकि इन बसों में जिस तरह से सवारियों को ले जाया जा रहा है वह काफी निंदनीय है यात्रियो के साथ इनकी अभद्रता जगजाहिर है इसका मुख्य कारण यह है कि मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है जिसकी खुद की कोई ट्रांसपोर्ट सेवा नहीं है जिसका फायदा निजी बस संचालक उठा रहे है। मेरा कहना है कि आप व्यापार करें कारोबार करें परंतु नियम से बाहर जाकर नहीं। इस मामले में कलेक्टर बालाघाट दखल दें एवं इस मामले में एसडीएम तहसीलदारों को निर्देशित करें कि वे ऐसी बसों की जांच करें ताकि सच्चाई सामने आ सके। लांजी क्षेत्र में डबलमनी प्रकरण के बाद से अब तक लगभग 6 लाख लोगों का पलायन इन्हीं बसों के माध्यम से हुआ है जिसका मुख्य कारण यहां कोई व्यवसयिक गतिविधियों का न होना है हर दूसरा बेरोजगार इन बसों में बैठकर पलायन कर रहा है। दुकानों में कार्य करने के लिये मजदूर उपलब्ध नही हो रहे है इस मामले में कलेक्टर को आगे आकर रोकना चाहिए क्योंकि यह स्थिति हमारे जिले के लिये ठीक नहीं है।

# पालकों ने उत्साहपूर्वक देखीं बच्चों की उत्तरपुस्तिकाएँ, दी परीक्षा परिणाम सुधारने के उपयोगी सुझाव

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सांदीपनि शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव (लांजी) में शुक्रवार को पालक-शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित हुए और बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर गहन विचार-विमर्श हुआ। बैठक में मुख्य रूप से निम्न बिंदुओं पर चर्चा हुई- विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति प्रतिशत बढ़ाना, रेमेडियल कक्षाओं का सुचारु संचालन, प्रत्येक विद्यार्थी तक शिक्षकों की पहुंच सुनिश्चित करना। सबसे उल्लेखनीय रहा कि अर्द्धवार्षिक परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का अभिभावकों व छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अवलोकन किया। कई पालकों ने अपने बच्चों के प्रदर्शन को देखकर खुशी जाहिर की तो कई ने कम अंक आने वाले विषयों में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संस्था प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, छात्रों की नियमित उपस्थिति में सबसे बड़ी भूमिका अभिभावकों की होती है। हर पालक का दायित्व है कि वह अपने बच्चे को रोज़ विद्यालय भेजे। साथ ही हम सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए पूरी तरह वचनबद्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य प्रवीणचन्द्र साहू ने सभी उपस्थित पालकों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने इसे बच्चों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया और आगे भी ऐसे आयोजनों की मांग की।

# शासकीय भवनों का समुचित रखरखाव के अभाव में दुर्घटनाओं का अंदेशा

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत ऐसे अनेको शासकीय एवं स्कूल भवन है जो जर्जर अवस्थाओं में जा चुके है लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नजर नही आता। केवल भवनों का निरंतर उपयोग किया जा रहा है जबकि सभी भवनों को समय समय पर रखरखाव की अत्यंत आवश्यकता होती है नही तो यही भवन जर्जर अवस्थाओं में पंहुचकर दुर्घटना का कारण बन जाते है। अनेको बार ऐसी सुचनाऐं भी आ चुकी है तथा देखा भी गया है स्कूल भवनों की छत गिरने से, प्लास्टर झडने से बच्चो को गंभीर चोटे आई है उसके बाद भी शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नही देता और ना ही समय पर भवनों का मरम्मत कार्य करवाया जाता है। वर्तमान में ऐसा ही एक मामला लांजी विकसखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत केरेगांव स्थित शासकीय प्राथमिक कन्या शाला का सामने आया है जहां स्कूल भवन की छत का प्लास्टर गिरने लगा है। बतादे कि इस विद्यालय में छात्राऐं अध्यनरत है। कक्षा में अध्ययन करते हुये कभी भी इन बालिकाओं या शिक्षकों के उपर छत से प्लास्टर गिर सकता है तस्वीरों में देखा भी जा सकता है कि छत किस कदर खराब होते जा रही है छत से प्लास्टर झड़ने से छत की सलाखें नजर आने लगी है इसके पूर्व की कोई बड़ी घटनाऐं घटे उससे पहले स्कूल प्रबंधन को चाहिये कि समय रहते उक्त भवन के रखरखाव का कार्य पूर्ण कर लिया जाये।

### 2005 में निर्मित हुआ था स्कूल भवन

ग्राम केरेगांव स्थित शासकीय प्राथमिक कन्या शाला भवन का निर्माण सर्वशिक्षा अभियान योजनान्तर्गत वर्ष 2005-06 में निर्मित किया था। भवन निर्मित हुये लगभग 20 वर्ष हो चुके है। तकनीकी अधार पर भवन के रखरखाव या कब तक भवन की मियाद है इस संबध में जानकारी लेकर समय समय पर भवन की मरम्मत कराई जानी चाहिये थी ताकि ऐसी स्थिती निर्मित ना हो। शाला में बालिकाऐं अध्ययनरत है आज छत से प्लास्टर गिर रहा है कल छत भी गिर सकती है इससे पूर्व की कोई बडी अनहोनी घटे स्कूल प्रबंधन को चाहिये कि जल्द से जल्द भवन का मरम्मत कार्य पूर्ण किया जाये।

### क्षेत्र के सभी शाासकीय भवनो की हो रही दुर्दशा- अजय अवसरे

जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति लांजी के अध्यक्ष अजय अवसरे ने उक्त विषय पर कहा है कि लांजी जनपद क्षेत्र हो या विधानसभा क्षेत्र हो सभी शासकीय भवनों की हालत जर्जर अवस्था में है। खासकर स्कूल भवनों की ही बात की जाये तो जो भी पूराने निर्माण कार्य है जिनकी आयु 15 से 20 वर्ष हो चुकी है वे भवन जर्जर अवस्थाओं में पंहुच चुके है। जनपद पंचायत लांजी के सामान्य सभा की बैठको में बीआरसी, बीईओ को यह जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिये कि क्षेत्र के किन किन भवनों की हारत खराब या जर्जर अवस्था में पंहुच चुकी है ऐसे कौन से भवन है जिन्हे तुरंत दुरस्ती करण की अत्यंत आवश्यकता है जहां दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है उन सभी को चिन्हांकित किया जाये ताकि शासन प्रशासन से उन भवनों के लिये राशि की मांग कर भवनों का सुधार कार्य करवाया जा सके तथा जो भवन अति जर्जर है उन्हे जमींदोज कर नवीन स्कूल भवनों का निर्माण कार्य करवाया जा सके।

# सिविल अस्पताल में वीर शहीद आशीष शर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सिविल अस्पताल लांजी में शुक्रवार को हॉकफोर्स के निरीक्षक वीर शहीद स्वर्गीय आशीष शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। 19 नवंबर को नक्सली मुठभेड़ में गोली लगने से शहीद हुए आशीष शर्मा की स्मृति में अस्पताल परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय ऊपराडे ने शहीद के पराक्रम को याद करते हुए बताया कि ड्यूटी के दौरान अदम्य साहस के लिए उन्हें

दो बार वीरता पदक से सम्मानित किया गया था तथा आउट ऑफ टर्न प्रमोशन भी प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करते हुए दिया गया यह सर्वोच्च बलिदान हर देशवासी को प्रेरित करता रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित खरोले, डॉ. रूपेंद्र गिरिया, डॉ. अंकित तुरकर, डॉ. विद्या उइके सहित अस्पताल के समस्त चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, ऑफिस कर्मचारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने शहीद के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

शहीद आशीष शर्मा का बलिदान क्षेत्र में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई का प्रतीक बन गया है। अस्पताल परिवार ने एक स्वर में कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देशसेवा की यह भावना हमें सदैव प्रेरित करती रहेगी।

# प्रधानमंत्री कृषक मित्र सुर्य योजना अन्तर्गत 25 को दुलापुर में व 26 को दहेगांव में शिविर

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी क्षेत्र में विद्युत मण्डल मध्यप्रदेश उर्जा विकास निगम लिमिटेड के द्वारा प्रधानमंत्री कृषक मित्र सुर्य योजना के अन्तर्गत 3 एचपी तथा 5 एचपी अस्थाई विद्युत कनेक्शन धारी अब पीएम सुर्य घर मुक्त योजना के तहत अब ले सकते है एक अधिक क्षमता का सोलर पंप जिसकी समय सीमा 21 नवंबर से 5 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। योजना अन्तर्गत शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो कि लांजी अन्तर्गत 25 नवंबर को ग्राम पंचायत दुलापुर में, कारंजा के अन्तर्गत ग्राम दहेगांव में 26 नवंबर को शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में 3 एचपी, एवं 5 एचपी अस्थाई विद्युत कनेक्शन धारी कृषकों को अधिक क्षमता क्रमशः 5 एचपी तथा 7.5 एवपी सोलर पंप के चयन का विकल्प। पूर्व से पंजीकृत आवेदकों के अपूर्ण आवेदन पूर्ण किये जाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। सोलर पंप को मात्र 10 प्रतिशत कृषक अंश पर प्रदान किया जायेगा। राज्यांश हेतू कृषक द्वारा ऋण लिया जायेगा जिसका भूगतान राज्य शासन के द्वारा किया जायेगा। अस्थाई विद्युत कनेक्शन धारियों एवं पूर्व पंजीकृत अविद्युतीकृत कृषकों को 1 से लेकर 7.5 एचपी के सोलर पंप प्रदाय किये जायेंगे।

# शहीद आशीष शर्मा को अर्पित की श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज।किरनापुर। नक्सली मुठभेड़ मे शहीद हुए हॉकफोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गुरुवार की देर शाम किरनापुर के गांधी चौक मे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या मे ग्रामवासी एवं पुलिस थाना किरनापुर के जवानों ने हाथों मे मोमबत्ती जलाकर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा एवं शहीद आशीष शर्मा की फोटो के समक्ष रखते हुए उनके देश सेवा में किए गए अदम्य एवं साहसिक कार्यों को याद किया। तथा उपस्थित जनसमुदाय द्वारा दो मिनट का मौन धारण करते हुए अपनी अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किए।

# दुलीचंद राऊत पंचतत्व में विलीन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी के प्रतिष्ठित व्यापारी दुलीचंद पिता राधेश्याम राऊत का 76 वर्ष की आयु में हृदय गति रूक जाने के चलते 21 नवंबर को सुबह 5 बजे निधन हो गया। बतादे कि स्वर्गीय दुलीचंद राऊत क्षेत्र के पूर्व विधायक यशवंत राव खोंगल जी के बड़े पुत्रवत जो कि एक प्रतिष्ठित व्यापारी, समाज सेवी, माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट के सदस्य, पारिवारिक सलाह केन्द्र के लंबे समय तक अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। इनके निधन पर क्षेत्र एवं नगर में शोक की लहर व्याप्त है। आपके निधन पर बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक गणों के द्वारा अंतिम यात्रा में पहुंचकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आप अपने पीछे दो पुत्र एक पुत्री से भरा पुरा परिवार छोड इस दुनिया से विदा हो गये। जिनका अंतिम संस्कार नगर के स्थानीय कोटेश्वर मोक्ष धाम में सामाजिक रीति रिवाजों के साथ किया गया। आपके निधन पर क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि, व्यापारी संघ, गायत्री शक्ति पीठ ट्रस्ट, माँ लंजकाई ट्रस्ट, सहित समस्त राजनैतिक एवं सामाजिक संगठनो के सदस्यो के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# समाज के हर वर्ग की सहभागिता से बालाघाट को आदर्श जिला बनाएंगे-प्रभारी मंत्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में 21 नवम्बर को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा जिले के विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये गए। बैठक के प्रारंभ में नक्सली मुठभेड़ में शहीद जवान आशीष शर्मा को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने बैठक में कहा कि दुखद परिस्थितियों में उनका बालाघाट आना हुआ है। बालाघाट जिले में पदस्थ जवान आशीष शर्मा देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए है। जाने वाला चला जाता है और वह कभी वापस नही आ सकता है, लेकिन प्रदेश सरकार ऐसे परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद जवान के परिवार से संवेदनशीलता दिखाते हुए नियमों को शिथिल कर शहीद जवान के भाई को एसआई के पद पर नियुक्ति देने एवं जवान के नाम पर स्टेडियम निर्माण की घोषणा की है। इसके साथ ही शहीद के जवान के परिवार को आर्थिक मदद भी दी जा रही है।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर गहन मंथन के बाद जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री इस समिति के अध्यक्ष रहेंगे। जनप्रतिनिधि निर्वाचन के माध्यम से आकर जिले के विकास के लिए अपने सुझाव देते रहते है, लेकिन समाज में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लोग भी होते है जो चुनाव नही लड़ना चाहते है और जिले के विकास के लिए उपयोगी सुझाव एवं विजन देना चाहते है। ऐसे विशेषज्ञ लोगो को जिला विकास सलाहकार समिति में सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। यह प्रदेश शासन का एक नवाचार है और इससे जिले के विकास में समाज के हर वर्ग की सहभागिता होगी, जिससे बालाघाट जिले को एक आदर्श जिला बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने समिति के सदस्यों से कहा कि वे जिले के विकास को लेकर अपने सुझाव एवं प्रस्ताव समिति के सदस्य सचिव कलेक्टर को प्रस्तुत कर दे। उन सुझावों एवं प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा बालाघाट में ट्रांसपोर्ट नगर बनाने, जिला चिकित्सालय में स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से रैन बसेरा बनाने, जिले के नक्सल क्षेत्र से पलायन रोकने के लिए रोजगार का प्लान बनाने, बालाघाट में सरकारी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोलने, बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा जैसे जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में डोलोमाईट, मैंग्नीज, आयरन की मायनिंग प्रक्रिया को सरल बनाने, जिले में किसानों के छोटे रकबे को देखते हुए कृषि उपयोग की छोटी मशीने लाने, सीएम राईज स्कूलों में बच्चों के परिवहन के लिए बसों की व्यवस्था करने, जिला चिकित्सालय बालाघाट की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, तिरोड़ी में पोस्टमार्टम गृह बनाने, जिले में खनिजों से मिलने वाले अधिक राजस्व को देखते हुए जिला खनिज निधि में अधिक राशि दिलाने, मत्स्य पालको को किसानों की तरह सस्?ती दर पर बिजली उपलब्ध कराने, जिले से निकलने वाली खेल प्रतिभाओ को देखते हुए हर खेल का एक-एक स्टेडियम बनाने सहित अन्य सुझाव दिये गए।

बैठक में सांसद श्रीमती भारती पारधी ने ढूटी डेम का गेट खुला होने से वैनगंगा नदी में व्यर्थ में पानी बहने का मामला उठाते हुए कहा कि रबी फसलों की सिंचाई के लिए इस पानी को रोका जाए और इसे व्यर्थ न बहने दिया जाए। कटंगी विधायक श्री गौरव पारधी ने राजीव सागर बांध से गन्ना लगाने वाले किसानों को सिंचाई के लिए पानी दिये जाने की आवश्यकता बताई। बैठक में तय किया गया कि रबी सीजन में धान की सिंचाई के लिए पानी नही दिया जाएगा। इसके बदले किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा कि रबी सीजन में गेहूँ, चना, मूंग आदि कम पानी में पकने वाली फसल लगाए।

समिति के सदस्य सचिव कलेक्टर मृणाल मीना ने बैठक में बताया कि इस समिति का उद्देश्य जिले की जनता जनप्रतिनिधियों व अन्य हितधारकों की जरूरतों और सुझावों के अनुसार जिले के दीर्घकालीन विकास की योजनाएँ बनाना, जिले के परंपरागत कौशल को चिन्हित कर प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल सिद्धांत को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें राष्टीय और अंतर्राष्टीय स्तर पर बढ़ावा देते हुए जिले की समृद्धि का रोड मैप तैयार करना है। समिति जिले की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शासकीय योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए सुझाव पर विचार करने, स्थानीय प्रयासों से प्रचलित नवाचारों को योजना के रूप में मूर्त रूप देना, जिले में रोजगार सृजन और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्यों के संबंध में सुझाव देना और उद्योग, व्यापार, जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात, कृषि, खनिज पर्यावरण आदि क्षेत्रों में जिले की कार्य योजना के लिए सुझाव देने का कार्य करेगी।

बैठक में विधायक राजकुमार कर्राहे, मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, विवेक विक्की पटेल, कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भगवती सैय्याम, श्रीमती सरिता धुर्वे, कल्याण सिंह राणा, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, श्री रमेश भटेरे, डॉ. बीएम शरणागत, पत्रकार एवं समाजसेवी सोहन वैद्य, प्रगतिशील कृषक विशाल कटरे, राजेंद्र देशमुख, कटंगी के गुरुदयाल तामेश्वर, शिक्षाविद श्रीमती लता एलकर, व्यापार क्षेत्र से सत्यनारायण अग्रवाल, विधि क्षेत्र से संजय अग्निहोत्री, श्री कैलाश चोरडिया, डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे, समाजसेवी अजय सोनी, समिति के अन्य सदस्य एवं सभी विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में बालाघाट जिले की जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह इस समिति के उपाध्यक्ष बनाये गये हैं। इस समिति में सांसद, विधायक सहित विभिन्न क्षेत्रों के 20 प्रतिनिधि शामिल किये गये हैं जिनमें उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाजसेवा, चिकित्सा, विधि आदि क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

# आदिवासी समाज के चंद परिवारों और सकल समाज के बीच चल रहा द्वंद

## ग्रामीणों ने थाने और एसडीएम कार्यालय में की शिकायत

पद्मेश न्यूज। कटंगी। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत वरूड़ में आदिवासी समाज के चंद परिवारों के सदस्यों और सकल समाज के ग्रामीणों के बीच करीब 06 माह से लगातार द्वंद की स्थिति बनी हुई है। बीते दिनों गांव में मेले के आयोजन के बाद से यह द्वंद और अधिक बढ़ गया है। दरअसल, मेला आयोजन समिति ने गांव में मेले की व्यवस्था और आयोजन को लेकर चंदा वसूली की। जिसमें आदिवासी समाज के परिवारों के द्वारा सहयोग नहीं किया गया और गांव के स्वजातीयजनों को भी सहयोग ना करने के लिए प्रेरित किया गया। जिन आदिवासी परिवारों ने मेले के आयोजन में आर्थिक सहयोग प्रदान किया ऐसे स्वजातीयजनों को कथित तौर पर समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है। वहीं गांव के रोहित पटेल को रूढ़ी प्रथा के तहत आदिवासी समाज द्वारा नोटिस जारी किए जाने से तनाव की स्थिति और अधिक बढ़ गई है। गांव के सकल समाज का यह आरोप है कि आदिवासी समाज के चंद परिवार के कुछ सदस्य लगातार गांव का सामाजिक माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे है। इन लोगों की हरकत से तंग होकर शुक्रवार की दोपहर 03 बजे सकल समाज ने कटंगी थाने और एसडीएम कार्यालय पहुंचकर राजेश मड़ावी, अजय मड़ावी, महेश भलावी और फुलचंद भलावी की शिकायत की है। इन पर गांव का माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

दरअसल, वरूड़ में आदिवासी समाज के चंद लोगों और सकल समाज के बीच द्वंद की एक बड़ी वजह रूढ़ि प्रथा पटेल सरकार है। जिसके तहत आदिवासी समाज के लोग ग्रामीणों को नोटिस थमा रहे है और सरकारी भूमि या निजी भूमि पर निर्माण से पहले आदिवासी समाज से अनुमति लेने की बात कहते है। जानकार बताते है कि संविधान के अनुच्छेद 13-3-क के तहत भारत के अनुसूचित क्षेत्र में विधि का बल रखने वाली रूढ़ी प्रथा है। यह कटंगी में लागू नहीं है बावजूद इसके रुढ़ी प्रथा के नाम पर ग्रामीणों को नोटिस थमाया जाना अनुचित है। बता दें कि आदिवासी समाज के लोग पुरखौती स्वशासन व्यवस्था का हवाला देते हुए ग्रामीणों को नोटिस थमा रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि आदिवासी समुदाय के चंद लोग ग्रामीणों को इस तरह से भड़का रहे है कि कि ग्राम पंचायत द्वारा जो भी टैक्स लगाये जाते है ऐसे टैक्स का भुगतान नहीं करना है गांव में जितने भी शासकीय भवन है। वह आदिवासी समुदाय के अधीन होंगे।

शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने बताया कि राजेश मड़ावी, अजय मड़ावी, महेश भलावी और फुलचंद भलावी गांव में कहते है कि हम संविधान और सनातन धर्म को नहीं मानते। वह लोग गांव के भोले-भाले गोवारी समाज के लोगों को भी भड़काने का काम कर रहे है। वह कृषि कार्य के लिए पूर्वजों के जमाने से चली आ रही रास्ता को रोका जा रहा है। जिस कारण कृषि कार्य करने में बाधाएं उत्पन्न होती है। ग्रामीणों की माने तो आदिवासी समुदाय के लोग एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत फंसा देने की भी धमकी देते है। छन्नूलालङ्क परते ने बताया कि गांव के स्वजातीय जनों ने उनका और उनके जैसे ही चार परिवारों का सामाजिक बहिष्कार कर रखा है। उन्हें सामाजिक आयोजनों में भी नहीं बुलाया जाता।

# अधिकारियों ने मांग पूरी करने मांगा सप्ताह भर का वक्त

## मप्र आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन की समीक्षा बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से मप्र आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन से जुड़ी महिलाए बेहद नाराज है। संगठन के बैनर तले, जिला स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आशा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की बीच समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस समीक्षा बैठक में संगठन से जुड़ी पदाधिकारी ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को बताते हुए, उनसे अतिरिक्त कार्य न कराए जाने की मांग की, वही अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त भुगतान दिए जाने की भी गुहार लगाई है।उधर आयोजित समीक्षा बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विभागीय व स्थानीय स्तर की विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने का आश्वासन भी दिया है। जहां समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा स्थानीय इन मांगों को पूरा करने के लिए 7 दिनों तक का समय मांगा है, तो वही संगठन द्वारा समय सीमा के भीतर मांगे पूरी न होने पर संगठन के बैनर तले पुनः ज्ञापन सौपकर स्मरण कराए जाने की भी बात कही है।

### इन बिंदुओं पर की गई समीक्षा

आशा एवं सुपरवाइजर को प्रशिक्षण का पैसा दिए जाने, प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र जारी करने ,आशा एवं सुपरवाइजर को हर माह 7 तारीख तक मानदेय का भुगतान करने ,गणवेश की राशि प्रतिवर्ष समय पर दिए जाने, हर माह हर ब्लॉक में मीटिंग लेने, टीकाकरण की संपूर्ण राशि दी जाने, आयुष्मान कार्ड बनाने का अलग से भुगतान करने, आशा और सुपरवाइजर को मोबाइल देने, आशा कार्यकर्ता के लिए रात में ठहरने के लिए कक्ष देने, एचबीएनसी और एचबियायसी फिट प्रदान करने, बीएलओ के साथ ड्यूटी न लगाने, टीवी केस का भुगतान करने, गर्भवती के मायके चले जाने पर भी प्रेरक से डिलीवरी करने स्थाई नसबंदी में भी उसी प्रेरक को प्राथमिकता देने, भुगतान की लिस्ट प्रति माह कार्यालय में टँगाकर रखने, आशा और सुपरवाइजर की ट्रेनिंग की व्यवस्था सुधारी जाने और बीमे की राशि का भुगतान करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।आशा संगठन द्वारा बताया गया कि सभी बिंदुओं पर प्रशासनिक सहमति बनी है, जिसे 7 दिनों में पूरा किए जाने का आश्वासन मिला है।

तो पुनः ज्ञापन के माध्यम से स्मरण कराया जाएगा- अनीता

मप्र आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन जिला अध्यक्ष अनीता जमुनपाने ने बताया कि हमे पिछले 3 वर्षों से आयुष्मान कार्ड का कोई पैसा नहीं मिला,अब बीएलओ के काम में सर्वे के लिए परेशान किया जाता है।जबकि आशाओं की नियुक्ति सिर्फ 49 प्रकार के काम के लिए हुई है।आयुष्मान कार्ड और बीएलओ का काम अलग से दिया जा रहा है।दबाव देकर आशाओं को सर्वे कराया जा रहा है।उसका भुगतान भी नही मिल रहा है।आशाओं के लिए मां बच्चा की सेवा ज्यादा ज़रूरी है,एक मां को या बच्चे को कुछ भी घटना घटती है तों कौन जिम्मेदार होंगा। बच्चे के जन्म के बाद एक मां बच्चे की सेवा 42 दिन देना अति आवश्यक है मां का तापमान देखना बच्चे का वजन करना पडता है ।क्योंकि प्रसव के बाद मां और एक बच्चे की सेवा पांच वर्ष देना पड़ता है। उसके बाद भी हमसे अतिरिक्त काम कराए जा रहे हैं, इसीलिए आज समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें इन सभी मुद्दों पर चर्चा हुई है। उन्होंने आगे बताया कि इसके पूर्व भी इन मांगों को लेकर कई बार ज्ञापन सौपकर आवेदन निवेदन किया गया है। आज भी इन्ही मांगों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी बिंदुओं पर चर्चा कर स्थानीय सभी मांगों को पूरा करने का हमें आश्वासन मिला है। अधिकारियों ने 7 दिनों के भीतर मांगे पूरी करने की बात कही है। यदि ऐसा नहीं होता तो पुनः ज्ञापन देकर स्मरण कराया जाएगा।

# नवम्बर के पहले सप्ताह से पड़ रही कंपाने वाली ठंड, अलाव का प्रबंध नहीं!!

## अलाव की राह तक रहे यात्री, सहित अन्य नागरिक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में ठंड का प्रकोप शुरू हो गया है जिसके साथ बालाघाट में भी ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। जहा माह के शुरुआती पहले सप्ताह 7 नवंबर से आसमान में छाए काले बादल कम होने के साथ-साथ ठंड बढ़ती जा रही है। वहीं रोजाना शाम से ही शीतलहर दस्तक दे रही है। मौसम विभाग से मिल रही जानकारी के अनुसार ठंड का यह रूप जनवरी माह के अंत तक दिखाई देगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान 12 से 15 डिग्री और अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक बने रहने की संभावना है।वही आमागी दो से तीन दिनों में ठंड के तेवर तेजी से बदले हुए दिखाई देने लगेंगे, इस दौरान दिन और रात में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है। बालाघाट जिले के भीतर सबसे अधिक ठंड का प्रकोप वनांचल क्षेत्र परसवाड़ा, बैहर, बिरसा और लांजी में दिखाई दे रहा है। उधर मौसम वैज्ञानिकों से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2014-15 के बाद इतनी अधिक ठंड बालाघाट में दोबारा पड़ने जा रही है। इस दौरान सबसे कम तापमान कान्हा राष्ट्रीय पार्क में दर्ज किया गया था। देखना अब यह है जिले के भीतर आगामी कुछ दिनों में ठंड का सितम किस तरह से अपने तेवर दिखाता है।

ठंड से बचने नपा ने नही की कोई व्यवस्था

उत्तर भारत में लगातार हो रही बर्फबारी व पहाड़ी क्षेत्रो से आ रही शीत लहर का सीधा असर प्रदेश के मानसून पर पड़ रहा है और पिछले 15 दिनों से जिला मुख्यालय सहित तहसील व अन्य ग्रामीण अंचलों में कप-कपा देने वाली ठंड महसूस की जा रही है। जिससे निजात पाने के लिए लोग गर्म कपड़े का सहारा ले रहे हैं। उधर बाहर गांव और अन्य राज्यों से बालाघाट पहुंचने वाले यात्री, ऑटो चालक, बस चालक ,परिचालक सहित अन्य नागरिक नपा द्वारा जलाए जाने वाले अलावे की राह तक रहे हैं। लेकिन नपा ने अब तक नगर के विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने के कोई इंतजाम नहीं किए हैं जिसके चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पहले इन जगहों पर की जाती थी अलाव की व्यवस्था

ठंड के शुरुआती दौर को देखते हुए नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शहर के सार्वजनिक चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की जाती थी ।जहां नपा द्वारा हर साल ठंड के सीजन में बस स्टैंड ,शासकीय चिकित्सालय, महावीर चौक ,सुभाष चौक, हनुमान चौक, दुर्गा मंदिर, रेलवे स्टेशन परिसर सहित अन्य जगहों में लकड़ियों का वितरण कर अलाव जलाने के इंतेजाम किए जाते थे। लेकिन इस वर्ष नवंबर का आधे से अधिक माह बीत जाने के बाद भी नपा द्वारा इन स्थानों पर अलाव जलाने के इंतेजाम नही किए गए है। जिसको लेकर स्थानीय लोगों में नाराजी भी देखी जा रही है

### कचरा पन्नी, जलाकर लोग पा रहे राहत

बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है ।जिससे निजात पाने के लिए लोग दुकान का कचरा ,पन्नी आदि जलाकर ठंड भगाने का काम कर रहे हैं ।जब स्थानीय लोग कचरा जलाते हैं तब अन्य लोग भी आकर ठंड से बचने का प्रयास करते हैं ।बताया गया कि हर साल नगर पालिका द्वारा नवंबर माह के शुरू में ही अलाव की व्यवस्था कर, रात्रि के समय यात्रियों, बस चालकों, परिचालकों, ऑटो चालकों और अन्य मुसाफिरों को ठंड से राहत पहुंचाने का काम करती थी, लेकिन इस वर्ष ठंड आए 15 दिन बीत चुके है बावजूद इसके भी अब तक अलाव जलाने के कोई इंतजाम नगर पालिका द्वारा नहीं किए गए।

### दिन रात पड़ रही कड़ाके की ठंड

स्थानीय लोगो ने बताया कि वर्तमान में कड़ाके की ठंड पड़ रही है लेकिन अभी तक नगर पालिका ने अलाव के इंतजाम नहीं किए हैं। वर्तमान समय में मंडई, मेले का सीजन चल रहा है ,यात्री लोगों का देर रात तक बस स्टैण्ड आना जाना लगा रहता है। वही रैन बसेरा बस स्टैंड से काफी दूर है। जिसके चलते मुसाफिर लोगों को परेशानी होती है ।हमारी मांग है कि नगर पालिका ने हर चौक चौराहों पर लकड़ी गिरा कर अलाव का इंतजाम करना चाहिए लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो सका है ।

### खुद लकड़ी लाकर आग जलाना पड़ रहा है- शेख राजिक

बस स्टैंड ऑटो चालक शेख राजिक ने बताया कि इस वर्ष नपा द्वारा ठंड में लकड़ी नहीं दी गई है और अगर देते भी तो जहां जरूरत नहीं रहती वहां पर अलाव के लिए लकड़ी गिराई जाती है ।जबकि ऑटो स्टैंड के लिए आज तक जलाऊ लकड़ी नहीं दी गई है। पहले शहर में जगह-जगह लकड़ी रखी जाती थी ताकि लोग उसे जलाकर हाथ सेक सके। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा है, हम लोग खुद इधर-उधर से कचरा पन्नी बीनकर उसे जलाते हैं, वहीं अलाव के लिए लकड़ियां भी हमने खुद लाई है ताकि स्वयं के साथ साथ यात्रियों को भी राहत मिल सके। नगर पालिका ने इस और ध्यान देना चाहिए, जगह-जगह जलाऊ लकड़ी गिरकर अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए।

# जल जीवन मिशन ने टिंगाटोला गाँव को दी नई पहचान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार ने वर्ष 2019 में जब जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी, तब लक्ष्य था—देश के हर ग्रामीण घर तक पाईपलाइन के माध्यम से स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल पहुँचाना। 'हर घर जल' का यह संकल्प अब कई गाँवों की किस्मत बदल रहा है। सतपुड़ा की सुंदर वादियों से घिरा बालाघाट जिले का टिंगाटोला गाँव भी उसी बदली हुई तस्वीर का उज्ज्वल उदाहरण बन चुका है।

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण, अब जल सुविधा से समृद्ध

सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसा बालाघाट जिला प्राकृतिक दृष्टि से समृद्ध है। यहां वनों का विस्तृत क्षेत्र है और अनेक जनजातियाँ एवं जातियाँ एक साथ निवास करती हैं। जिले के अधिकतर ग्रामीण अंचलों में वर्षों से पेयजल की समस्या बनी रही है, परंतु जल जीवन मिशन के तहत किए गए प्रयासों से अब कुछ गाँवों में स्थिति उल्लेखनीय रूप से बदल रही है। जिले के विकासखण्ड बिरसा का ग्राम टिंगाटोला इस बदलाव का सबसे सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है।

### कभी थी जल संकट की गंभीर स्थिति

बिरसा विकासखंड का छोटा-सा ग्राम टिंगाटोला पहले अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता था, पर पेयजल की समस्या इस खूबसूरती पर भारी पड़ती थी। दूर-दूर तक जंगल, पहाड़ और जनजातीय जीवन—लेकिन घरों में पानी की एक-एक बूंद लाना कभी आसान नहीं था। ग्राम टिंगाटोला के निवासियों के लिए पहले पेयजल की व्यवस्था करना किसी चुनौती से कम नहीं था। महिलाओं को सिर पर मटके रखकर दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था। महिलाओं का कीमती समय पानी भरने में चला जाता था। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं के घरेलू कामकाज और मजदूरी जैसे कार्यों में पानी की कमी के कारण रुकावट आती थी।

### मिशन से बदली तस्वीर

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम टिंगाटोला में 'एकल नलजल योजना' को लागू किया गया, इस योजना के अंतर्गत ग्राम में 118 नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे 702 की आबादी वाले इस गाँव में हर घर में नल से जल पहुँच रहा है।

# ऋषभ की कप्तानी में दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

गुवाहाटी। भारतीय टीम शनिवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इसमें 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम अगर ये मैच भी हारती है तो दो मैचों की ये सीरीज उसके हाथों से निकल जाएगी। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न होने से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। ऋषभ के कप्तानी कौशल की इस मैच में परीक्षा होगी। शुभमन के बार होने से इस मैच में उनकी जगह साई सुदर्शन को शामिल किया जा सकता है। वहीं अक्षर पटेल की जगह पर नीतिश रेड्डी को अवसर मिल सकता है। पहले मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी ये मैच अहम होगा क्योंकि उनके कोच बनने के बाद से ही भारतीय टीम अपनी धरती पर अधिकतर टेस्ट हारी है। इससे पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अपराजेय रहने की छवि को धक्का लगा है। पिछले साल भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं इस बार दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर उसके लिए पहेली बने हुए हैं। भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों से निपटने की तकनीक कमजोर नजर आ रही है। इससे भी बल्लेबाजों का मनोबल गिरा है और वे बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं।

इन कठिन हालातों में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने जा रहे ऋषभ की राह आसान नहीं है। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी और टीम की बल्लेबाजी ही इसको परिणाम तय करेगी।

शुभमन की जगह के लिए सुदर्शन सबसे प्रबल दावेदार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। लाल गेंद की क्रिकेट में कप्तानी में अनुभव की बात करें तो ऋषभ ने साल 2017 में दिल्ली की टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था पर कोलकाता में शुभमन के मैदान के बाहर जाने के बाद जिस प्रकार से उन्होंने फैसले लिए थे। उनको लेकर कई सवाल भी उठे हैं।

कोलकाता में तीसरे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को उन्होंने गेंदबाजी नहीं दी थी जिससे भी भारत को नुकसान हुआ था। भारतीय टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर उन्हें शिकार बना सकते हैं। ये तभी हो सकता है जब बीसीसीआई के क्यूरेटर तापोश चटर्जी और आशीष भौमिक गुरुवार को ट्रैक पर नजर आ रही घास को हटा दें। वहीं भारतीय टीम प्रबंधन पिच को लेकर पहले टेस्ट वाली गलती नहीं दोहराना चाहेगा।

अक्षर या कुलदीप यादव की जगह पर इस मैच में नीतिश रेड्डी को जगह मिल सकती है। ऐसे में तीसरा तेज गेंदबाज होने से भारतीय टीम को नमी का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है। अगर उनकी गेंदबाजी की जरूरत न हो तब भी दाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण वह विकेट पर उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इस मैच में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाना चाहेगी। बावुमा अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा टीम के पास एडेन मार्करम, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर,मार्को जानसन और केशव महाराज जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज कासिगो रबाडा के फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को इस मैच में शामिल किया जा सकता है।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -**

**भारत** - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

**दक्षिण अफ्रीका** - तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, ज़ुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन

# एशेज में पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा, कुल 19 विकेट गिरे

## इंग्लैंड पहली पारी 172, ऑस्ट्रेलिया 123/9

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज क्रिकेट सीरीज के का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा और एक ही दिन में कुल 19 विकेट गिरे। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाज से ऑस्ट्रेलिया ने यहां शुक्रवार से शुरु हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को पहली पारी में 172 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टार्क ने 7 विकेट लेकर इंग्लैंड टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 123 रन बनाए हैं। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समया नाथन लियोन 3 और ब्रैंडन डॉगेट 0 पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

दूसरा विकेट मार्नस लाबुशेन (9) का गिरा। आर्चर ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ भी 17 रन बनाकर आउट हो गये। ब्रायडन कार्स ने उन्हें हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 2 रन पर पेवेलियन लौटै।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। इंग्लैंड की टीम ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली का विकेट खो दिया। उस समय तक इंग्लैंड का एक भी रन नहीं था। इसके बाद ओली पोप ने बेन डकेट के साथ मिलकर 34 गेंदों में 33 रन बनाये पर डकेट 20 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद स्टार बल्लेबाज जो रूट भी खाता खोले बिना ही स्टार्क का शिकार बने।

टीम ने 39 रनों पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे ये सभी विकेट स्टार्क ने अपने नाम किए थे। इसके बाद ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की साझेदारी की। ओली पोप 58 गेंदों में 4 चौकों के साथ 46 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड की टीम ने लंच तक 105 रनों पर ही चार विकेट खो दिये।

इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने हैरी ब्रूक के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन बनाये, वहीं स्टोक्स के आउट होने के बाद जैमी स्मिथ ने ब्रूक के साथ मिलकर 30 गेंदों में 45 रन बनाये। ब्रूक ने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 33 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट लिए। स्टार्क की गेंदबाजी के साथ अंग्रेज बल्लेबाज बेबस दिखे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि स्टार्क के चार ओवरों में एक भी रन नहीं बना। जबकि अपना पहला ही मैच खेल रहे ब्रेंडन डोगेट ने दो विकेट लिए। वहीं एक विकेट इस मैच से वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को मिला।

# स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बांए हाथ के पहले गेंदबाज बने

पर्थ । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हुई एशेज टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में सात विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के पहले गेंदबाज बन गये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती स्पेल में ही स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट और जो रूट को पेवेलियन भेज दिया। स्टाक ने क्रॉली को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डकेट का भी विकेट लिया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज रूट भी उनसे बच नहीं पाये और अपना खाता भी नहीं खोल सके। रुट स्टार्क की गेंद पर मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच हुए। इसी के साथ ही स्टार्क

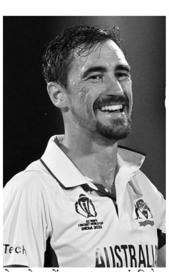


ने एशेज में अपना 100वां विकेट लिया। वह ऐसा करने वाले 21वें गेंदबाज रहे हैं।

पहले सत्र में ही स्टार्क ने 8 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट ले लिए। उनका 45.03 का स्ट्राइक रेट उन्हें सबसे बेहतर गेंदबाज़ बनाता है। साल 2013 में एशेज में डेब्यू के बाद से ही स्टार्क ने 23 टेस्ट में 26.77 के औसत से विकेट लिए हैं। एशेज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पहले नंबर पर हैं। वॉर्न के नाम 195 विकेट हैं। वहीं ग्लेन मैक्ग्रा के 157 वह स्टुअर्ट ब्रॉड के 153 विकेट हैं। एशेज में 100 विकेट लेने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने हैं। पैट कमिंस और चोटिल जोश हेजलवुड के बाहर होने से गेंदबाजी की कमान संभाल रहे स्टार्क ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क के पास इस मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। अकरम ने, अब तक सबसे ज्यादा 414 टेस्ट विकेट लिए हैं।

# विश्वकप के बाद हरमनप्रीत की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी - रिपोर्ट

नई दिल्ली। महिला विश्वकप जीतने के बाद से ही भारतीय टीम की क्रिकेटरों पर पैसे बरस रहे हैं। खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू पहले से कई गुना बढ़ गयी है और कई कंपनियों विज्ञापन के लिए कतार में हैं। अलग-अलग ब्रांड इन महिला क्रिकेटरों से जुड़ना चाहते हैं। इसी कारण कप्तान हरमनप्रीत कौर के पास भी कई कंपनियों विज्ञापन के लिए पहुंच रही हैं। हरमनप्रीत ने विश्वकप में जबरदस्त प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हरमनप्रीत विश्व कप से पहले जहां आठ से ज़्यादा ब्रांड से जुड़ी थीं। वहीं अब उनके पास कई बड़ी कंपनियां विज्ञापन के लिए पहुंची हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हरमनप्रीत के पोर्टफोलियो में अब काफी नये ब्रांड जुड़ गये हैं और उन्हें पहले से तीन गुना अधिक राशि मिल रही है। यहां तक कि गैर-

खेल पारंपरिक क्षेत्र के ब्रांड भी उनसे संपर्क कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ना चाहते हैं।'

साल 2017 का फाइनल भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। इस खिताबी जीत ने खेल की लोकप्रियता के साथ ही ब्रांड की रुचि को भी बढ़ा दिया है। विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट में रुचि और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां महिला खिलाड़ियों को कुछ सीमित ब्रांड ही लेते थे पर अब ऐसा नहीं है।' स्थिति बदल रही है और ब्रांड महिला क्रिकेटरों को मजबूत, सक्षम और निपुण खिलाड़ियों के रूप में प्रदर्शित करने के महत्व को समझ रहे हैं। इससे महिला एथलीटों को लेकर अब तक जो धारणा थी वह भी बदल रही है।

# स्मृति मंधाना को सिंगर पलाश ने किया प्रपोज, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी

नवी मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इसी माह 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। इससे पहले मंधाना को उनके मंगेतर व सिंगर पलाश मुच्छल ने डी वाय पाटिल स्टेडियम में प्रपोज़ किया। यह वही स्टेडियम है जिसमें भारतीय महिला टीम ने विश्वकप खिताब जीता था। पलाश द्वारा साझा किये वीडियो में वह स्मृति को पिच के बीच में ले जाते हुए और उन्हें अंगूठी पहनाते दिख रहे हैं। पलाश ने ये वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'उसने हां कह दिया।' इस वीडियो की शुरुआत में पलाश, स्मृति को स्टेडियम के बीच में ले जाते हैं। इस दौरान स्मृति की आंखों में पट्टी बंधी थी। वहीं जब वह आखिरकार आंखों से पट्टी हटाती है तो वह देखती है कि पलाश घुटनों पर बैठकर उसे प्रपोज़ कर रहा है। खुश और भावुक होकर स्मृति इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है। इसके कुछ ही देर बाद स्मृति और पलाश दोनों के दोस्त इस खास अवसर पर जश्न मनाने के लिए पिच के बीच में दौड़ते हैं। इस दौरान पलाश की बहन और सिंगर पलक मुच्छल भी उपस्थित थी।

स्मृति और पलाश रविवार, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

इस जोड़े को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक

बधाई पत्र भेजकर शुभकामनाएं दीं हैं। वहीं स्मृति ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को एक मज़ेदार रील के ज़रिए यह खबर दी, जिसमें उनकी विश्व कप जीतने वाली टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव सहित कई अन्य लोग भी थे। स्मृति साझा किए गए वीडियो में अपनी सगाई की अंगूठी दिखाती दिखीं।

## हेजलवुड ने बताया तीनों प्रारुपों में खेलने का तरीका

सिडनी। आजकल जहां अधिक क्रिकेट होने के कारण कहा जा रहा है कि तीनों ही प्रारुपों में खेलना मानसिक और शारीरिक रुप से खिलाड़ियों को थका रहा है। वहीं अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि सही योजना और रणनीति बनाकर खेला जाये तो तीनों ही प्रारुपों से समन्वय बनाया जा रहा है। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज़ों में से एक हैं और पैट कमिंस के साथ लगातार सभी फॉर्मेट खेले हैं पर इस बार फिट नहीं होने के कारण वह एशेज सीरीज के पहले टेस्ट से बाहर हैं। हेजलवुड ने कहा, मुझे लगता है कि सभी फॉर्मेट में खेलना काफी हद तक संभव है। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अब बेहतर हो रहा है। इसमें लगातार नहीं खेलना पड़ रहा है। इसमें पांच मैचों की सीरीज में किसी खिलाड़ी को तीन मैच खेलने का विकल्प मिलता है। वहीं मैचों के बीच में घर जाकर खिलाड़ी तरोताजा हो जाता है। एक उन्होंने कहा, ...बस, एक हफ़्ते के लिए घर जाओ और उस समय का ज्यादा से ज्यादा आराम के लिए इस्तेमाल करो और तरोताजा होकर खेलना शुरु करें। हेजलवुड और कमिंस चोटों की वजह से पर्थ में पहला एशेज टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

# दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी कोच को गुवाहाटी में पिच के अच्छे होने की उम्मीद

गुवाहाटी। भारतीय टीम के खिलाफ शनिवार से यहां शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को उम्मीद है कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी हालांकि उनका कहना है कि पिच में घास रहती है या नहीं इससे भी अंतर आयेगा। दक्षिण अफ्रीकी टीम कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में जीत के साथ ही अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। कोच ने कहा, 'हमने सुना है कि ये विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है हालांकि यहां स्पिनरों को भी सहायता मिलेगी। ये भी हो सकता है कि पहले टेस्ट की तरह ही पिच पहले स्पिन होने लग जाये।

बोथा के अनुसार भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, 'मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, इसलिए तापमान कम होने से इसमें नमी होगी। साथ ही कहा कि पहले घंटे में नई गेंद अंतर पैदा करेगी। बोथा ने कहा, 'अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प रहता है पर अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अगर गेंद पहले दिन से ही टर्न होने लगे तो पहले बल्लेबाजी करने से भी कोई लाभ नहीं होता क्योंकि मैच कम स्कोर वाला मैच बन जाता है और पहले या बाद में बल्लेबाजी से फर्क नहीं पड़ता है।

बोथा ने कहा, 'लेकिन अगर पिच पहले दो दिन ठीक-ठाक खेलने वाली है तो आप जाहिर है कि पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे जिससे कि बाद में हालातों का लाभ उठा सकें। बोथा के अनुसार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा दूसरे मैच में शायद ही खेल पायें।

# शुभमन अचानक ही मुम्बई पहुंचे, विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे

गुवाहटी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले अचानक ही मुम्बई पहुंच गये। यहां वह प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। पारदीवाला खेल के दौरान लगी चोटों की सर्जरी में विशेषज्ञ हैं। शुभमन मुम्बई रवाना होने के साथ ही दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं। शुभमन को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में जकड़न आ गयी थी। इसी कारण उन्हें अस्पताल में भी भर्ती किया गया था। माना जा रहा है कि वह भी इस चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह कोलकाता में दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने कहा था कि शुभमन टीम के साथ गुवाहटी जाएंगे पर उनके खेलने पर फैसला उनकी चोट को देखते हुए ही होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को गुवाहाटी टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है और

वह इसी के बाद ही मुंबई के लिए रवाना हो गये। इस कारण वह गुरुवार को अभ्यास के लिए भी नहीं पहुंचे थे। ये भी कहा गया है कि वह अगले दो-तीन दिन मुंबई में आराम करेंगे और फिर विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। अभी तक, उन्हें बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजे जाने की कोई योजना नहीं है। शुभमन के बाहर होने से ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालेंगे। पहले टेस्ट मैच में भी शुभमन के चोटिल होने के बाद उन्होंने कप्तानी की थी पर वह टीम को हार से नहीं बचा पाये थे। शुभमन के गुवाहटी टेस्ट से बाहर होने के बाद अंतिम ग्यारह में उनकी जगह पर साई सुदर्शन को अवसर मिल सकता है।

# भारतीय खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण सहित 20 पदक जीते

ग्रेटर नोएडा । संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भारतीय खिलाड़ियों के विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन की तारीफ की है। भारतीय खिलाड़ियों ने इन खेलों में 9 स्वर्ण पदकों के साथ ही कुल 20 पदक जीते हैं। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक बड़ी सफलता। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में हमारे एथलीट्स ने 9 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य सहित 20 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। यह शानदार प्रदर्शन उस हिम्मत, अनुशासन और

जीत की भावना को दिखाता है, जो आज हमारी खेल संस्कृति का हिस्सा है। साथ ही कहा कि हमें हर उस मुक्केबाज पर गर्व है, जिनके सफर और इरादे ने भारत को विश्व मंच पर सफलता दिलाई है। बहुत बढ़िया। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में भारत की 7 महिला मुक्केबाजों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। विश्व मुक्केबाजी में जैस्मीन लैम्बोरिया ने ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी को 4-1 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। वहीं निकहत जरीन ने चीनी ताइपे की गुओ यी जुआन को 5-0 से पराजित किया। परवीन ने जापान की अयाका तागुची को 3-2 से हराया। इनके अलावा मीनाक्षी, प्रीति, अरुंधति और नूपुर ने भी स्वर्ण पदक जीते हैं।

वहीं पुरुषों में सचिन और हितेश ने भारत को स्वर्ण पदक जिताए। सचिन ने 60 किलोग्राम में किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5-0 से हराया। हितेश ने 70 किलोग्राम में कजाकिस्तान के नूरबेक मुर्सल को 3-2 से हराया। इसके अलावा जदुमणि सिंह ने 50 किलोग्राम, पवन बर्तवाल ने 55 किलोग्राम, अभिनाश जामवाल ने 65 किलोग्राम, और अंकुश फंगल ने 80 किलोग्राम में छह रजत पदक जीते।

## शार्दुल ने रणजी कार्यकम की तारीफ की, बोले तरोताजा होने का भी समय मिल रहा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर आजकल घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा कार्यक्रम की भी सराहना की जो लगातार दूसरे सत्र में दो चरण में आयोजित किया जा रहा है जिससे खिलाड़ियों को आराम का भी अवसर मिल जाता है। उन्होंने पहले इस प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना की थी जिसमें मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतर होता था।

शार्दुल ने कहा कि घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से भी खिलाड़ी बेहतर अनुभव करते हैं क्योंकि उससे उनकी मानसिक थकान कम होती है और से तरोताजा अनुभव करते हैं। शारदुल ने कहा, 'लगातार दस मैच खेलना शरीर के लिए कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में वे लगातार सात या आठ प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं और फिर ब्रेक के बाद खेलते हैं। वे बीच में कुछ सीमित ओवरों के मैच भी रखते हैं जिससे कि सभी मानसिक रूप से तरोताजा रहें।

शारदुल ने कहा, 'अगर आप तीन महीने तक केवल एक ही प्रारूप खेलते हैं और फिर अचानक सीमित ओवरों का क्रिकेट तो फिर लाल गेंद के क्रिकेट में लय बनाना कठिन होता है। इसलिए यह अच्छा है कि हम पांच मैच खेल रहे हैं और हमें थोड़ा ब्रेक मिल रहा है। फिर हम सीमित ओवरों का टूर्नामेंट खेलेंगे और फिर से लाल गेंद के क्रिकेट में उतरते हैं। इस तरह सभी में लय में बनी रहती है। वे दोनों प्रारूप के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहते हैं। आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियन्स से जुड़ने को लेकर इस क्रिकेटर ने कहा कि हर कोई घरेलू मैदान और टीम से पर खेलना पसंद करता है।।

# सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर उमड़े समाजजन

## मंदिर में स्वर्ण कलशों से श्री जी का जलाभिषेक किया

पद्मेश न्यूज़। लामता। सिद्ध चक्र महामंडल विधान के समापन की बेला में विश्व शांति एवं कल्याण के पावन भावना के साथ महायज्ञ कर विशाल रथ यात्रा निकाली गई सात दिनों तक सिद्धों की आराधना पूजा भक्ति के पश्चात अंतिम दिन महायज्ञ एवं रथ यात्रा के पावन अवसर पर जैन मंदिर में उल्लास पूर्ण भक्ति में जैसा वातावरण था, श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के विधानाचार्य अंकित भैया जी भिलाई ने निरंतर सात दिनों तक सिद्धों की आराधना पूजा भक्ति के पश्चात अंतिम दिन महायज्ञ एवं रथ यात्रा के पावन अवसर पर जैन मंदिर में उल्लास पूर्ण भक्तिमय जैसा वातावरण था,विधान में सिद्धों की आराधना करने वाले समस्त इंद्र इंद्राणी,श्रावक श्राविकाएं अपने विशेष परिधान में हार मुकुट से सुसज्जित महायज्ञ के कुंदन के ईर्द गिर्द बैठकर मंत्रों के साथ विश्व शांति एवं कल्याण की भावना के सहित कुंडो में आहुति दे रहे थे।

### विशाल एवं भव्य रथ यात्रा ने किया नगर भ्रमण

महायज्ञ के बाद विधानाचार्य अंकित भैया के पावन सानिध्य में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, सर्वप्रथम श्री जिनेंद्र प्रभु की प्रतिमाओं को पालकी पर विराजमान किया गया , बैंड बाजा और घोड़ा बग्गी के साथ जैन मंदिर से रथ यात्रा

प्रारंभ होकर रेलवे स्टेशन रोड,से होते हुए विभिन्न चौराहे से भ्रमण करते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची,तीन लोक के नाथ के पालकी को युवा साथी अपने कंधों पर रख कर नगर भ्रमण कर रहे थे, शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्री जी की आरती एवं पूजन भव्य अगवानी की गई, बाहर से आए कलाकारों द्वारा सड़कों पर रंगबिरंगी रंगोली बनाई गई। जैन मंदिर में विधान आचार्य भाई अंकित भैया जी के निर्देशन में स्वर्ण कलश द्वारा श्री जी का जल अभिषेक किया गया, कलशों से निकली जलधारा जैसे ही जिनेंद्र प्रभु के सिर पर आई वैसे ही पूरा पंडाल करतल ध्वनि के साथ भगवान की जय जयकार करने लगा। महायज्ञ में पूर्व प्रातः कालीन बेला में श्री जी का जलाभिषेक,शांतिधारा एवं पूजन किया गया, महायज्ञ एवं रथ यात्रा के साथ ही सात दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन हुआ,समारोह के समापन पर विधान पुण्यार्जक परिवार सिंघई राकेश कुमार शुभम जैन ने बाहर से आए अतिथियों,भजन गायक एवं संगीतकार का बहुमान किया गया।

# हट्टा में जलवायु परिवर्तन एवं जैव विविधता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार सम्पन्न

पद्मेश न्यूज़। हट्टा। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय हट्टा में दिनांक 19 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। वेबिनार का प्रमुख विषय जलवायु परिवर्तन एवं जैव विविधता था, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने विषय की पृष्ठभूमि एवं इसकी वर्तमान वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालकर किया। उन्होंने बताया कि बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य में जैव विविधता संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। वेबिनार के प्रथम मुख्य वक्ता डॉ. तुलसीराम रहांगडाले ने जैव विविधता के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उदाहरणों एवं शोध-आधारित तथ्यों के साथ बताया कि जलवायु परिवर्तन न केवल पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर रहा है, बल्कि मानव जीवन, कृषि, औषधीय पौधों तथा पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर भी व्यापक प्रभाव डाल रहा है इसके पश्चात शासकीय आदर्श महाविद्यालय डिंडोरी के शिक्षक डॉ. प्रशांत तिवारी ने अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों तथा उन्हें कम करने के वैज्ञानिक उपायों पर अपने शोध निष्कर्ष साझा किए। द्वितीय मुख्य वक्ता डॉ. अजय कुमार ने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक एवं स्थानीय प्रभावों पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि तापमान वृद्धि, असंतुलित वर्षा, प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति एवं जैविक संपदा की हानि जैसी समस्याएँ तत्काल समाधान की मांग करती हैं इसके बाद डॉ. विनीत टांडिया ने अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करते हुए प्रसिद्ध मानवशास्त्री डॉ. वेरियर एल्विन के आदिवासी जीवन एवं प्रकृति संरक्षण संबंधी विचारों को आधुनिक जलवायु संकट से जोड़कर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों की प्रकृति-केन्द्रित जीवनशैली आज की पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम के संचालन व समन्वय में महाविद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार बिसेन, वर्तमान प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्रशेखर कटरे, तथा कार्यक्रम के संयोजक मीताराम लिल्हारे का विशेष योगदान रहा। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं स्टाफ ने वेबिनार को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस राष्ट्रीय वेबिनार में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वेबिनार को ज्ञानवर्धक, उपयोगी और समकालीन विषय की दृष्टि से अत्यंत सार्थक बताया। वेबिनार का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों, वक्ताओं एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

# बैहर एसडीएम श्री गुप्ता ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। बैहर एसडीएम एवं विधानसभा क्षेत्र बैहर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री अर्पित गुप्ता ने 21 नवम्बर को गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन में बाटम के 20 मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम बाहकल, मलाजखंड, माटे, साल्हेबाडा, बिठली, रेहंगी, मोहगांव, मानेगांव, पंडरापानी का भ्रमण कर 20 मतदान केन्द्रों के बीएलओ के कार्य का निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों को समय-सीमा में गणना पत्रक के डिजिटलाईजेशन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए । उन्होंने बीएलओ को सख्त निर्देश दिये कि एसआईआर का कार्य 04 दिसंबर तक शत प्रतिशत करना अनिवार्य है। यह कार्य पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करना है। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इसी प्रकार सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पूर्णिमा भगत ने ग्राम लिंगा का भ्रमण कर एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया।

# सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में मेधा योगा आर्ट ऑफ लिविंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। आज के दौर में बड़े ही नहीं अपितु बच्चे भी अपने स्तर के तनाव का सामना करते हैं। आत्मविश्वास की कमी और तनाव के ही कारण अक्सर परीक्षा परिणाम के बाद असफल बच्चों के द्वारा निराश, उदास होकर (आत्महत्या) जैसे गलत कदम उठाए जाते हैं। विद्यार्थियों में एकाग्रता बढ़ाने तथा अन्य परिस्थितियों से निपटने के लिए म.प्र.शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालयों ( सी.एम.राइज़ विद्यालय ) में पुज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के द्वारा विकसित एक कार्यक्रम जो किशोरों ( आयु वर्ग 12-18 ) के लिए बनाया गया है और इसमें प्राचीन योग, ध्यान और श्वास तकनीकें शामिल हैं को सिखाया जाता हैं ।

# उड़ीसा में बैहर के खिलाड़ियों ने दिखाया अपना हूनर

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। उड़ीसा राज्य में आयोजित चौथे ईएमआरएस राष्ट्रीय खेल में बालाघाट जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालाघाट का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्राचार्य श्री जेके मौर्य ने बताया कि इस आयोजन में देशभर के एकलव्य आदर्श रेजिडेंशियल स्कूलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया था। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, बॉलीबॉल, तीरंदाजी और अन्य खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

इस खेल प्रतियोगिता में ईएमआरएस बैहर से कुल 09 छात्रों ने हिस्सा लिया तथा पूर्ण समर्पण और मेहनत के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद उन्होंने उत्कृष्ट खेलभावना और अनुशासन का प्रदर्शन किया। इनकी भागीदारी ने स्कूल की खेल संस्कृति को और मजबूत बनाया और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का काम किया। ईएमआरएस बैहर के लिए सबसे गर्व का क्षण वह रहा जब टीम ने इस प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक हासिल किए। यह उपलब्धि आदिवासी छात्रों की बढ़ती क्षमताओं और ईएमआरएस संस्थानों द्वारा खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ईएमआरएस बैहर के छात्रों की भागीदारी और पदक जीतने की उपलब्धि भविष्य के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

# पंवार समाज ब्लॉक संगठन खैरलांजी का हुआ गठन

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। ब्लॉक खैरलांजी में पंवार समाज खैरलांजी के स्वजातीयजनों के द्वारा पंवार समाज की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के द्वारा की गई। बैठक में सर्वप्रथम मां गढ़कालिका,प्रभु श्री रामचंद्र एवं राजा भोज की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद ब्लॉक संगठन के गठन की विधिवत प्रस्तावना जिला महासचिव डॉ राजेंद्र एल कटरे के द्वारा रखी गई। उपस्थित समाजजनों के द्वारा सर्वसहमति से मोहगांवघाट रानी मोहगांव निवासी शैलेश पारधी को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही भंडारबोडी निवासी डॉ शिशुपाल बिसेन को उपाध्यक्ष, कौशल नाथ तुरकर को संरक्षक मनोनीत किया गया। उपस्थित समाजजनों के द्वारा सर्वसहमति से तय किया गया की पंद्रह दिवस के भीतर ब्लॉक की कार्यकारिणी का विस्तार करना है। इस अवसर पर जिला संगठन बालाघाट से जिलाध्यक्ष विशाल

बिसेन, महासचिव डॉ राजेंद्र एल कटरे, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र रहांगडाले, उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री बिसेन, उपाध्यक्ष लोकेश रहांगडाले,जिला संरक्षक कृष्ण कुमार भैरम, कृषि एवं गौसेवा प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष युगल किशोर भगत, संयुक्त सचिव प्रजल रहांगडाले, मीरगपुर सर्किल संगठन अध्यक्ष जयेश देशमुख ,सचिव राजेश चौधरी,उपाध्यक्ष दीपक देशमुख, सुखदेव रहांगडाले, लोकेश ठाकरे, अंकित ठाकरे, दुर्गेश पारधी, सुखदेव रहांगडाले,योगेश गौतम, रमेश भाऊ ठाकरे, रंजीत रहांगडाले, दामोदर रहांगडाले,नीतीश टेंभरे, संजय गौतम, रमेश पटले, बुधराम बिसेन, दयानंद बघेले ,लक्ष्मीकांत बघेले ,हेमेंद्र तुरकर, नीरज रहांगडाले,मनीष पाल,आशीष बिसेन,शैलेश पारधी, नितेश पटले,गांधी ठाकरे, बलिकराम रहांगडाले,सुशील तुरकर,गुरुदयाल बिसेन, राजेंद्र तुरकर ,मारुति रहांगडाले, सुरेंद्र बिसेन ,खिलेंद्र रहांगडाले, दरियाव ठाकरे ,भोलाराम रहांगडाले, देवनलाल जैतवार, शुशील बिसेन ,सुखलाल रहांगडाले, दुर्गा प्रसाद पटले ,श्रीमती विनीता पटले ,बालाजी रहांगडाले,गणेश ठाकरे ,महादेव पटले ,सुखलाल पटले ,दिनेश कुमार भगत, परसराम ठाकरे,संजय रहांगडाले मौजूद रहे।

# हॉकफोर्स निरीक्षक आशीष शर्मा के बलिदान को नगरवासियों ने किया नमन

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। नक्सल हिंसा उन्मूलन अभियान मिशन २०२६ को लेकर नक्सलियों के समूल खात्मे को लेकर ऑपरेशन में सुरक्षा बल जुटे हुये है। १९ नवंबर को मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र तीन राज्यों के संयुक्त ऑपरेशन में हॉकफोर्स निरीक्षक आशीष शर्मा को नक्सलियों की गोली लगी और घायल अवस्था में राजनांदगांव के अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने अंतिम सांसे लेकर वीरगति प्राप्त की। वहीं उनके गृहग्राम में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। वहीं २१ नवंबर २०२५ को वारासिवनी के नगरवासियों के तत्वाधान में शहीद आशीष शर्मा को नगर के जय स्तंभ चौक में भारत माता की प्रतिमा के समक्ष नक्सलियों का डटकर मुकाबला करते हुए प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद आशीष शर्मा की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन किया गया तथा मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

नगरवासी जावेद अली ने शहीद आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत माता की रक्षा के लिये आशीष शर्मा ने कम उम्र में अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। जीवन के शुरूआत करने की उम्र होती है उसमें सर्वस्व भारत माता के चरणों में न्यौछावर किया है। हम हमेशा उनकी शहादत को याद रखेंगे। हर घर में एक ऐसा सपूत हो ऐसे आचरण हो जो जहां कहीं भी हो अपने समाज, देश में ऐसा काम कर पाये कि देश में कभी कोई आंच ना आये भारत माता की सेवा करें। इस दौरान जावेद अली, वेदप्रकाश पटेल, प्रदीप शरणागत,प्रवीण रूसिया,प्रबल जायसवाल,अनीश बेग, राहुल अरोरा,सौरभ पटेल, अमन पटेल, मयुर पटेल, बिट्टू पारधी, सुशील शर्मा, जग्गी निराला, चिंटू जैन, राजेश कोलते, परमेंद्र हेडाऊ, शिवम शर्मा, दिव्यांश बिसेन, सत्यम शर्मा,कुलदीप डहरवाल, लक्ष्य बंसोड़कर , सुमित मिश्रा, अनीश मिश्रा, शुभम चौरसिया, रामसिंह धाकड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में आयी तेजी

## बैहर विधानसभा में सबसे अधिक 71 प्रतिशत डिजिटलाईजेशन पूर्ण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना द्वारा की जा रही नियमित समीक्षा से जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्त्र्क्त्र्2026) कार्य को गति मिल रही है और 21 नवंबर की शाम तक कुल 57 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन पूरा हो चुका है। जिले के कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 7 लाख 70 हजार 415 मतदाताओं के गणना पत्रक अब तक पोर्टल पर अपलोड किए जाकर डिजिटलाईज्ड किए जा चुके हैं।

जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में सबसे बेहतर प्रदर्शन बैहर विधानसभा का है, जहाँ 71 प्रतिशत डिजिटलाईजेशन पूरा कर लिया गया है। इसके बाद विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी में 61 प्रतिशत, लांजी में 54 प्रतिशत, परसवाड़ा में 53 प्रतिशत, कटंगी में 51 प्रतिशत और बालाघाट विधानसभा में 50 प्रतिशत गणना पत्रक डिजिटलाइज्ड हुए हैं। जिले के कुल 1,675 मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा यह कार्य लगातार किया जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र बैहर के 321 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 66 हजार 660, वारासिवनी के 237 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 26 हजार 50, लांजी के 294 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 35 हजार 650, परसवाड़ा के 298 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 21 हजार, कटंगी के 249 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 03 हजार 300 एवं विधानसभा क्षेत्र बालाघाट के 276 मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा 01 लाख 18 हजार मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन कर लिया गया है। यह कार्य 04 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से शत प्रतिशत पूर्ण करना है। अधिकारियों के निरीक्षण और बीएलओ टीम को प्रतिदिन लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देशों के बाद प्रक्रिया में और तेजी देखने को मिल रही है। निर्धारित समय सीमा में मतदाता सूची को अधिकतम शुद्ध और अद्यतन बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आगामी चुनावों में प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही रूप से सूची में दर्ज हो सके।

# एसआईआर की प्रक्रिया में नागरिकों से सहयोग के लिए कलेक्टर ने की अपील

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में 04 नवम्बर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस प्रक्रिया के दौरान जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं के घर-घर जाकर सम्पर्क करने लगे है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना ने जिले के सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में सहयोग करने तथा मतदाताओं का सत्यापन करने घर पहुँचने पर बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है।

कलेक्टर श्री मीना ने अपनी अपील में कहा है कि मतदाता सूची की अधिकतम शुद्धता सुनिश्चित करने प्रारंभ की गई एसआईआर की प्रक्रिया के तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक दिये जा रहे हैं। मतदाताओं को इन गणना पत्रक में वांछित जानकारी भरना होगा तथा भरे हुये गणना प्रपत्र 04 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से बीएलओ को वापस करना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी मीना ने मतदाताओं से अपने दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज की फोटो तथा 2003 की मतदाता सूची में स्वयं अथवा अपने पिता, दादा अथवा रिश्तेदार का नाम होने के संबंध में जानकारी फिर चाहे वे देश में कहीं के भी मतदाता हों राज्य, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र संख्या, भाग संख्या, सरल क्रमांक आदि और यदि वोटर आईडी कार्ड नंबर यदि उपलब्ध हो तो उसकी जानकारी रखने का आग्रह भी किया है। जिले में विवाह होकर आयी नई बहुओं से भी अपील की गई है कि वे 2003 की मतदाता सूची में शामिल अपने माता पिता या वंशज के नाम की जानकारी गणना पत्रक में अनिवार्य रूप से भरें। भले ही उनका नाम देश के किसी भी स्थान की मतदाता सूची में दर्ज हो। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर की प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराए गये गणना फॉर्म भरकर 04 दिसम्बर तक बीएलओ को वापस नहीं करने की स्थिति में सबंधित मतदाता का नाम 9 दिसम्बर को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल नहीं हो सकेगा और बाद में ऐसे मतदाताओं को दावा-आपत्ति की प्रक्रिया में दस्तावेज देने होंगे। कलेक्टर श्री मीना ने जिले के नागरिकों से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक एसआईआर के बारे में जानकारी पहुंचाने एवं उन्हें जागरूक करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अन्य मतदाताओं को भी दस्तावेज तैयार करने के लिए प्रेरित करें ताकि पूरी पारदर्शिता से जिले की त्रुटिरहित मतदाता सूचियां तैयार की जा सके। नागरिक एसआईआर के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ, संबंधित एस डी एम कार्यालय अथवा तहसील कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

# पुनः निर्विरोध जिलाध्यक्ष बने ईश्वर दयाल ऊके

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। उपनागरीय क्षेत्र बूढ़ी ढीमर टोला मे मप्र ढीमर मछुवा समाज संगठन की बैठक का आयोजन किया गया।आयोजित बैठक मे जिले भर से आये पदाधिकारियों के द्वारा लिए गए सर्वसम्मति से निर्णय के अनुसार ईश्वर दयाल ऊके को पुनः निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया है यहा नई कार्यकारिणी का गठन कर समाज को शिक्षा, राजनितिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र मे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।पुनः जिलाध्यक्ष बने ईश्वर दयाल ऊके, सचिव बेनीराम मेश्राम, व उपाध्यक्ष विजय कामड़े ने बताया की समाज के सामने आज भी अनेक चुनौतिया है जिसके लिए साझा प्रयास करके समाज को अग्रसर करने का प्रयास करेंगे जिले भर से आये मप्र ढीमर मछुवा समाज संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के द्वारा उन्हें पुनः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव चुना गया है ऐसे मे और भी ऊर्जा से वे सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करेंगे यहां पदाधिकारियों ने बताया की जीवन यापन करते है जिनके सामने बड़ा संघर्ष है, ऐसे मे शासन के द्वारा उनके समाज के साथ अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है,सामाजिक भवन, समाज के आर्थिक उत्थान के प्रयास जैसे

आर्थिक दृष्टिकोण से ढीमर, मछुवा समाज अंतिम छोर के लोग है बड़ी संख्या आभाव मे अनदेखी और उपेक्षा कर पिछले दो तीन वर्षो से बचत राहत राशि न देकर कई मायनो मे कई कार्य लंबित मांग है जिसे शासन प्रशासन ने अनदेखी किया है ऐसे मे समाज के अंदर रोष है, कई बार रैली प्रदर्शन,आंदोलन करके मांग की गई है लेकिन समाज को उनके हक अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है यदि उनकी मांग पूरी नहीं होती है तो वे आगे उग्र प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, बैठक मे ऐसे कई महत्वपूर्ण और जटिल विषयो पर चर्चा कर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ईश्वर दयाल ऊके, सचिव बेनीराम मेश्राम, उपाध्यक्ष विजय कामड़े, महेश मेश्राम,संरक्षक मांगरूलाल ढवरे,रामलाल मसराम, ईश्वर दयाल भवरे, जिला कोषाध्यक्ष सावन लाल मेश्राम, कोषाध्यक्ष भरत लाल धवरे, सहसचिव श्रीमती मीनाक्षी मड़ावी, सहसचिव उमेश केवट, और अन्य पदों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया बैठक मे बड़ी संख्या मे सामाजिक पदाधिकारी, और स्वजातीय लोग उपस्थित रहे।

## न्यूज गैलरी

### सी.एम.हेल्पलाईन में बालाघाट के ऊर्जा विभाग ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बालाघाट जिले में उर्जा विभाग द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन अंतर्गत अक्टूबर माह में 876 नं. शिकायतें दर्ज हुई थी जिसमें मुख्य रूप से बिल में गड़बड़ी संबंधी 391 नं. बिजली न आने वोल्टेज से संबंधी 276 नं. मीटर खराब होने संबंधी 60 नं. तार टूटने संबंधी 32 नं. सभी 876 नं. शिकायते संतुष्टिपूर्ण बंद कराई गई जिसके फलस्वरूप बालाघाट जिले के अंतर्गत उर्जा विभाग ने सी.एम.हेल्पलाईन में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया । साथ ही अधीक्षण अधीक्षण अभियंता अमित कुमार द्वारा समस्त कार्यपालन अभियंताओं एवं कनिष्ठ/सहायक अभियंताओं को आगामी माहों में निरंतर शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण बंद करवाने हेतु निर्देशित किया गया।

### बिजली बिल बकायादारों को समाधान योजना में मिल रही है छूट

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बिजली बिल के बकायादारों के लिए मध्यप्रदेश के ऊर्जा विभाग द्वारा समाधान योजना 2025-26 शुरू की गई है। इसके अंतर्गत विलंबित बिल के भुगतान पर सरचार्ज में भारी छूट दी गयी है। यह योजना 28 फरवरी, 2026 तक लागू रहेगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि पहले चरण में 3 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत सरचार्ज माफ रहेगा। दूसरा चरण एक जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक होगा, जिसमें 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ रहेगा। भुगतान विकल्प में एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम छूट मिलेगी। साथ ही 6 किश्तों में भुगतान की आसान सुविधा भी उपलब्ध है। पंजीयन हेतु घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को कुल बकाया का राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं को कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत जमा कर कराना होगा। उपभोक्ता अधिक जानकारी के लिए नजदीकी विद्युत मंडल कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या कंपनी की वेबसाइट और 1912 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

### मोटरसाइकिल की ठोकर से 19 वर्षीय युवती घायल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर में मोटरसाइकिल की ठोकर से एक युवती घायल हो गई गए युवती गोसिया खान पिता सुभान खान 19 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोसिया खान घरेलू काम करती है। 20 नवंबर की शाम 7-30 बजे गौसिया खान अपनी मां और अपने मोहल्ले के लोगों के कुछ लोगों के साथ अपने मोहल्ले से दूसरी गली में खाना खाने जा रहे थे। तभी तो तौफीक खान सामने से तेज रफ्तार लापरवाही पूरक मोटरसाइकिल चलाते हुए लाया और गोसिया खान को ठोस मार दिया। मोटरसाइकिल की ठोकर से गोसिया खान घायल हो गई। जिसे प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

पूर्व विधायक और संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरिते ने यूनिसेफ की कार्यकारी अध्यक्ष रसेल को पत्र लिखा

# 'यूनिसेफ के पैसों से मप्र और बिहार में वोट खरीदे गये'

**महिलाओं-बच्चों के कुपोषण से बचाने दी यूनिसेफ की राशि से मप्र, बिहार में लाडली बहनाओं को दिया गया!!**

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष संयुक्त क्रांति पार्टी किशोर समरिते ने कार्यकारी निर्देशक यूनीसेफ ( unicef ). संयुक्त राष्ट्र संघ, न्युयार्क सुश्री कैंथरीन रसेल को एक पत्र लिखकर बिहार एवं मध्यप्रदेश में यूनिसेफ द्वारा दी गयी राशि के बेजा इस्तेमाल की जाँच करवाने की मांग की है। अपने पत्र में श्री समरिते ने उल्लेख किया है कि भारत में बिहार एवं मध्यप्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के लिये दी गई राशि बिहार एवं मध्यप्रदेश चुनाव में खर्च किये जाने की जांच करना बेहद जरूरी है।**

किशोर समरीते
पूर्व विधायक

संयुक्त क्रांति पार्टी

मो. 9424664203
7999505294

दिनांक 21-11-2025

...यार्क।

...मध्यप्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के लिये दी गई राशि बिहार एवं मध्यप्रदेश चुनाव में खर्च ...करने बाबद्।

...रा दी गई राशि जो महिला एवं बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये दी गई। उसे मध्यप्रदेश ...दने वाली योजना लाड़ली बहिना योजना में 1.26 करोड़ महिलाओं को 1250/-रूपये प्रतिमाह ...ने के लिये खर्च की गई। इस मामले में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव महिला एवं बाल ...दने के लिये मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिलाओं के खातों में डाली गयी। इसी तरह ...में 10 हजार रूपये डायरेक्ट बेनीफीट ट्रांसफर के नाम 21 लाख महिलाओं के खाते में वोट खरीदने राशि डाली गयी। यह राशि बिहार में महिलाओं के वोट खरीदने दी गयी। यह राशि के दुरूपयोग का गंभीर मामला है। इस मामले में मुख्य सचिव बिहार शासन तथा प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग बिहार शासन के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ के दिशा निर्देश का उल्लंघन कर युनीसेफ की राशि बिहार में वोट खरीदने खर्च किये जाने की जांच की जानी चाहिये। साथ ही भारत सरकार के सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के विरूद्ध भी युनीसेफ की राशि का म.प्र. एवं बिहार में वोट खरीदने के लिये खर्च किये जाने के मामले की संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जांच दल भेजकर जांच करवाने की अत्यन्त आवश्यकता है।

अतः मध्यप्रदेश एवं बिहार में युनीसेफ की राशि को वोट खरीदने के लिये दुरूपयोग करने की संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरीक्षण दल भेजकर जांच करवाने का कष्ट करें।

किशोर समरीते
राष्ट्रीय अध्यक्ष
संयुक्त क्रांति पार्टी
एवं पूर्व विधायक
लांजी
तहसील-लांजी, जिला-बालाघाट

प्रतिलिपि :-
1- श्री एटीनियो गुटरेश महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ।
2- महामहिम राष्ट्रपति महोदया, भारत सरकार।
3- माननीय प्रधानमंत्री महोदय, भारत सरकार।
4- केबिनेट सचिव, भारत सरकार।
5- माननीय नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा।
6- माननीय नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा।
7- सिंथिया मेककेफरी, प्रतिनिधि, युनीसेफ, भारत।
8- सार्जियो गोर, राजदूत, अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली।

### ये तथ्य दिए गए

उन्होंने बताया कि भारत को युनीसेफ द्वारा दी गई राशि जो महिला एवं बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये दी गई। उसे मध्यप्रदेश में 28-01-2023 से 2025 तक वोट खरीदने वाली योजना लाड़ली बहिना योजना में 1.26 करोड़ महिलाओं को 1250/- रूपये प्रतिमाह देकर मध्यप्रदेश में यह राशि वोट खरीदने के लिये खर्च की गई। इस मामले में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यह राशि वोट खरीदने के लिये मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिलाओं के खातों में डाली गयी।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि इसी तरह बिहार राज्य में महिला रोजगार योजना में 10 हजार रूपये डायरेक्ट बेनीफीट ट्रांसफर के नाम 21 लाख महिलाओं के खाते में वोट खरीदने राशि डाली गयी। यह राशि बिहार में महिलाओं के वोट खरीदने दी गयी। यह यूनिसेफ की जनकल्याण और मानवता के बचाव, विकास तथा समाज की बेहतरी पर खर्च करना था किन्तु उसका दुरूपयोग कर उक्त राशि से इन दोनों कर्ज में डूबे राज्यों में चुनावों में सरकार बनाने के लिए लाडली बहना नामक योजनाओं में खर्च कर दी गयी. यह राशि के दुरूपयोग का गंभीर मामला है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य सचिव बिहार शासन तथा प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग बिहार शासन के विरुद्ध संयुक्त राष्ट संघ के दिशा निर्देश का उल्लंघन कर युनीसेफ की राशि बिहार में वोट खरीदने खर्च किये जाने की जांच की जानी चाहिये। साथ ही भारत सरकार के सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के विरूद्ध भी युनीसेफ की राशि का म.प्र. एवं बिहार में वोट खरीदने के लिये खर्च किये जाने के मामले की संयुक्त राष्ट संघ द्वारा जांच दल भेजकर जांच करवाने की अत्यन्त आवश्यकता है।

राष्टीय अध्यक्ष किशोर समरिते ने कहा कि मध्यप्रदेश एवं बिहार में युनीसेफ की राशि को वोट खरीदने के लिये दुरूपयोग करने की संयुक्त राष्ट संघ द्वारा निरीक्षण दल भेजकर जांच करवाया जाना भी बेहद जरूरी है।

श्री समरीते ने इस पत्र की प्रति एटीनियो गुटरेश महासचिव, संयुक्त राष्ट संघ,महामहिम राष्टपति , भारत सरकार, प्रधानमंत्री , भारत सरकार, केबिनेट सचिव, भारत सरकार, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा, नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा ,सिंथिया मेककेफरी, प्रतिनिधि, युनीसेफ, भारत,सार्जियो गोर, राजदूत, अमेरिकी दूतावास, नई दिल्लीको भी प्रेषित किया है।

# एक अदद खिलौने वाले ने लिखी थी लूट काण्ड की पटकथा

**महिला एसडीओपी, हॉक फोर्स के डीएसपी समेत 13 पुलिस वाले गिरफ्त में, जाँच अभी भी जारी**

**पद्मेश विशेष।**
**पदमेश न्यूज। बालाघाट। सिवनी। जबलपुर**

एक बेहद चौंकाने वाली खबर के अनुसार एक छोटे से खिलौने बेचने वाले ने इतने बड़े लूट काण्ड की रहस्यमयी पटकथा लिख दी। जबलपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारी बताते हैं कि किसी और सूत्र से उस व्यापारी को हवाला की खबर लगी थी. जिसपर लोग जुड़ते गए और अपने ही फेंके गए जाल में फँसते गए.क्या आम सिपाही.. क्या खास एसडीओपी, क्या खास डीएसपी, क्या खास हॉक फोर्स जैसी प्रतिष्ठित बल के अफसर रुपयों के आगे फिसलते गए।

अब ताजा खबर के मुताबिक सिवनी में हवाला मनी लूटकांड मामले के मास्टरमाइंड बालाघाट हॉक फोर्स में पदस्थ डीएसपी पंकज मिश्रा सहित चार आरोपियों की पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस मामले में अभी तक महिला एसडीओपी, हॉक फोर्स में डीएसपी सहित 13 पुलिस कर्मियों तथा दो सिविलियन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। सिविलियन व्यक्तियों में एक महिला एसडीओपी का जीजा है तथा दूसरा खिलौना व्यापारी है। दोनों के तार पहले से हवाला रैकेट से जुड़े थे।

सूत्र बताते हैं कि जबलपुर निवासी खिलौना व्यापारी पंजू गिरी गोस्वामी को हवाला की रकम 2.96 करोड़ रुपये कार क्रमांक एमएच 13 ईके 3430 में रखकर कटनी से जालना ले जाने की जानकारी मिली थी। खिलौना व्यापारी ने इसकी सूचना क्राइम ब्रांच जबलपुर में पदस्थ अपने विश्वसनीय प्रधान आरक्षक प्रमोद सोनी को दी थी। प्रधान आरक्षक ने इसकी सूचना हॉक फोर्स बालाघाट में पदस्थ डीएसपी पंकज मिश्रा को दी थी। इसके अलावा सिवनी में एसडीओपी पद पर पदस्थ पूजा पांडे के जीजा वीरेंद्र दीक्षित को भी इस संबंध में जानकारी थी। इसके बाद चारों ने मिलकर हवाला की रकम लूटने की योजना तैयार की और सिवनी में पदस्थ एसडीओपी पूजा पांडे को इसमें शामिल किया।

एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विशेष जांच के लिए गठित जबलपुर एसआईटी ने 18 नवम्बर को बालाघाट में पदस्थ हॉक फोर्स के डीएसपी पंकज मिश्रा को कसंगी केम्प से, जबलपुर क्राइम ब्रांच में पदस्थ प्रमोद सोनी, महिला एसडीओपी के जीजा वीरेंद्र दीक्षित तथा जबलपुर के खिलौना व्यापारी पंजू गिरी गोस्वामी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। **शेष पेज 02 में...**

# फरार वनरक्षक हिमांशु घोरमारे जबलपुर से गिरफ्तार

**बिना प्रोटोकाल के बाघिन का शव जलाने का मामला, टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर की टीम ने मुखबीर की सूचना पर दिया कार्रवाई को अंजाम**

**पदमेश न्यूज। बालाघाट। साढ़े तीन माह से फरार चल रहा वनरक्षक हिमांशु घोरमारे को स्टेट टाइगर स्टाइक फोर्स जबलपुर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। टीम के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि बालाघाट के अवधपुरी कॉलोनी निवासी 5 हजार के इनामी आरोपी हिमांशु घोरमारे जबलपुर आधार घंटाघर सिविल लाइन के पास घूम रहा है। जिसे घेराबंदी धर दबोचा गया ।आरोपी को वारासिवनी न्यायालय में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। इस प्रकरण में शामिल छह सुरक्षा श्रमिक एक डिप्टी रेंजर कुल सात आरोपियों को टीम पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस प्रकरण में अब आरोपियों की संख्या 8 आठ हो गई है।**

### 27 जुलाई, बाढ़ के पानी में मिला था बाघ का शव

ज्ञात हो कि दक्षिण वन मंडल बालाघाट अंतर्गत सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व लालबर्रा के बहियाटिकुर बीट कक्ष क्रमांक 443 में 27 जुलाई को ग्राम बोरी के पोटूटोला नहर के पास बहने वाले कालागोटा नाले में बाघिन का शव बहकर आया था।आरोप है कि डिप्टी रेंजर टीकाराम हनोते व वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के कहने पर सुरक्षा श्रमिकों ने तीन दिन तक शव को इधर उधर स्थान बदल बदलकर रखा और 30 जुलाई को लकड़ी का इंतजाम होने पर जला दिया गया था।

### वायरल फोटो ने खोला था घटना का राज

उधर इस मामले में मृत बाघिन की फोटो इंटरनेट मीडिया पर दो अगस्त को एक वन्यजीव प्रेमी ने बहुप्रसारित की थी। आनन-फानन में वन विभाग ने टीम गठित शव को जंगल में खोजना शुरू किया। दो दिन तक जहां शव बहकर आया था, उस स्थान तक टीम पहुंची थी, लेकिन शव वहां नहीं मिला था। तीसरे दिन नाले किनारे जिस जगह पर शव को जलाया गया था, वहां पर पेड़ों के झूलसे पत्तों से बाघिन के शव को जलाने की पुष्टि की गई। इसके बाद छह सुरक्षा श्रमिकों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। जिन्होंने पूछताछ में डिप्टी व वनरक्षक के कहने पर शव जलाने की बात बताई थीं।

### एसटीएसएफ कर रही जांच

मामले को गंभीरता से लेकर स्थानीय स्तर पर एसआइटी गठित की गई थी, लेकिन वन्यजीव प्रेमियों के विरोध के चलते कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए यह प्रकरण की अग्रिम विवेचना के लिए प्रकरण का पांच अगस्त 2025 को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर इकाई को हस्तांतरण किया गया। अब फरार आठवां आरोपी वनरक्षक भी गिरफ्तार कर लिया है। इसे रिमांड में लेकर पूछताछ की जाएगी।

### 5 हजार का ईनाम घोषित किया गया था

खास बात यह है कि शव को जंगल में खोजने के दौरान छह आरोपित को पकड़े जाने तक डिप्टी रेंजर व वनरक्षक साथ में ही थे, लेकिन वन विभाग को पता रहने के बाद भी उन्हें पकड़ा नहीं गया और वे दोनों फरार हो गए। दो-तीन बार डीएफओ ने कार्यालय में हाजिर होने नोटिस भी जारी किया, लेकिन दोनों फरार ही रहे। आरोपियों को सेवा से पृथक करने भोपाल प्रस्ताव भेजा गया था। डीएफओ ने 8 अक्टूबर को दोनों वरिष्ठ स्तर से अनुमति मिलती ही सेवा से पृथक कर दिया गया था। विभिन्न न्यायालयों से आरोपियों की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई थी। डिप्टी रेंजर को पिछले दिनों टीम ने गिरफ्तार किया था। वहीं 20 नवंबर को हिंमाशु को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इस पर पांच हजार का इनाम भी घोषित किया गया था।

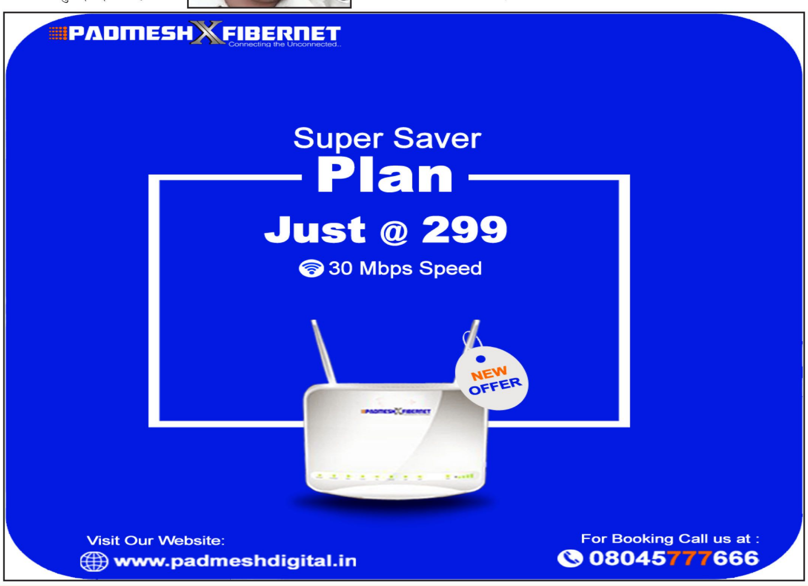

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
**स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट